अर्बन एक्शन किट

अर्बन एक्शन किट

विषय-सूची

प्राक्कथन **6**

अबर्नएक्शनकिटकापरिचय **7**

शहरी मुद्दों से परिचय **9**

9 ग्लोबल लिंक
10 अपने शहर के जलवायु-संबंधी खतरों को पहचानना
11 शहरी प्रणालियों को चिन्हित करना
12 अधिक प्रभावित होने वाले समूहों की पहचान
13 भागीदारी बनाना
14 केस स्टडी: लुगानविले सिटी सिस्टम्स मैपिंग, वैनुआटु
15 केस स्टडी: जुइया माफुरिको/रमानी हुरिया फ्लड रिज़िल्यन्स प्रोजक्ट, तंजानिया में साझेदारियां तैयार करना

शहरी कृषि **17**

17 ग्लोबल लिंक
18 गार्डन बिंगो
19 गेट डिगिंग
20 शहरी जेंगा
21 गार्डन हंट
22 केस स्टडी: किबेरा के शहरी बोरा उद्यान
23 केस स्टडी: अपसाइकिलिंग: पहले अपशिष्ट, फिर कम्पोस्ट और फिर सामुदायिक उद्यान

शहरी जल, सफ़ाई-प्रबंध और स्वच्छता **25**

25 ग्लोबल लिंक
26 घरेलू कचरा अलग करने संबंधी प्रतियोगिता
27 सफ़ाई-प्रबंध में लगे कर्मचारियों के प्रति व्यवहार संबंधी बदलाव
28 छत पर वर्षा-जल संचयन प्रणाली
30 स्कूलों में हाथ धोने संबंधी कार्यशालाएं
31 केस स्टडी: SUNYA (दक्षिण एशिया में शून्य कचरे की ओर) वार्ड नंबर 23, कोयंबटूर, भारत की परियोजना
32 केस स्टडी: औगाडौगू, बुर्किना फासो में स्वच्छता कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों में सुधार
33 केस स्टडी: मनीला, फिलीपींस की अनियमित बस्तियों में WASH व्यवहारों में सुधार

प्रकृति आधारित समाधान **35**

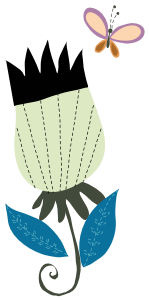

35 ग्लोबल लिंक
37 ऑप्रेशन स्टोनब्रेकर
38 पेड़ों के संरक्षण हेतु लोगों को एकजुट करना
39 रेन वाटर गार्डन (वर्षाजल के बाग़-बग़ीचे)
41 नीले और हरे गलियारे
42 नेबरहुड वाडीज़
43 केस स्टडी: ऑपरेटी स्टीनब्रीक, नीदरलैंड
44 केस स्टडी: मेडेलिन, कोलंबिया के हरित गलियारे

रहने योग्य शहर **47**

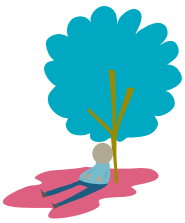

47 ग्लोबल लिंक
49 शहरी स्थानों में जगह बनाना
51 स्थानीय उत्सव
53 कार-मुक्त दिन
54 पैदल चलने वालों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए लेनों को पेंट करना
55 केस स्टडी: एकरा, घाना में ममोफ्रा प्लेस

शीघ्र चेतावनी शीघ्र कार्रवाई **57**

58 ग्लोबल लिंक
59 मौसम की जानकारी को समझना
60 सामुदायिक संचार नेटवर्क का मानचित्रण
61 संचार प्रणाली डिजाइन करना
62 शीतलन केंद्र
63 केस स्टडी: दार-एस्सलाम, तंज़ानिया में स्थानीय रूप से प्रासंगिक मौसम प्रभाव विवरण और कार्रवाई योग्य परामर्श तैयार करना
64 केस स्टडी: DARAJA (संयुक्त कार्रवाई के माध्यम से जोखिम जागरूकता विकसित करना (Developing Risk Awareness through Joint Action) नैरोबी, केन्या में सामुदायिक मौसम संचार प्रणाली का डिजाइन करते हुए

रचनात्मक संचार **67**

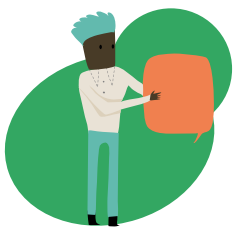

67 ग्लोबल लिंक
68 शहरी कला
69 रणनीतिक शहरी व्यवहार
70 फ्लैशमोब्स
71 कार्टून-ए-थॉन (कार्टून प्रतियोगिता) आयोजित करें
72 केस स्टडी: लुसाका, ज़ांबिया में हीटवेव्स पर रणनीतिक शहरी व्यवहार
73 केस स्टडी: जटिल शहरी मुद्दों और रूपांतरण का पता लगाने के लिए कार्टून-ए-थॉन्स

आभार **74**

प्राक्कथन

ज्यादातर लोगों के लिए, उनका भविष्य शहरी आवास में निहित है। 2035 तक लगभग साढ़े पाँच अरब लोग शहरों में रह रहे होंगे, जिसमें से लगभग सारी शहरी वृद्धि पूर्वी एशिया, दक्षिण एशिया और अफ्रीका में होगी यह अविश्वसनीय वृद्धि अवसर और चुनौतियाँ - दोनों पेश करती है। अनियोजित होने पर तीव्र वृद्धि आपदाओं, बीमारियों, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और अन्य खतरों की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि करेगी। इस प्रभाव का खामियाजा शहरी गरीब भुगतेंगे क्योंकि उनके अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में रहने की आशंका होती है जबकि उनके पास स्वयं को बचाने के संसाधन सीमित होते हैं।

इसके साथ-साथ, अन्य क्षेत्र जैसे लेटिन अमरीका एवं कैरेबियन, यूरोप और उत्तरी अमरीका पहले से ही अत्यधिक शहरीकृत हैं और वे बाढ़, सूखा और अत्यधिक गर्मी जैसी शहरी आपदाओं की रोजमर्रा की वास्तविकताओं का सामना कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण टिकाऊ लचीले निर्माण उपायों की आवश्यकता बढ़ रही है।

शहर अवसर, संस्कृति, नवाचार और संसाधनों के केंद्र हैं। सांमजस्य से काम करते हुए समुदाय, नागरिक समाज, रेड क्रॉस रेड क्रेसेंट, निजी क्षेत्र, स्थानीय सरकार और शिक्षाविद् टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल और समावेशी शहरी विकास को बढ़ावा दे सकते हैं।

अर्बन एक्शन किट का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में नागरिक समाज, विशेष रूप से रेड क्रॉस रेड क्रेसेंट स्वयंसेवकों और शाखाओं की सहायता करना है ताकि वे सरल, मितव्ययी स्वयं की जाने वाली गतिविधियों का समूह पेश करके अपने समुदायों में लचीलेपन को मजबूत कर सकें। स्वयंसेवक मौजूदा संसाधनों, नेटवर्कों और सामुदायिक आयोजन के माध्यम से इन गतिविधियों में अग्रणी बन सकते हैं। सात मॉड्यूल्स वाली, यह किट प्रकृति-आधारित समाधानों, रचनात्मक संवाद, शहरी कृषि, शीघ्र चेतावनी शीघ्र कार्रवाई और अन्य के माध्यम से शहरी जनसमुदाय में लचीलापन बनाने के लिए विचार प्रदान करती है।

शहरीकरण बदलावकारी है। यह सामाजिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक पूँजी साझा करने को उत्प्रेरित करता है। और टिकाऊ शहरीकरण का मार्ग समावेशी और संवर्धन योग्य स्थानीय कार्रवाई से प्रारंभ होता है।

जगन चेपागेन
(Jagan Chapagain)
महासचिव, IFRC

अर्बन एक्शन किट का परिचय

अर्बन एक्शन किट शहरी लचीलापन संबंधी गतिविधियों के लिए शीघ्र शुरुआत में सक्षम, मितव्ययी, स्वयं करने योग्य गाइड है जो शहरी मुद्दों पर समुदाय-आधारित संगठन की दृश्यता और जुड़ाव में वृद्धि करेगी। किट में वर्णित गतिविधियों के लिए बहुत कम धन की जरूरत है या इसकी बिलकुल जरूरत नहीं है; ये अल्पकालिक संलग्नताएं हैं; और ये मौजूदा नेटवर्क और कौशल का उपयोग करती हैं।

इस गाइड के मुख्य लक्षित पक्ष रेड क्रॉस और रेड क्रेसंट नेशनल सोसाइटी की शाखाएं और शहरी क्षेत्रों में स्थित स्थानीय समुदाय-आधारित संगठन (CBO) हैं। उपयोगकर्ता शहर में अपने संगठन की उपस्थिति का विस्तार करने के इच्छुक है और सरल, मितव्ययी, शहरी लचीलेपन संबंधी गतिविधियों के सुझावों की तलाश कर रहा है जिन्हें वह मौजूदा, सामान्यतः सीमित, संसाधनों की सीमा में लागू कर सकता है। हम मानते हैं कि उनके पास स्वयंसेवकों तक पहुँच उपलब्ध है, वे अपने शहर के बारे में बुनियादी ज्ञान और प्रमुख अवधारणाओं जैसे: सामुदायिक संलग्नता दृष्टिकोण, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य से अवगत है।

किट में शहरी अवधारणाओं का सामान्य परिचय है, इसके बाद इसमें इन पर छह मॉड्यूल्स की श्रृंखला है: रचनात्मक संवाद, प्रकृति-आधारित समाधान, जल स्वच्छता एवं साफ-सफाई (WASH), शहरी कृषि, स्वास्थ्य एवं कल्याण, शीघ्र चेतावनी शीघ्र कार्रवाई एवं जीने लायक शहर। प्रत्येक मॉड्यूल में संक्षिप्त अवधारणा विवरण, गतिविधियों की श्रृंखला, संक्षिप्त केस अध्ययन और ग्लोबल लिंक है। गतिविधियों को एक साथ या अलग-अलग लागू किया जा सकता है।

इस किट का उद्देश्य मौजूदा संसाधनों और क्षमताओं का उपयोग करके राष्ट्रीय सोसाइटी शाखाओं और CBO द्वारा लागू की जा रही शहरी लचीलेपन संबंधी गतिविधियों का फैलाव बढ़ाना है। यह अन्य शहरी कार्यकर्ताओं और संगठनों के साथ साझेदारी निर्मित करने की नींव के रूप में भी काम कर सकती है; और कुछ मामलों में, शहरी लचीलेपन संबंधी परियोजनाओं के लिए भविष्य के वित्तपोषण का आधार भी बन सकती है।

BAKERY

शहरी मुद्दों से परिचय

अपने उच्च घनत्व के साथ-साथ उनके भीतर जटिल और परस्पर जुड़ी प्रणालियों के समूह के अस्तित्व के कारण शहरी जगहें अद्वितीय हैं। इसलिए शहरी प्रणाली और यह कैसे कार्य करती है, इसे समझना महत्वपूर्ण है।

पिछले 40 वर्षों में शहरों – अर्थात कम से कम 50,000 निवासियों सहित उच्च घनत्व वाले स्थान में रहने वाली आबादी दोगुने से अधिक हो गई है, 2015 में यह संख्या 3.5 अरब लोगों तक पहुँच गई है। कस्बों और कम घनी आबादी वाले क्षेत्रों में रहने वाले 2.1 अरब अन्य लोगों सहित, 2050 तक दुनिया की शहरी जनसंख्या लगभग 5.6 अरब (62 प्रतिशत) तक पहुँच जाएगी। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि शहरी जनसंख्या वृद्धि में से 90 प्रतिशत वृद्धि एशिया और अफ्रीका के विकासशील देशों के छोटे और मध्यम शहरों में होगी। शहरों को कई लोगों द्वारा अवसर के केंद्रों और विकास प्रेरकों के रूप में देखा जाता है, जो जोखिमों के बावजूद वहाँ रहने के लिए पहुँचते हैं।

तीव्र और अनियोजित शहरी विकास से जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के नकारात्मक प्रभावों की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या बढ़ जाती है। विश्व के विशालतम शहरों में से कई शहर नदियों के मुहानों पर स्थित हैं और अभेद्य सतहों के व्यापक उपयोग, भूजल दोहन में वृद्धि और प्राकृतिक पर्यावरण के विनाश के कारण इनमें बाढ़ और अन्य जोखिमों का अत्यधिक खतरा है। जलवायु परिवर्तन प्रभाव जैसे अधिक वर्षा होना, आंधी आना, बाढ़, हीटवेव और शहरी गर्मी द्वीप प्रभावों के आगामी दशकों में और अधिक तीव्र होने की आशंका है। दीर्घावधि प्रभावों, जैसे समुद्र का जल-स्तर बढ़ने, की भी आशंका व्यक्त की जा रही है।

इस मॉड्यूल में, हम यह सीखते हैं कि शहरों में जलवायु से संबंधित जोखिमों की पहचान किस तरह की जाए और शहरी प्रणालियों को कैसे मैप किया जाए। इसे इसका पता लगाने में सहायता के लिए डिजाइन किया गया है कि जलवायु परिवर्तन और अन्य आघात शहरी प्रणालियों और उन पर निर्भर समुदायों के लचीलेपन को किस तरह प्रभावित करते हैं।

ग्लोबल लिंक

शहर की सरकारें/नगरपालिकायें, विश्व भर में कार्बन-मुक्त और चिरस्थायी शहर बनाने की पहल कर रही हैं और कई शहरों के नेटवर्क – जैसेकि C40 शहर और लोकल गवर्नमेंट्स फॉर सस्टेनेबिलिटी (ICLEI) – के रूप में मिलकर काम कर रही हैं। राष्ट्रीय समितियाँ इसमें अपनी सहायक भूमिका बढ़ा सकती हैं; और स्थानीय सरकारों के साथ काम करते हुए जलवायु परिवर्तन के समुदाय-आधारित समाधान ढूँढने के शहर के प्रयासों में योगदान दे सकती हैं।

अपने शहर के जलवायु-संबंधी खतरों को पहचानना

आपके शहर में जलवायु संबंधी जोखिमों को समझना उन जोखिमों के प्रबंधन की दिशा में पहला कदम है। इस गतिविधि का उद्देश्य कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को उनके शहर/जिले या पड़ोस (शहर के आकार के आधार पर) में सामुदायिक लचीलेपन के प्रति जलवायु संबंधी जोखिमों और बाधाओं की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

चरण

1. 4-6 लोगों के ग्रुप बनायें और हर ग्रुप को शहर का एक प्रिंटेड नक़्शा दें। हर प्रतिभागी को 10-15 स्टिकी नोट्स बाँट दें।

2. हर ग्रुप से कहें कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में लोगों के सामने आने वाले खतरों की चर्चा करें और स्टिकी नोट्स पर लिखें। इसके बाद शहर के मानचित्र में स्टिकी नोट्स जोडें, जैसा नीचे दिखाया गया है (15 मिनट)। ध्यान दीजिये कि कौन सा खतरा शहरभर के लोगों को प्रभावित करता है – यह शहर-स्तर का खतरा है।

3. प्रत्येक समूह को जलवायु परिवर्तन से संबंधित सबसे महत्वपूर्ण तीन जोखिमों की पहचान करने के लिए कहें; यह चर्चा करने के लिए कहें कि ये खतरे शहर के स्तर पर हैं या भौगोलिक स्थान के अनुरूप विशिष्ट हैं; और इसे उनके स्टिकी नोट्स पर रिकॉर्ड करने के लिए कहें। जलवायु जोखिम के संबंध में शहर के आस-पास के भूदृश्य (यानी नदी का मुहाना, पर्वतीय जलाशय, नदी से सटा निचला समतल क्षेत्र,नदी बेसिन आदि) के बारे में सोचना सहायक हो सकता है। (15 मिनट)।

4. समूहों से पहचाने गए जोखिमों को एकल मानचित्र में समेकित करने के लिए कहें। जोखिमों को उनके पैमाने (जैसे परिवार, पड़ोस, समुदाय आदि) के अनुसार समूहबद्ध करने पर विचार करें।

5. जिन क्षेत्रों में खतरों का जमावड़ा हो रहा हो, नक़्शे पर घेरा बनाकर उनकी पहचान करें और प्रतिभागियों से विचार करने को कहें कि क्या ये खतरे आपस में जुड़े हुए हैं और अगर ऐसा है तो क्यों। (5 मिनट)।

6. इस गतिविधि के परिणाम 1-2 पृष्ठ की रिपोर्ट में बतायें। शहरी समुदायों को बदलती जलवायु का सामना करने में अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से खतरों के विस्तृत विश्लेषण की शुरुआत इसी रिपोर्ट से हो सकती है।

समय
- 40 मिनट।

कठिनाई
- कम।

संसाधन
- शहर के मानचित्र।
- स्टिकी नोट्स
- अलग-अलग रंग के मार्कर

प्रतिभागी
- शहर में रहने वाले कर्मचारी और स्वयंसेवक।

प्रतिभागियों की संख्या
- कम से कम 8 लोग।

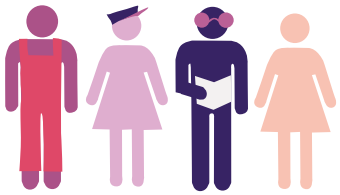

अधिक प्रभावित होने वाले समूहों की पहचान

कमजोर समुदायों की पहचान करना आपके शहर और ऐसे निवासियों को समझने के लिए महत्वपूर्ण है जिन्हें संकट के दौरान सर्वाधिक मदद की आवश्यकता हो सकती है।

यह गतिविधि शहर में ऐसे समुदायों की पहचान करने में मदद करती है जो विभिन्न प्रकार के आघातों के लिए सर्वाधिक असुरक्षित हों। यह गतिविधि सदृश समूहों (साझा हितों/अनुभवों वाले लोगों के समूह); जैसे, अध्यापक, ट्रेन चालक, विकलांग व्यक्ति, अनियमित बस्तियों में रहने वाले लोग, कार से कार्यस्थल जाने वाले लोग आदि, पर केंद्रित है। कोई व्यक्ति औपचारिक या अनौपचारिक रूप से कई सदृश समूहों से संबंधित हो सकता है।

चरण

1. अवधारणा बनाने के लिए एक टीम बनायें। यह आपकी परियोजना टीम, महत्त्वपूर्ण भागीदारों के प्रतिनिधि या समुदाय केंद्रित ग्रुप भी हो सकता है।

2. प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग उन सभी सदृश समूहों की सूची बनाने के लिए कहें जिनके बारे में वे आपके शहर में सोच सकें। यह सूची बनाने के लिए लोगों के रोज़गार, दैनिक गतिविधि, आवागमन और रुचियों के बारे में सोचें।

3. प्रतिभागियों को उनके द्वारा सूचीबद्ध सदृश समूहों को साझा और संयोजित करने के लिए तीन-तीन के समूह बनाने के लिए कहें। टीमों से यह विचार करने के लिए कहें कि क्या कोई सदृश समूह छूटा है, विशेषकर वे जो जलवायु आघातों के प्रति अत्यधिक असुरक्षित हैं, और उन्हें सूची में जोड़ें।

4. टीमों से यह आकलन करने के लिए कहें कि क्या प्रत्येक सदृश समूह में किसी विशेष जोखिम जैसे बाढ़ या अत्यधिक तापमान के प्रति 'उच्च', 'मध्यम', या 'निम्न' असुरक्षा है।

5. पूर्ण सत्र में सभी टीमें बतायें कि उन्होंने विभिन्न समानधर्मा ग्रुपों को किस श्रेणी में रखा है। इन पर चर्चा करें:
   a. टीमों के बीच अंतर
   b. समानधर्मा ग्रुप जिनका उल्लेख केवल एक बार हुआ।

6. पूर्ण सत्र में निर्णय करें कि कौन से समानधर्मा ग्रुप सबसे अधिक प्रभावित होने वाले हैं, इसलिए तैयारी गतिविधियों में उनकी प्राथमिकता सबसे अधिक है।

समय
- 50 मिनट।

कठिनाई
- कम।

संसाधन
- कागज, पेन

प्रतिभागी
- स्वयंसेवक और कर्मचारी।

प्रतिभागियों की संख्या
- कम से कम 6 लोग।

शहरी प्रणालियों को चिन्हित करना

घरों, भवनों, सड़कों और अन्य बुनियादी ढाँचे सहित शहर अत्यधिक जटिल प्रणालियों जैसे बाजारों, सामाजिक नेटवर्कों और निर्मित वातावरण से बने होते हैं।

शहरी बुनियादी ढाँचा शहर की सभी प्रणालियों से गहराई से जुड़ा होता है। जब बुनियादी ढाँचा अक्षम होता है, तब व्यापार, स्थानीय बाज़ार और सेवायें जैसेकि परिवहन, बिजली आपूर्ति और शिक्षा भी कमज़ोर हो जाते हैं।

इस गतिविधि में हम सीखते हैं कि शहरी बुनियादी ढाँचे और प्रणालियों का मानचित्रण कैसे किया जाए। हम यह भी चर्चा करते हैं कि जलवायु परिवर्तन और अन्य आघात इन प्रणालियों और उन पर निर्भर रहने वाले समुदायों के लचीलेपन को किस तरह प्रभावित करते हैं। और हम यह अन्वेषण करते हैं कि आप शहरी बुनियादी ढाँचे और प्रणालियों में जलवायु परिवर्तन और अन्य आघातों के प्रति लचीलापन बढ़ाने वाले कार्यों की योजना बनाने के लिए इस विश्लेषण का उपयोग किस तरह कर सकते हैं।

चरण

1. 4-6 लोगों के ग्रुप बनायें। हर ग्रुप या तो शहर का नक़्शा बनाये या मौजूदा नक़्शे पर काम करे।

2. प्रत्येक समूह को उसके दैनिक जीवन में उपयोग की जाने वाली सेवाओं जैसे बिजली/ गैस, पानी, सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा आदि को चिह्नित करने और उन्हें मानचित्र में जोड़ने के लिए कहें। इस बारे में सोचें कि किस तरह इनमें से प्रत्येक सेवा शहर में एक प्रणाली से संबंधित है; उदाहरण के लिए, बिजली/गैस और पानी उपयोगिता सेवाएं प्रणाली का हिस्सा हैं; ट्रेन और बसें परिवहन प्रणाली का हिस्सा हैं।

3. प्रतिभागियों से कहें कि हर सेवा को नक़्शे पर अलग रंग से दिखायें।

4. प्रतिभागियों को एक बड़े समूह के रूप में साथ लाएं और चर्चा करें:
   a. हर ग्रुप के नक़्शे में क्या समानता और अंतर है?
   b. अलग-अलग प्रणालियाँ आपस में कैसे जुड़ी हैं?
   c. क्या उन्होंने किन्हीं सेवाओं की अनदेखी की (जैसे बंदरगाहों, हवाई अड्डों, सड़क नेटवर्कों, पुलों, खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं, सार्वजनिक वाई-फाई और बैंकों को भी शामिल किया जाना चाहिए)?

5. उन्हीं छोटे समूहों में काम करते हुए, प्रतिभागियों को अतीत के आघात (जैसे नागरिक उपद्रव या भूकंप) या जलवायु परिवर्तन से संबंधित किसी ऐसी घटना का वर्णन करने के लिए कहें जिसके परिणामस्वरूप शहरी प्रणाली विफल हो गई हो।

6. समूहों से ऐसे कार्यों पर चर्चा करने के लिए कहें जो बुनियादी ढाँचे और सेवाओं पर आघातों और जलवायु परिवर्तन से संबंधित घटनाओं के प्रभावों को कम करेंगे, जैसे:
   a. स्थानीय स्तर पर साफ-सफाई और जल सुविधाएं शुरू करना। विशेषकर अनियमित बस्तियों में
   b. हरित क्षेत्र बढ़ाने/वापस लाने के लिए इलाक़े को फिर से हरा-भरा बनाने की परियोजनायें लागू करना
   c. पर्यावरण जागरूकता/साफ-सफाई की स्थानीय गतिविधियाँ चलाना।

समय
- 40 मिनट।

कठिनाई
- कम।

संसाधन
- कागज के बड़े टुकड़े
- विभिन्न रंगों में मार्कर

प्रतिभागी
- कर्मचारी और स्वयंसेवक।

प्रतिभागियों की संख्या
- कम से कम 6 लोग।

भागीदारी बनाना

साझेदारी निर्मित करना पूरक कौशलों और संसाधनों के साथ लोगों और संस्थानों से पारस्परिक सहयोग का लाभ उठाकर पहल के प्रभाव को विस्तारित करने का शानदार तरीका है।

इस गतिविधि का उपयोग अपनी पहल के लिए संकल्पना और संभावित भागीदारों की ओर अपने मार्गदर्शन के लिए करें। यह नए सदस्य शामिल करने की प्रक्रिया शुरू करने में भी आपकी मदद करेगी।

चरण

1. पहल की पहचान करें। उसकी उपलब्धि के संक्षिप्त दृष्टिकोण का मसौदा तैयार करें। बड़ा सोचें – विशिष्ट, साहसिक और वास्तविक दृष्टिकोण सबसे अधिक प्रेरक होते हैं।

2. अपने दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी संसाधनों की पहचान करें। धन की बजाय उन्हें विशिष्ट शब्दों जैसे कौशलों, लोगों के समय, उत्पादों, मीडिया कवरेज आदि में सूचीबद्ध करें।

3. पहचान करें कि आप भागीदारी को कौन से संसाधन दे सकते हैं। रणनीति बनायें – अपने सबसे बड़े वर्धित मूल्य पर ध्यान दें।

4. शुरुआत करने के लिए आपको अपने भागीदारों से किन संसाधनों की सबसे पहले ज़रूरत है, इसकी पहचान करें। रचनात्मक रूप से सोचें – जिन भागीदारों के साथ आपने पहले कभी काम नहीं किया है, वे आपकी पहल के लिए सबसे महत्वपूर्ण नदारद संसाधन(नों) का योगदान करने में समर्थ हो सकते हैं।

5. पहचान करें कि संभावित भागीदारों को आपकी पहल में क्यों दिलचस्पी हो सकती है। यह आपके दृष्टिकोण से प्रत्यक्ष रूप से भी जुड़ा हो सकता है या अप्रत्यक्ष रूप से भी। इसका प्रत्येक संभावित सहयोगी के लिए प्रेरक संवाद शैली बनाने में उपयोग करें।

6. जिसकी शामिल होने की सर्वाधिक संभावना है, उससे शुरुआत कर प्रत्येक संभावित सहयोगी से व्यक्तिगत रूप से मिलें। अपनी संकल्पना साझा करें; क्यों वे महत्वपूर्ण संभावित सहयोगी हैं; किस तरह यह पहल उनके लक्ष्यों में योगदान करती है; आपको उनके द्वारा कौन सा अनूठा योगदान लाए जाने की उम्मीद है और आपके अपने संसाधनों सहित पहले से ही निश्चित सहयोगी और संसाधन।

7. शुरुआत करें। परिचय के लिए निश्चित सहयोगियों को साथ लाएं; भागीदारी में काम करने के तरीकों का संक्षिप्त विवरण दें; संवाद और निर्णय लेने के तरीकों और बारंबारता पर सहमत हों; पहल में एक-दूसरे की भूमिका की साझा समझ सुनिश्चित करें; पहल के विवरण और प्रारंभिक चरणों को आकार देने के लिए भागीदारों को आमंत्रित करें। इस समय का उपयोग आप अतिरिक्त सहयोगियों की पहचान करने के लिए भी कर सकते हैं जिन्हें आपके द्वारा शहर के इर्द-गिर्द आपकी पहल को संवर्धित किए जाने पर आपकी नई टीम अपने साथ ला सकती हो।

समय
- प्रारंभिक बैठक के लिए 60 मिनट।

कठिनाई
- मध्यम।

संसाधन
- पेन और कागज

प्रतिभागी
- प्रमुख टीम।

प्रतिभागियों की संख्या
- 1–6 लोग।

केस स्टडी

लुगानविले सिटी सिस्टम्स मैपिंग, वैनुआटु

वैनुआटु रेड क्रॉस सोसाइटी (VRCS) ने राजधानी शहर, लुगानविले में शहर-व्यापी जोखिम मूल्यांकन और कार्रवाई योजना पूरी की। नगरपालिका, स्थानीय सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज संगठनों और स्थानीय/राष्ट्रीय व्यवसायों सहित इसमें विभिन्न अलग-अलग हितधारक शामिल थे। सिस्टम मैपिंग को सेकेंडरी डेटा विश्लेषण द्वारा बल दिया गया था जिसने शहरी असुरक्षाओं के प्रति हितधारकों की जागरूकता बढ़ाई और शहरी मुद्दों में जुड़ने के लिए शाखा का विश्वास मजबूत किया।

शहर-व्यापी मूल्यांकन ने VRCS को निम्नलिखित हासिल करने में मदद की:

- स्थानीय सरकार, सरकारी एजेंसियों और गैर-सरकारी संगठनों में शहरी असुरक्षाओं के प्रति पहले से अधिक जागरूकता के साथ-साथ शहर को प्रणालीगत दृष्टिकोण से देखने की क्षमता।
- बाहरी सहयोगियों के साथ जुड़ने के लिए बेहतर कौशलों और आत्मविश्वास सहित स्थानीय शाखा और राष्ट्रीय स्तर पर VRCS की पहले से बेहतर क्षमता; दृश्यता में वृद्धि; और सुदृढ़ और भली-भांति प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का आधार।
- पुनरीक्षित जोखिम मूल्यांकन टूलकिट, जिसके सेक्शंस का अन्य संगठनों द्वारा योजना में मदद के लिए उपयोग और अनुकूलन किया गया है।
- आपदा प्रतिक्रिया के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया बनाने में स्थानीय सरकार का सहयोग किया गया।
- पहले से कम असुरक्षाएं – जैसे आपदा तत्परता के बारे में की गई कार्रवाई, नालों की सफाई।

लुगानविले में पानी और स्वच्छता में सुधार के लिए स्थापित पानी की टंकी के साथ वानुआतु रेड क्रॉस स्वयंसेवक।
(फोटो आभार: अमरीकी रेड क्रॉस)

केस स्टडी

अक्टूबर 26, 2017 को जंगवानी पुल पर बाढ़
(फोटो आभार: दाउदी फुफुजी — विश्व बैंक)

ज़ुइया माफुरिको/रमानी हुरिया फ्लड रिज़िल्यन्स प्रोजक्ट, तंजानिया में साझेदारियां तैयार करना

दार-एस्सलाम में सतत रूप से बाढ़ों की बहुलता रहती है और पिछले 10 वर्षों में इसने भयावह बाढ़ संबंधी विभिन्न आपदाओं का सामना किया है। इस परियोजना में स्थानीय आपदा तत्परता और प्रतिक्रिया टीमों की स्थापना की गई जो नगरपालिका अधिकारियों से समन्वय बनाकर बाढ़ लचीलेपन संबंधी कार्यों की प्राथमिकता के निर्धारण का नेतृत्व करती हैं। ऐसा करने के लिए, इसे संस्थागत और सामुदायिक स्तरों पर साझेदारी निर्मित करने की जरूरत थी, जो कि इस केस स्टडी का मुख्य मसला है। रेड क्रॉस, विश्व बैंक, विश्वविद्यालयों, मौसम सेवा, दार-एस्सलाम शहर और अन्यों को मिलाकर इस परियोजना में 10 से अधिक संस्थागत साझेदारों के बीच साझेदारी थी। प्रत्येक साझेदार ने अनूठी भूमिका निभाई जो कि परियोजना लागू करने के लिए महत्वपूर्ण थी।

इससे भी महत्वपूर्ण है कि परियोजना में समुदाय के साथ विभिन्न तरीकों से साझेदारी की गई ताकि समुदाय इस परियोजना को अपना समझ अपनाए। परियोजना ने प्रभावित समुदायों के बीच बाढ़ की आपदा के बारे में जागरूकता बढ़ाई और स्थानीय छात्रों को अपने समुदाय के मानचित्रण में संलग्न किया। परियोजना ने छात्रों को डेटा संग्रह टूल्स के उपयोग का तरीका और डेटा को ओपन स्ट्रीट मैप में फीड करना सिखाया जो बाढ़ की तैयारी के बारे में सूचित करने में सहायता करेगा। इस प्रक्रिया का जिम्मा लेकर, उन्होंने अधिक व्यावहारिक समाधान तैयार किए जो समुदाय द्वारा स्वीकार किए गए।

शहरी कृषि

यह मॉड्यूल शहरी उद्यानों के माध्यम से कृषि और प्रकृति-आधारित समाधानों को बढ़ावा देने के लिए सरल और व्यावहारिक तरीके प्रस्तुत करता है जो सघन और कठोर शहरी क्षेत्रों को बहुआयामी हरे-भरे स्थानों में बदल देते हैं।

शहरी उद्यान पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से लाभप्रद होते हैं। स्कूलों में, वे पर्यावरण, जलवायु, कृषि, भोजन और पोषण के बारे में सीखने को प्रोत्साहन देते हैं। मोहल्लों में, लोगों को उनकी वजह से स्थानीय और सस्ते फल मिलते हैं और साथ ही कम्पोस्टिंग से कचरा कम होता है। पार्क और अन्य सार्वजनिक हरित स्थल, लोगों को मनोरंजन और आपसी मेल-मुलाक़ात की जगह उपलब्ध कराते हैं जहाँ स्वास्थ्य और सलामती के साथ-साथ नागरिक भागीदारी और सामाजिक सामंजस्य भी बढ़ता है।

उद्यान शहरी स्थानों का कायापलट कर सकते हैं और हवा व मिट्टी की गुणवत्ता और शहरी सूक्ष्म जलवायु को बेहतर बनाने में सहायता कर सकते हैं। वे जल का जमीनी प्रवाह नियंत्रित करने में सहायता करते हैं, और ठंडे स्थानों के रूप में काम करते हैं, जिनमें लोग और वन्यजीव गर्मी से बच सकते हैं। वे शहरी स्थानों को धूसर से हरे-भरे में बदलने के रचनात्मक तरीकों को बढ़ावा देते हैं (जैसे छत पर स्थित या वर्टिकल उद्यान); और खाली या परित्यक्त जगहों के लिए वैकल्पिक उपयोग खोजते हैं। शहरी उद्यानों पर यदि उचित ध्यान दिया जाए और देखभाल की जाए तो वे बहुत उपयोगी और टिकाऊ होते हैं। कोई भी व्यक्ति आम शहरी बागवानी गतिविधियों में संलग्न हो सकता है।

इस मॉड्यूल में ऐसी रणनीतियाँ और गतिविधियाँ शामिल हैं जो जागरूकता बढ़ाती हैं और स्थानीय संदर्भ और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर विभिन्न प्रकार के शहरी उद्यानों के विकास में सहयोगी हैं।

ग्लोबल लिंक

शहरी उद्यान स्वयंसेवक भावना और सहयोगात्मक कार्रवाई को बढ़ावा देते हैं, और पर्यावरण संबंधी, सामाजिक और आर्थिक लाभों का दोहन करते हैं।

बाग़-बग़ीचे घर में और सतत विकास उद्देश्य 2 के अनुरूप स्कूलों में पौष्टिक भोजन की आपूर्ति बढ़ाकर खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाने का एक शानदार साधन हैं: 'भूख मिटाना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण हासिल करना और स्थायी कृषि को बढ़ावा देना' और विशेष रूप से, लक्ष्य 2.1: '2030 तक, भूख मिटाना और सभी लोगों, विशेषतया शिशुओं सहित निर्धन और असुरक्षित स्थितियों में रहने वाले लोगों के लिए पूरा वर्ष सुरक्षित, पौष्टिक और पर्याप्त भोजन तक पहुँच सुनिश्चित करना।'

शहरी उद्यान प्रकृति को लोगों के करीब लाते हैं, और सतत विकास लक्ष्य 13 के अनुरूप प्रकृति आधारित समाधानों को प्रोत्साहित करते हैं: 'जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई करें'; और, विशेषतया, लक्ष्य 13.1 'सभी देशों में जलवायु संबंधी खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लचीलापन और अनुकूलन क्षमता को मजबूत करें।'

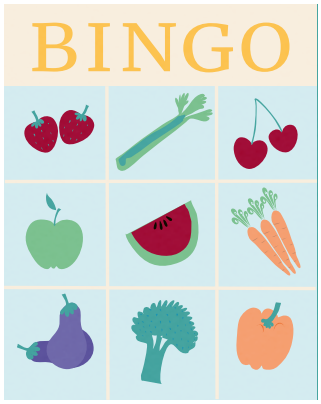

गार्डन बिंगो

यह गेम बच्चों और युवाओं के लिए डिजाइन किया गया है ताकि उन्हें कृषि और खाद्य प्रणालियों के बारे में सिखाते हुए उन्हें बेहतर खाने और स्वास्थ्यकर भोजन चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

गार्डन बिंगो क्लासिक गेम बिंगो पर आधारित है जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी अपने स्कोरकार्ड पर तब संख्याएं काटता है जब उन्हें बिना क्रम के उठाया जाता है और गेम संचालक द्वारा पुकारा जाता है। गार्डन बिंगो में, 'खिलाड़ी के कार्ड' पर संख्या की जगह फलों या सब्ज़ियों के चित्र दिये होते हैं। होस्ट 'ट्रिविया कार्ड' से इन उद्यान उत्पादों का विवरण पढ़ता है और हर खिलाड़ी अपने कार्ड से उसे काट देता है। जीत का तरीका वही है कि आपके कार्ड से सारे फल-सब्ज़ियाँ दूसरे लोगों से पहले कट जायें। यह गेम बच्चों और युवाओं के लिए है और इसमें यथा आवश्यक अधिकाधिक जानकारी शामिल की जा सकती है। खाद्य सुरक्षा, पोषण और कृषि के बारे में परंपरागत पढ़ाई का यह मजेदार विकल्प हो सकता है।

समय
- 10 मिनट (वास्तविक गेम)
  1 दिन (तैयारी और समन्वय)

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- खिलाड़ी कार्ड (गेम से पहले डिजाइन और मुद्रित किए गए)
- ट्रिविया कार्ड (मुड़े हुए और टोकरी/कटोरे में रखे हुए)

प्रतिभागी
- स्कूली बच्चे
- स्कूल से उत्तीर्ण छात्रों और युवाओं के क्लब
- सामुदायिक सदस्य
- स्वयंसेवक

प्रतिभागियों की संख्या
- 10 या अधिक

चरण

1. खेल का दिन और समय तय करना इसमें आपके समुदाय में स्कूल से उत्तीर्ण छात्रों और युवाओं के क्लब शामिल हो सकते है। कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं है परंतु सुनिश्चित करें कि खिलाड़ी और ट्रिविया कार्ड प्रतिभागियों की आयु या स्कूल वर्ष समूह के अनुसार डिजाइन किए जाएं।

2. विभिन्न फलों और सब्ज़ियों के चित्र वाले कार्ड डिज़ाइन और प्रिंट करें।

3. ट्रिविया कार्ड के लिए फलों और सब्ज़ियों का विवरण लिखें। प्रत्येक फल या सब्जी के लिए अलग-अलग कागज का उपयोग करें ताकि आप टोकरी या कटोरी से उन्हें एक-एक करके उठा सकें। कृषि, खाद्य सुरक्षा और पोषण के बारे में खिलाड़ियों की जागरूकता बढ़ाने के लिए अधिकाधिक जानकारी शामिल करें।

4. खिलाड़ी कार्ड सौंपें और खेल को पूरा करने के लिए पैटर्न पर सहमति दें (अर्थात, फल और सब्जियों को लंबवत, क्षैतिज या तिरछी पंक्ति में क्रॉस करके या खिलाड़ी कार्ड की सभी वस्तुओं को खोजकर)।

5. ट्रिविया कार्ड्स को एक-एक करके निकालें। प्रतिभागी उसे पहचानें और अपने कार्ड पर उसके चित्र को काट दें। सबसे पहले, सही तरीके से चित्रों को काटने वाला व्यक्ति खेल जीत जायेगा।

गेट डिगिंग

यह सामुदायिक परियोजना खाली या अनुपयोगी स्थानों को भोजन या आय (अथवा दोनों) के स्रोत के रूप में बदल देती है; बागवानी और कृषि के बारे में जागरूकता बढ़ाती है; और समुदाय के भीतर संबंधों को मजबूत करती है।

गेट डिगिंग, सामुदायिक हरित स्थलों, घर के पिछले हिस्सों या स्कूल के मैदानों में शहरी उद्यान बनाने के लिए समुदायों को प्रोत्साहित करता है। इसमें शामिल होने से स्कूलों, स्कूल-उत्तीर्ण और युवा क्लबों, स्वयंसेवकों और अन्य समूहों को एक साथ मिलकर उद्यान परियोजना पर काम करने का अवसर मिलता है जो कि पौष्टिक भोजन और/या अतिरिक्त आय के स्रोत के रूप में सेवा करके समुदाय को लाभान्वित करेगी। यह प्रतिभागियों के बागवानी कौशल को भी बढ़ाती है और शहरी कृषि, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और पोषण के बारे में उनके ज्ञान में सुधार करती है।

समय
- 1-2 सप्ताह (प्रारंभिक रोपण)

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- बागवानी उपकरण (फावड़ा, रेक, कुदाल, कतरनी, आदि)
- दलदली काई या कम्पोस्ट
- रोपण के लिए बीज

प्रतिभागी
- स्कूली बच्चे
- स्कूल से उत्तीर्ण छात्रों और युवाओं के क्लब
- सामुदायिक सदस्य
- स्वयंसेवक

प्रतिभागियों की संख्या
- 10 या अधिक

चरण

1. स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल कर शहरी उद्यान के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान करें (जैसेकि ख़ाली लॉट, व्यक्तिगत लॉट, घर के पीछे का हिस्सा या स्कूल का मैदान)। इस स्थान को उद्यान बनाने की अनुमति माँगें। सुनिश्चित करें कि यह क्षेत्र आसानी से पहुँचने लायक और सुरक्षित है, किसी जल स्रोत के करीब है और यहाँ सूर्य की रौशनी पर्याप्त मात्रा में मिलती है।

2. समुदाय के सदस्यों को उद्यान का डिज़ाइन बनाने में शामिल करें (जैसेकि नेता, कारोबारी, शिक्षक, माता-पिता, बच्चे)। पौधे चुनते हुए ध्यान रखें कि मिट्टी किस तरह की है और साल में किस समय लगा रहे हैं या फिर यह बच्चों की मनपसंद कहानी की किताब या किसी रेसीपी पर आधारित हो। यदि आवश्यक हो किसी अनुभवी माली से सलाह लें।

3. बीज, पौधे, सामान और उपकरण ख़रीदने के बाद, ज़मीन तैयार करने और बगीचे में पौधे लगाने के लिए एक दिन चुनना। पूरे समुदाय को शामिल करना। बड़े-बुज़ुर्गों और छोटे बच्चों को मिलकर काम करने हेतु प्रेरित करके एक से दूसरी पीढ़ी को बाग़वानी संबंधी ज्ञान बांटने का अवसर देना।

4. बगीचे के रखरखाव की योजना बनाएं, पौधों में पानी डालने, घास-फूस हटाने, साफ़-सफ़ाई और संरक्षण देने का कार्यक्रम बनाएं। पूरे समुदाय को भी शामिल करना।

5. समुदाय के सदस्यों को बगीचे को भोजन के स्रोत के तौर पर उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। कटाई और उपज साझा करने के एक दिन चुनें। उद्यान के रख-रखाव / विस्तार हेतु आय सृजित करने के लिए अतिरिक्त उपज बेच दें।

शहरी जेंगा

यह गतिविधि सीमित स्थान वाले क्षेत्रों में शहरी बागवानी को बढ़ावा देती है। शहरी जेंगा घर या भवन के आसपास कम उपयोग वाले या छिपे हुए स्थानों को अभिनव हरे-भरे स्थान में बदल देता है।

यह बगीचा, जेंगा खेल में खड़े ब्लॉकों के ढांचे की तरह टॉवर का रूप लेता है। खड़े दांव में बगीचे बनाने आसान हैं और उन्हें बनाए रखना भी व्यावहारिक है। इनके लिए लकड़ी के जंगले, पत्थर के खंभे या मज़बूत दीवारें बनाई जाती हैं और पौधों को व्यवस्थित किया जाता है, ताकि पौधे बाहर फैलने की बजाय ऊपर की ओर बढ़ें, अतः पारंपरिक उद्यान की तुलना में कम जगह का उपयोग होता है।

इस गतिविधि में लंबवत उद्यान बनाने के लिए भवन मालिकों और/या स्थानीय अधिकारियों के साथ कार्य करना; हवा और मिट्टी की गुणवत्ता और शहरी सूक्ष्म जलवायु को बेहतर बनाने में सहायता करते हुए शहरी स्थानों को हरे-भरे स्थानों में बदलना शामिल है।

समय
- 1–2 सप्ताह (प्रारंभिक रोपण)

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- टिन के डिब्बे, मिट्टी के बर्तन या लकड़ी के गमले
- बाड़ (या कोई अन्य लंबवत ढाँचा) या रीसाइकल किए गए बोरे या स्वाभाविक तरीके से सड़ने वाली सीमेंट की बोरियां
- बागवानी उपकरण (फावड़ा, रेक, कुदाल, कतरनी, आदि)
- कम्पोस्ट या उपजाऊ मिट्टी
- रोपण के लिए बीज

प्रतिभागी
- स्कूली बच्चे
- स्कूल से उत्तीर्ण छात्रों और युवाओं के क्लब
- सामुदायिक सदस्य
- स्वयंसेवक

प्रतिभागियों की संख्या
- 10 या अधिक

चरण

1. खड़े दांव के बगीचे (जैसे छत, ख़ाली या बहुत सी ख़ाली ज़मीन, घर के पिछले ख़ाली हिस्से, गली या घरों या भवनों से सटे कोई अन्य स्थान) बनाने के लिए भवन-मालिकों और स्थानीय अधिकारियों के साथ उपयुक्त स्थान की पहचान करने के लिए तालमेल करना। सुनिश्चित करें कि यह क्षेत्र सुगम और सुरक्षित हो, पानी के स्रोत के करीब हो, इसे पर्याप्त धूप मिलती हो और यह डिब्बों, बर्तनों या गमलों सहित लंबवत संरचना को समायोजित कर सके। लंबवत उद्यान बनाने की अनुमति लें।

2. जहां आप बगीचे का निर्माण करने की योजना बना रहे हैं, वहां के भवन-मालिकों और वहां रहने वाले निवासियों के साथ खड़े दांव बनने वाले बगीचे का डिज़ाइन और योजना बनाएं। सीधे ऊपर की ओर बढ़ने वाले पौधे चुनें। इस बात का ध्यान रखें कि पौधों को कितनी मिट्टी, पानी और धूप की ज़रूरत है। यदि आवश्यक हो किसी अनुभवी माली से सलाह लें।

3. बीज, पौधे, सामान और उपकरण खरीदने के बाद, खड़े दांव के ढांचे का निर्माण करने और बगीचे में पौधे लगाने के लिए एक दिन चुनना। लंबवत उद्यान बनाने में पूरे भवन के निवासियों और, यदि उपयुक्त हो, तो व्यापक समुदाय को शामिल करें।

4. बगीचे के रखरखाव की योजना बनाएं, पौधों में पानी डालने, घास-फूस हटाने, साफ़-सफ़ाई और संरक्षण देने का कार्यक्रम बनाएं। पुनः, पूरे भवन के निवासियों और, यदि उपयुक्त हो, तो व्यापक समुदाय को उन्हें कार्य सौंपकर शामिल करें।

5. खड़े दांव बनने वाले बगीचे को भोजन के स्रोत के तौर पर उपयोग करने वाले सभी लोगों को प्रेरित करना। कटाई और उपज साझा करने के एक दिन चुनें।

गार्डन हंट

यह मजेदार गतिविधि खाद्य सुरक्षा एवं पोषण, स्थानीय स्तर पर उपजने वाले पौधों एवं कृषि, और शहरी उद्यानों एवं अन्य हरे-भरे स्थानों के लाभों के बारे में प्रतिभागियों के ज्ञान को बढ़ाती है।

गार्डन हंट ऐसी गेम है जिसमें पौधों की विशेषताओं और उत्पत्ति के स्थानों के विवरण के आधार पर उनकी पहचान करने के लिए शहरी उद्यान या सार्वजनिक पार्क का भ्रमण शामिल है। यह सरल गेम स्कूली बच्चों के साथ-साथ स्कूल-उत्तीर्ण एवं युवा क्लबों और स्वयंसेवकों के लिए डिजाइन की गई है। गार्डन हंट खेलकर, युवा अपनी भोजन संस्कृति और अपने स्वास्थ्य और कल्याण के लिए हरे-भरे स्थानों के महत्व के बारे में और अधिक सीखते हैं। इस गेम को समुदाय में वयोवृद्ध लोगों और/या बागवानी विशेषज्ञों को युवा लोगों के साथ अपना ज्ञान साझा करने में शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया जा सकता है।

समय
- 30 मिनट (प्रश्न पूछने सहित वास्तविक गेम)
- 1 दिन (तैयारी और समन्वय)

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- संकेत कार्ड
- उत्तर पत्रक

प्रतिभागी
- स्कूली बच्चे
- स्कूल से उत्तीर्ण छात्रों और युवाओं के क्लब
- स्वयंसेवक

प्रतिभागियों की संख्या
- 10 या अधिक

चरण

1. प्रत्येक पौधे की विशेषताओं और मूल-स्थान के विवरण का संकेत देने वाले कार्ड बनाएं। संबंधित पौधे वाले बॉक्स में कार्ड डालें और पौधे के लेबल हटाएं। यदि आवश्यक हो किसी अनुभवी माली से सलाह लें।
2. यदि समूह बड़ा है, तो खिलाड़ियों की जोड़ी बनाएं या उनकी छोटी टीमें बनाएं। प्रत्येक खिलाड़ी, जोड़ी या टीम को पौधे के विवरणों सहित उत्तर-शीट दें और प्रत्येक विवरण के बिल्कुल सामने रिक्त स्थान छोड़ें, जहां खिलाड़ी संबंधित पौधों के नाम लिख सकते हैं।
3. खिलाड़ियों को उद्यान या पार्क के चारों ओर भ्रमण करने और उन्हें दिए गए संकेतों के आधार पर पौधों की पहचान करने के लिए कहें।
4. 15 मिनट के बाद खिलाड़ियों, जोड़ियों या टीमों को एक साथ इकट्ठा करना और उनके उत्तर देखना। जिसके सबसे अधिक सही उत्तर हों, वही विजेता है।
5. खिलाड़ियों से पूछना कि बाग़ को ऐसा ही बनाए रखने में मदद करने हेतु उन्होंने अपनी समझ-बूझ से कौन सी नई बातें सीखी हैं।

केस स्टडी

फ्रेड ओन्सरियो, स्टारा बचाव केंद्र और स्कूल के हेडमास्टर, स्कूली मैदानों में बोरी वाले बगीचों में सब्जियों को पानी देते हुए। (फोटो आभार: पैट्रिक मायोयो/अफ्रीका इको न्यूज़)

किबेरा के शहरी बोरा उद्यान

नैरोबी के किबेरा शहर की अनियमित बस्तियों में - जहां दूर दूर तक खाद्य असुरक्षा फैली हुई है और स्थान सीमित है - निवासियों ने शहरी खेती करने के लिए एक साधनसंपन्न: रिसाइकल की गई बोरियों या स्वाभाविक तरीके से सड़ने वाली सीमेंट की बोरियों का उपयोग करते हुए खड़े दांव के बगीचे बनाने का तरीका खोज लिया है। 1,000 से अधिक किसान – ज्यादातर महिलाएं – अपने परिवार को खिलाने और अपनी आय बढ़ाने के लिए केल, पालक, प्याज और टमाटर जैसी सब्जियाँ उगाने के लिए इस तकनीक का उपयोग कर रहे हैं।

यह परियोजना किबेरा निवासियों को बाजार से खरीदे बिना पौष्टिक भोजन का स्रोत प्रदान करती है, और छोटे खेतों के रूप में काम लेने के लिए छतों और अन्य कम प्रयुक्त स्थानों का अधिकतम उपयोग करती है। इस परियोजना की शुरुआत फ्रांसीसी NGO, सॉलिडारिटेस इंटरनेशनल द्वारा की गई, जिसने किसानों को छोटे पौधे प्रदान किए और प्रशिक्षित किया। खेतों में उपयोग के लिए सब्जी के बीजों की आपूर्ति करके IFRC ने भी इस पहल का समर्थन किया।

लंबवत बास्केट बागवानी पहले ही व्यापक स्थानीय व्यवहार में थी; परंतु इसे नई तकनीकों और प्रौद्योगिकियों के साथ जोड़कर, और अधिक टिकाऊ बनाया गया – जैसे रिसाइकिल किये बोरों या जैव अपघटनीय सीमेंट बैग्स का उपयोग करना; बोरी/बैग में मिट्टी भरने से पहले बीच में पत्थरों का स्तंभ जोड़ना (ताकि पौधे ऊपर की ओर तथा किनारों से बढ़ सकें); रसोई अपशिष्ट और अन्य कार्बनिक पदार्थों से कम्पोस्ट बनाना; और फलीदार फसलों के साथ मौसमी सब्जियों की फसलों की अदला-बदली करना। पानी की व्यवस्था स्वयं खोदे गए कुओं या घरेलू अपशिष्ट जल से की जाती है।

इस परियोजना ने समुदाय के भीतर सामाजिक बंधनों को मजबूत करने में मदद की है, विशेषतया मुख्य प्रतिभागी युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में। ये किसान कौशल साझा करते हैं और साथ ही उनके परिवारों की मदद करने और अपनी आय बढ़ाने का अवसर पैदा करते हैं।

स्रोत:

STATE OF THE WORLD 2011: INNOVATIONS THAT NOURISH THE PLANET, द वर्ल्डवॉच इंस्टीट्यूट।
"HOW TO GROW FOOD IN A SLUM: LESSONS FROM THE SACK FARMERS OF KIBERA," द गार्जियन, मई 18, 2015.
"GARDEN-IN-A-SACK FOR URBAN POOR," द न्यू एग्रीकल्चरिस्ट।

केस स्टडी

अपसाइकिलिंग: पहले अपशिष्ट, फिर कम्पोस्ट और फिर सामुदायिक उद्यान

जकार्ता, इंडोनेशिया में, इंडोनेशियाई रेड क्रॉस सोसाइटी (पैलेंग मेराह इंडोनेशिया या PMI) ने स्थानीय सरकार, यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट/अमेरीकी विदेशी आपदा सहायता कार्यालय और अमेरिकन रेड क्रॉस के साथ बहुविध परियोजना पर काम किया।

प्राथमिकता के रूप में, इस पहल में अवरुद्ध नदियों, नहरों और नालों की सफाई करके शहर में बार-बार आने वाली बाढ़ पर ध्यान दिया गया। कचरे को कम करने के लिए इसमें रिसाइकिल और कम्पोस्ट निर्माण सुविधाएं भी शुरू की गईं। और इसमें लंबवत और जैविक घरेलू उद्यानों की स्थापना की गई, जिससे निवासियों की पौष्टिक भोजन तक पहुँच बढ़ने के साथ-साथ अतिरिक्त उद्यान उपज और कम्पोस्ट नए बाजारों में बेचकर उनकी आय में भी वृद्धि हुई।

परियोजना की अवधि के दौरान, लंबवत और जैविक घरेलू उद्यानों की स्थापना में तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए स्थानीय कृषि कार्यालय सक्रिय था। इसमें कम्पोस्ट और अतिरिक्त फल और सब्ज़ियाँ बेचने के नए अवसरों की तलाश के लिए सार्वजनिक पार्कों और निजी क्षेत्र व्यवसायों से भी सहयोग किया गया।

लोंबोक द्वीप, इंडोनेशिया में कक्षा के बाद सोन 1 अम्पेनन स्कूल के छात्र पत्तियों और टहनियों की कम्पोस्ट बनाते हैं। बच्चे कम्पोस्ट बनाते हैं, मशरूम उगाते हैं, जड़ी-बूटी उद्यान का ख्याल रखते हैं, और स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वाली अन्य गतिविधियों में भाग लेते हैं। पर्यावरणीय शिक्षा को बढ़ावा देने और इंडोनेशिया के समुद्र तटों पर पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के प्रयास में, अमेरिकन रेड क्रॉस ग्रामीण और शहरी कक्षाओं में स्कूल के कम्पोस्ट कार्यक्रम को दोहरा रहा है।
(फोटो आभार: जेनेल एली/अमेरिकन रेड क्रॉस)

स्रोत:

UPS फैक्टशीट: सामुदायिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से बाढ़ और पर्यावरण संबंधी स्वास्थ्य जोखिम कम करना: रिसाइकिल और कम्पोस्टिंग केंद्र, अमेरिकन रेड क्रॉस।

शहरी जल, सफ़ाई-प्रबंध और स्वच्छता

जल और स्वच्छता जीवन के लिए अनिवार्य हैं और
मौलिक मानवाधिकार हैं। प्रभावी WASH व्यवहार
शहर को अधिक टिकाऊ, जीने योग्य, स्वस्थ,
बच्चों के अनुकूल और लचीला जगह में बदल सकते हैं।.

पानी, साफ-सफाई और स्वच्छता को सामूहिक रूप से WASH के रूप में जाना जाता है; तीनों विषय एक-दूसरे पर निर्भर हैं। पर्याप्त WASH सुविधाओं के बिना पानी से होने वाली बीमारियां (जैसे दस्त, हैज़ा और टायफ़ाइड) फैल सकती हैं, वैक्टर (कीड़े-मकौड़े, वायरस और बैक्टीरिया) से बीमारियां (जैसे मलेरिया, डेंगू बुखार और पीला बुखार) पनप सकती हैं और इसकी वजह से बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह नाकाम हो सकती हैं। जलवायु परिवर्तनशीलता बढ़ने से जल-और जीवाणु जनित रोग उभर रहे हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं खड़ी हो रही हैं। स्वच्छ जल, सुरक्षित साफ-सफाई और सुरक्षित स्वच्छता के व्यवहार की क्षमता तक लोगों की पहुँच को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है।

विशेषकर शहरी क्षेत्रों में WASH को अक्सर ढांचागत सुविधाओं और प्रौद्योगिकियों का प्रावधान माना जाता है। फिर भी, लोगों में बेहतर साफ-सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाए बिना और उनके व्यवहार को बदले बिना (जैसे हाथ वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी और अन्य रोगजनकों को शरीर में ले जा सकते हैं, अतः अच्छे से हाथ धोना एक महत्वपूर्ण एहतियात है), मात्र WASH सुविधाएं प्रदान करना बीमारी दर और मृत्यु दर को कम नहीं कर सकता।

अनियमित बस्तियों के शहरी ग़रीब और वहाँ की आबादी, अक्सर अपर्याप्त या WASH सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण बीमारियों की चपेट में आ जाती हैं। इसलिए, इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना बहुत ज़रूरी है।

ग्लोबल लिंक

इस मॉड्यूल की गतिविधियाँ विभिन्न वैश्विक सिद्धांतों और प्रक्रियाओं से जुड़ी हुई हैं। उदाहरण के लिए, यह तरीका स्रोत वाले स्थान पर कचरे की रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देता है और शहरों की सर्कुलर अर्थव्यवस्थाओं में योगदान देता है, जो 3R सिद्धांतों - घटाना, फिर इस्तेमाल करना और रीसाइकल करना के माध्यम से संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना चाहती हैं।

शहरी सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी कार्रवाई, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के संदर्भ में उनके मूल अधिकारों को सुनिश्चित करती है। साबुन और पानी के साथ अच्छी तरह से और नियमित तौर पर हाथ धोना एक सरल काम है, प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण, जैसे कोविड-19 से बचाने के लिए यह सरल काम कर सकता है। और वर्षा-जल संचयन एकीकृत और विकेंद्रीकृत जल संसाधन प्रबंधन के घटक के तौर पर मौजूदा जल संसाधनों का पूरक बन सकता है।

WASH के अंतर्गत आने वाली कार्रवाईयां भी निम्नलिखित सतत विकास लक्ष्यों में सीधे योगदान देती हैं: SDG 11 स्थायी शहरों और समुदायों; SDG 6 साफ पानी और सफ़ाई-प्रबंध; SDG 13 जलवायु संबंधी कार्रवाई; SDG 3 बढ़िया स्वास्थ्य और कल्याण; SDG 12 जिम्मेदार खपत और उत्पादन; SDG 1 हर जगह अपने सभी तरीकों से गरीबी को समाप्त करता है; और SDG 8 सभ्य काम और आर्थिक वृद्धि।

घरेलू कचरा अलग करने संबंधी प्रतियोगिता

कचरे को इसके अपने स्रोत से अलग करना, एक सरल रीसाइक्लिंग-क्रिया है, लेकिन यह किसी ठोस-कचरे की प्रबंधन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपशिष्ट को कम से कम दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है – जैव अपघटनीय (जैसे रसोई अपशिष्ट) और गैर-जैव अपघटनीय (जैसे प्लास्टिक)। कचरे को अलग करने और बढ़िया तरीका साझा करने हेतु घरों को प्रेरित करने के लिए पुरस्कार देना एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

समय
- पहल के पैमाने के आधार पर: आस-पड़ोस के प्रायोगिक कार्य को 3-6 महीने लग सकते हैं, जबकि शहरव्यापी योजना में 2-3 वर्ष या उससे अधिक लग सकते हैं।

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- सूचना, शिक्षा, संचार सामग्री (जैसे पोस्टर, पत्रक आदि)
- पुरस्कार (पदक, प्रमाण-पत्र या कुछ और जो स्थानीय संदर्भ में प्रतीकात्मक हो)

प्रतिभागी
- शहरी अधिकारी और/या शहर में ठोस-कचरा प्रबंधन के लिए जिम्मेदार निजी-क्षेत्र प्रदाता/ठेकेदार
- आवासीय या पड़ोस संघ
- परिवार
- स्वयंसेवक
- युवा और महिलाओं के समूह
- सामुदायिक प्रतिनिधि/नेता
- व्यावसायिक संघ
- स्कूल
- मीडिया

प्रतिभागियों की संख्या
- (पैमाने के आधार पर) लगभग 4-5 स्वयंसेवक और अन्य हितधारक

चरण

1. स्थानीय सरकार, निजी क्षेत्र के अपशिष्ट संग्रहकर्ताओं और अन्य प्रमुख हितधारकों के बीच साझेदारी निर्मित करें।

2. घरों के अपशिष्ट के घर पर ही पृथक्करण/ रिसाइकिल स्तर/ फेंके जाने वाले ठोस कचरे की मात्रा में कमी के लिए लक्ष्य निर्धारित करें।

3. योजना बनाएं:

   वह क्षेत्र तय करें जहाँ पहल की जाएगी

   प्रत्येक हितधारक के लिए भूमिकाएं परिभाषित करें

   लक्षित क्षेत्र में अपशिष्ट इकट्ठा करने वालों की पहचान करें

   इस मुद्दे पर परिवारों की जागरूकता बढ़ाने और कचरे के पृथक्करण तथा रिसाइकिल के संबंध में उनके व्यवहार में बदलाव के लिए जानकारी, शिक्षा, संचार सामग्री विकसित करें

   सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले परिवारों को देने के लिए पुरस्कार चुनें

4. पहल की शुरुआत ऐसे कार्यक्रम में करें जिसमें स्थानीय नेता, अन्य गणमान्य व्यक्ति और मीडिया भाग लें। पहले से कम उपयोग, पुनः उपयोग और रिसाइकिल संबंधी पहल के संदेशों के साथ-साथ फेंके जाने वाले कचरे की मात्रा को कम करने की तत्काल आवश्यकता को बार-बार दोहराएं। पुरस्कार, कोई भी अन्य प्रोत्साहन और घटनाक्रम घोषित करें।

5. प्रत्येक 8-10 सप्ताहों में परिवारों की प्रगति की निगरानी करें। कचरा एकत्र करते समय उसे अलग करने के आधार पर, उस घर की पहचान करना, जो रीसाइक्लिंग करने में बढ़िया है और इसलिए कचरा निपटान-स्थल पर मिश्रित कचरा कम मात्रा में पहुंच रहा है।

6. स्थानीय नेताओं और गणमान्य लोगों की उपस्थिति में 12-14 सप्ताह में पुरस्कार समारोह आयोजित करें।

7. शहर के अन्य हिस्सों में पहल का विस्तार करें।

सफ़ाई-प्रबंध में लगे कर्मचारियों के प्रति व्यवहार संबंधी बदलाव

सुरक्षात्मक कपड़ों और अन्य सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के महत्व को दोहराकर; अच्छी तरह से और नियमित रूप से हाथ धोने के महत्व को समझाकर; और उन्हें स्वास्थ्य बीमा कवर लेने के लिए प्रोत्साहित करके इस गतिविधि को स्वच्छता कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

स्वच्छता कार्यकर्ता सार्वजनिक शौचालय, सीवरेज, सीवर और नालियों के ढक्कनों के रखरखाव के साथ-साथ ठोस-कचरा प्रबंधन से जुड़े काम करते हैं। इन जोखिमपूर्ण परिवेशों में काम करने के परिणामस्वरूप विकट स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं और कभी-कभी मृत्यु भी हो सकती है। निम्नलिखित कार्रवाई, सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों को सुरक्षात्मक कपड़े पहनने और अपने हाथों को अच्छी तरह से और नियमित रूप से धोने/धोने के महत्व को पहचानने में मदद करने के लिए तैयार की गई है। राष्ट्रीय समितियों को प्रक्रिया की शुरुआत में ही स्थानीय सरकार से प्रतिबद्धता और आवश्यक अनुमतियाँ लेने की जरूरत होगी।

समय
- कम से कम 4-6 महीने

कठिनाई
- उच्च

संसाधन
- सूचना, शिक्षा, संचार सामग्री (जैसे पोस्टर, पत्रक आदि)
- जागरूकता बढ़ाने और व्यवहारगत परिवर्तन सामग्रियों के सृजन और/या संचार रणनीति तैयार करने के समन्वय में अनुभव रखने वाले स्वयंसेवक

प्रतिभागी
- स्वच्छता कार्यकर्ता
- स्थानीय सरकार
- स्वयंसेवक
- निजी ऑपरेटर/ ठेकेदार (यदि स्वच्छता सेवा उन्हें आउटसोर्स की गई हो)
- नागरिक समाज संगठन
- मीडिया,
- सुरक्षात्मक कपड़ों और अन्य सुरक्षा उपकरणों के निर्माता

प्रतिभागियों की संख्या
- 14–16 स्वयंसेवक

चरण

1. परियोजना तैयार करने के लिए स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों, श्रमिक संघों और यूनियनों के साथ सहयोग करना। पहल को समर्थन देने, औपचारिकता और संभावित फंड के लिए सेवा प्रदाता लेने, यहां तक कि स्थानीय सरकार और राष्ट्रीय मंत्रालयों को शामिल करना। इन कार्रवाईयों में हाथ धोने और/या सुरक्षात्मक कपड़े और अन्य सुरक्षा उपकरण बांटने के महत्व के बारे में सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाना शामिल हो सकता है।

2. सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों की जानकारी और किट में कमियों की पहचान करने के लिए स्थिति-विश्लेषण कराएं। जागरूकता बढ़ाने और व्यवहारगत परिवर्तन गतिविधियों के लिए समग्र उद्देश्य और अंतरिम लक्ष्य निर्धारित करें।

3. पहल को समर्थन देने, औपचारिकता और संभावित फंड के लिए सेवा प्रदाता लेने, यहां तक कि स्थानीय सरकार और राष्ट्रीय मंत्रालयों को शामिल करना।

4. पहल करें और अच्छी तरह और नियमित तौर पर हाथ धोने के महत्व को समझाने के लिए सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों की पहली बैठक का प्रबंध करना और यदि ज़रूरी हो, तो उन्हें सुरक्षात्मक कपड़े और अन्य सुरक्षा उपकरण देना। अनुचित स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वच्छता प्रथाओं के प्रभावों को प्रदर्शित करने वाली लघु फिल्म दिखा सकते हैं। प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में प्रतिभागियों को अपने अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें। इस कार्यक्रम के परिणामस्वरूप उनके विचार और व्यवहार किस तरह बदलेंगे, उन्हें इसका वर्णन करने के लिए कहकर बैठक का समापन करें।

5. भविष्य की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए स्थानीय सरकार को पहल करने देना।

छत पर वर्षा-जल संचयन प्रणाली

जारी शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभावों के चलते शहरों में जल संकट की समस्या पैदा हो रही है। वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित किए जाने से सूखे की अवधि के दौरान यह मौजूदा जल संसाधनों की पूरक बन सकती है और वर्षा के दौरान जमीनी जल अपवाह को धीमा कर सकती है।

निवासी वर्षा जल का उपयोग सफाई, धुलाई और बागवानी के लिए कर सकते हैं (परंतु पीने के लिए नहीं)। वर्षा जल संचयन उपयोगिता कंपनियों से पानी की माँग कम करते हुए जल प्रणाली को विकेंद्रीकृत करने में सहायता करता है। समुदाय के भीतर साझा स्थान खोजने, जैसे वर्षा-जल संचयन प्रणाली के लिए छत से स्वामित्व और रखरखाव को प्रोत्साहित करने और सामुदायिक लगाव बढ़ाने में मदद मिलेगी।

जलग्रहण, संवहन, निस्पंदन और भंडारण वर्षा जल संचयन प्रणाली के चार महत्वपूर्ण घटक हैं। जब वर्षा जल एकत्र किया जाता है वह कैचमेंट (जल संचयन) है; उसके बाद नाली के माध्यम से पानी का संवहन किया जा सकता है; निस्पंदन वर्षा जल से छिटपुट गंदगी हटा देगा; जिसे फिर साइट की व्यवहार्यता के आधार पर किसी भूमिगत भंडारण टैंक या पूर्वनिर्मित पानी के टैंक में रखा जा सकता है।

समय
- पैमाने के आधार पर कम से कम 4-6 महीने

कठिनाई
- उच्च

संसाधन
- मलबा जाने से रोकने के लिए मोटे जाल।

- गटर - सादे जस्ती लोहे की चादर, या पॉलीविनाइल क्लोराइड (PVC) पाइपों को दो अर्ध-वृत्ताकार चैनलों में काटा जाता है, या बाँस या तांबूल के तनों को लंबवत रूप से आधा काटा जाता है।

- पाइप - पानी को भंडारण टैंकों तक पहुँचाने के लिए PVC या जस्ती लोहे के पाइप।
- बारिश की पहली बौछार को बाहर निकालने के लिए प्लग या वाल्व।

- छानना – बारिश के पानी को छानने के लिए रेत और बजरी से भरा कंटेनर जो कि जाल से ढका होता है।

चरण

1. स्थानीय प्राधिकरण के साथ साझेदारी बनाएं; मौजूदा वर्षा जल संचयन प्रणाली के दौरे की व्यवस्था करें और/या यह वर्णन करें कि जल प्रणाली को विकेंद्रीकृत करने में यह पहल किस तरह सहायता करती है और उपयोगिता कंपनियों से पानी की माँग घटाती है।
2. जलग्रहण साइट के बारे में जानकारी एकत्र करें। उदाहरण के लिए: संचित पानी की कुल मात्रा = क्षेत्र x अपवाह गुणांक x वर्षा। अतिरिक्त गुणांक कारक जलग्रहण सतह पर निर्भर करता है (उदाहरण के लिए छतों के लिए यह 0.75-0.95 है)।
3. जहाँ वर्षा जल एकत्र किया जाएगा, उस जलग्रहण स्थल का चयन करें: जलग्रहण क्षेत्र जितना बड़ा होगा, संचित वर्षा जल की मात्रा उतनी ही अधिक होगी। स्कूल, सरकारी-भवन और पूजा-स्थल सामुदायिक स्थान हो सकते हैं। उपयुक्त स्थान खोजने में समुदाय के सदस्यों को शामिल करना।

- आउटलेट या वाल्व जो निस्पंदन कंटेनर के तल पर जुड़ा होता है।
- भंडारण टैंक - सुदृढ़ सीमेंट कंक्रीट, फेरोसीमेंट, चिनाई, पॉलीएथलीन या जस्ती लोहे की चादरों से बना होता है।

प्रतिभागी

- शहर के अधिकारी
- आवासीय या पड़ोस संघ
- परिवार
- युवा और महिलाओं के समूह
- सामुदायिक प्रतिनिधि/नेता
- स्कूल
- व्यावसायिक संघ
- भवन और नलसाज
- मीडिया

प्रतिभागियों की संख्या

- 20-25 (स्वयंसेवकों, हितधारकों, तकनीशियनों सहित)

4. सिस्टम के डिजाइन पर समुदाय के सदस्यों से भी परामर्श करें; उदाहरण के लिए, साइट की व्यवहार्यता के आधार पर वहाँ भूमिगत भंडारण टैंक या पूर्वनिर्मित स्टील वाटर टैंक होना चाहिए। सामान्य सिद्धांत के तौर पर, उपलब्ध वार्षिक वर्षा का 5 प्रतिशत, भंडारण टैंक के आकार की गणना के लिए एक अच्छा स्रोत है।

5. स्थानीय तकनीकों और सामग्रियों का उपयोग करते हुए वर्षा-जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना। घटकों के साधन और संयोजन में समुदाय के उचित कौशल वाले सदस्यों को शामिल करके लागत को न्यूनतम रखना।

6. सहमति जताना और समुदाय के सदस्यों को संचालन और रखरखाव संबंधी कार्य सौंपना। उदाहरण के लिए, यदि गटरों को नियमित रूप से साफ नहीं किया जाता है और भंडारण टैंक को ठीक से ढका नहीं जाता है, तो मच्छरों को प्रजनन में आसानी होगी।

स्कूलों में हाथ धोने संबंधी कार्यशालाएं

हाथ वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी और अन्य रोगजनकों को शरीर में पहुँचा सकते हैं, जिससे हैजा, पेचिश, हेपेटाइटिस A और टाइफाइड जैसे रोग हो सकते हैं। साबुन और पानी का उपयोग करके कम से कम 20 सेकंड के लिए अच्छे से और नियमित रूप से हाथ धोना पहला बचाव है।

स्कूलों में प्रभावी WASH व्यवहारों का परिणाम स्कूली बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, बेहतर प्रदर्शन में मिलता है। खाना खाने से पहले या शौचालय का उपयोग करने के बाद – साबुन और पानी का उपयोग करते हुए हाथ धोने का व्यवहार – यह बहुत ही सरल रोकथाम उपाय है जिसे स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए स्कूल आसानी से अपना सकते हैं। अपनी औपचारिक शिक्षा के साथ व्यवहार के नए पैटर्न सीखने के लिए स्कूल बच्चों के लिए बिल्कुल सही जगह हैं। स्कूली बच्चे महत्वपूर्ण संदेशवाहक भी होते हैं जो सीख को अपने घर माता-पिता के पास ले जाते हैं।

समय
- प्रति सत्र 20–30 मिनट

कठिनाई
- निम्न

संसाधन
- सूचना, शिक्षा, संचार सामग्रियां (जैसे पोस्टर, पत्रक, कार्टून, वीडियो आदि)
- साबुन
- पानी और वॉश बेसिन

प्रतिभागी
- स्कूली बच्चे, अध्यापक और गैर-अध्यापन कर्मचारी
- स्वयंसेवक
- मीडिया
- शहर के अधिकारी
- उपयोगिता प्रदाता
- साबुन ब्रांड या निर्माता

प्रतिभागियों की संख्या
- प्रति सत्र अधिकतम 20-25 (स्कूल में धुलाई सुविधाओं के आधार पर)

चरण

1. उस स्कूल की पहचान करना, जहां कार्यशाला होगी। स्थानीय शिक्षा प्राधिकरण, स्कूल और हैडटीचर से अनुमति लेना। एक साथ मिलकर कार्यशालाओं के कार्यक्रम पर सहमति बनाना।

2. तय करना कि कार्यशालाओं में कौन से संदेश दिए जाएं, जैसे साबुन और पानी से हाथ कैसे और कब धोएं और वे तरीके, जिनसे स्कूली बच्चे घर में अपने माता-पिता को शामिल कर सकते हैं। शिक्षात्मक पोस्टर डिजाइन करें और उन्हें स्कूल वॉशबेसिन्स के पास और स्कूल के आसपास के अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर रखें।

3. पहली कार्यशाला का प्रबंध करना; बच्चों के लिए प्रस्तुति और किसी भी गतिविधियों की योजना बनाना।

4. भविष्य की कार्यशालाओं में सुविधा के लिए कम से कम दो अध्यापकों या स्कूल स्वास्थ्य क्लब को प्रशिक्षित करें। उन्हें हाथ धोने के तरीके दिखाना और इन महत्वपूर्ण संदेशों को बच्चों के माध्यम से उनके माता-पिता तक कैसे पहुंचाना है, के बारे में बताना। अध्यापकों / स्वास्थ्य क्लब को कार्यशालाओं के आयोजन और पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपें।

5. इसमें साबुन के ब्रांड्स, जल-वितरण कंपनियों, स्थानीय अधिकारियों और मीडिया को शामिल करने के बारे में सोच-विचार करना। यह तरीका अन्य स्कूलों में कराए जाने वाली कार्यशाला में फिर से दोहराने में मदद कर सकता है, ताकि यह एक सतत प्रक्रिया बन जाए।

केस स्टडी

SUNYA (दक्षिण एशिया में शून्य कचरे की ओर) वार्ड नंबर 23, कोयंबटूर, भारत की परियोजना

2011 में, दक्षिण भारत में स्थित कोयंबटूर सिटी म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (CCMC) – ने यूरोपीय संघ से सहयोग प्राप्त SUNYA (दक्षिण एशिया में शून्य कचरे की ओर) परियोजना में भाग लिया। परियोजना का उद्देश्य नगरपालिका ठोस-कचरा प्रबंधन प्रणाली के तहत 3R सिद्धांतों (घटाना, फिर इस्तेमाल करना और रीसाइकल करना) को बढ़ावा देना था।

ICLEI के साथ काम करना: स्थानीय NGOs सहित – मुख्य कार्यान्वयन भागीदारों में से एक – लोकल गवर्नमेंट्स फॉर सस्टेनेबिलिटी, दक्षिण एशिया, CCMC ने पायलट परियोजना के रूप में वार्ड संख्या 23 में स्रोत पर ठोस अपशिष्ट के पृथक्करण की शुरुआत की। अपशिष्ट इकट्ठा करने वालों ने गीला कचरा CCMC द्वारा स्थापित कृमिकम्पोस्टिंग संयंत्र पर पहुँचाया (कृमिकम्पोस्टिंग कृमि का उपयोग करके जैविक खाद तैयार करने वाली अपघटन प्रक्रिया है)। इसके साथ ही, कूड़ा इकट्ठा करने वालों ने रिसाइकिल योग्य कचरा एक निजी रिसाइकिल फर्म को सौंप दिया, जिसने कूड़ा इकट्ठा करने वालों को रिसाइकिल योग्य सामग्री के मूल्य का भुगतान किया।

इसी क्रम में, CCMC ने स्रोत पर ठोस अपशिष्ट के पृथक्करण को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता-संवर्धन और व्यवहारगत परिवर्तन अभियान चलाया। इसने उन परिवारों पर जुर्माने भी लगाए जो अपना कचरा अलग नहीं करते थे। निवासियों को प्रोत्साहित और प्रेरित करने के लिए, CCMC के मेयर और आयुक्त ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले परिवारों (कुल साठ) को प्रमाण-पत्र और शॉल प्रदान किए। उन्होंने निजी फर्म को सौंपी गई रिसाइकिल योग्य सामग्री की मात्रा और कृमिकम्पोस्टिंग संयंत्र को दिए गए मिश्रित कचरे की कम मात्रा के आधार पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कचरा एकत्र करने वालों को पुरस्कार के रूप में एक-ग्राम सोने का सिक्का भी दिया।

वर्तमान में इस पहल को कोयम्बटूर के अन्य वार्डों और अन्य भारतीय शहरों जैसे उदयपुर, सिलीगुड़ी, जैसलमेर और किशनगढ़ में दोहराया जा रहा है। इस पहल को भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम - स्वच्छ भारत कार्यक्रम, में भी एकीकृत किया गया है।

SUNYA परियोजना के तहत भारत में कोयम्बटूर में वार्ड संख्या 23 में घरों से एकत्र किया जा रहा अलग-अलग ठोस कचरा
(फोटो: ICLEI - लोकल गवर्नमेंट्स फॉर सस्टेनेबिलिटी, दक्षिण एशिया)

केस स्टडी:

औगाडौगू, बुर्किना फासो में स्वच्छता कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों में सुधार

बुर्किना फ़ासो के औगाडौगू में गड्ढे वाले शौचालय और सैप्टिक टैंक आमतौर पर हाथों से खाली किए जाते हैं। काम करने के लिए कुछ मशीनीकृत वैक्यूम ट्रक उपलब्ध हैं परंतु ज्यादातर ये ट्रक 20 वर्ष से अधिक पुराने और अप्रभावी होते हैं। हालांकि ट्रक तरल कचरे को हटाने में सक्षम होते हैं, परंतु मल की मोटी चिपचिपी परत रह जाती है जिसे हाथों से हटाना पड़ता है। यह एक असंगठित व्यवसाय है जिसमें मुख्य रूप से 40 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और बेरोजगार युवक लगे हुए हैं।

बुर्किना फासो में स्थानीय सरकार, NGOs और जल एवं स्वच्छता मंत्रालय के साथ भागीदारी के रूप में मैनुअल एम्पियरियर एसोसिएशन (ABASE) ने जागरूकता संवर्धन कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के लिए पहल की शुरुआत की।

उन्होंने शहर के 25 मानवीय मल सफाई कर्मियों को चिह्नित करके उन्हें बेहतर स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षा उपायों में प्रशिक्षित कर, इसे पूरा किया। ABASE ने मानवीय मल सफाई कर्मियों का टीकाकरण भी किया और उन्हें गड्ढे वाले शौचालयों और सेप्टिक टैंकों को खाली करने के लिए सुरक्षात्मक कपड़े और आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए। इन आवश्यक कामगारों के व्यवसाय संबंधी स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों में सुधार के लिए प्रणाली की और अधिक बेहतरी के लिए ABASE औगाडौगू में शहरी अधिकारियों से लगातार पैरवी कर रहा है।

2017 में, ABASE को औगाडौगू में अपने अग्रसक्रिय और सफल कार्य के लिए जल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी (रीस्यू डे प्रोफेशनल्स जूनियर्स 2017)।

औगाडौगू, बुर्किना फासो से तीन स्वच्छता कामगार आराम करते हुए।
(फोटो आभार: वाटरएड / बेसाइल ओइड्रोगो)

केस स्टडी

फिलीपीन रेड क्रॉस कर्मचारियों और स्वयंसेवकों द्वारा बारांगे 101, टोंडो के बच्चों के साथ हाथ धोने का कार्यक्रम।
(फोटो आभार: फिलीपीन रेड क्रॉस)

मनीला, फिलीपींस की अनियमित बस्तियों में WASH व्यवहारों में सुधार

नीदरलैंड रेड क्रॉस के सहयोग से फिलीपीन रेड क्रॉस ने मनीला, फिलीपींस में बारांगे 101, टोंडो की अनियमित बस्ती में WASH व्यवहारों और सुविधाओं में सुधार किया। दो पड़ोसी स्कूलों जो एक साथ समुदाय से संबंधित लगभग 5,000 बच्चों की जरूरतें पूरा करते थे, को भी शामिल किया गया। इस क्षेत्र में दस्त, हैजा और टाइफाइड के मनीला के सबसे गंभीर मामले शामिल थे, और इसके 10,500 निवासियों के पास स्वच्छता की उपलब्धता सीमित थी। सुरक्षित जल और बुनियादी स्वच्छता तक लोगों की पहुँच में सुधार करके उनके लचीलेपन और स्वास्थ्य को बढ़ाना इस पहल का उद्देश्य है।

अभिनव संचार विधियों में भित्ति चित्र, गीत लेखन और रिसाइकिल प्रतियोगिताएं शामिल थीं। स्कूलों के लिए टीम ने सूचना, शिक्षा और संचार सामग्री विकसित की और समुचित स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्कूली बच्चों के बीच व्यवहार में बदलाव को प्रोत्साहित करने के लिए भूमिका निभाई। अन्य गतिविधियों में मुंह संबंधी स्वास्थ्य अभियान और डेंगू बुखार जागरूकता अभियान शामिल था। स्कूलों और समुदाय में वैश्विक हैंडवाशिंग दिवस और विश्व शौचालय दिवस भी मनाया गया। इसके अलावा, टीम ने सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए एक स्थानीय जल कंपनी के साथ सामुदायिक जल स्टेशन भी स्थापित किया। स्कूल शौचालयों का नवीनीकरण किया गया और स्कूलों में पानी की आपूर्ति में सुधार हुआ।

WASH सुविधाओं के रखरखाव और स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए बारांगे जल तथा स्वच्छता संघ स्थापित किया गया। महत्वपूर्ण है कि बारांगे के नेताओं द्वारा भी इस पहल का समर्थन किया गया; साथ ही परियोजना की सफलता में सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनियमित बस्ती में बेहतर सफाई और स्वच्छता प्रथाएं जारी हैं जो अब आजीविका कार्यक्रम के माध्यम से क्षमता-निर्माण और स्टार्ट-अप सहयोग भी प्राप्त करती है।

प्रकृति आधारित समाधान

अधिक जीवंत, जलवायु-लचीले, स्वस्थ और जैव विविधता वाले शहर बनाने के लिए प्रकृति आधारित समाधान सबसे महत्वपूर्ण हैं। शहर की सुंदरता बढ़ाते हुए और विविध पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हुए शहर के निवासियों के जलवायु संबंधी जोखिम कम करने सहित वे कई लाभ प्रदान करते हैं।

प्रकृति-आधारित समाधान (NbS) ऐसी कार्रवाईयां हैं, जो सामाजिक चुनौतियों को हल करने में मदद हेतु प्रकृति के साथ काम करती हैं और इन कार्रवाईयों को आगे बढ़ाती हैं। वे पारिस्थितिक तंत्र या डिजाइन और निर्मित किए गए ऐसे स्थान हो सकते हैं जो मानव कल्याण में सहयोग के लिए प्राकृतिक प्रक्रियाओं का उपयोग करते हैं। वे आर्द्रभूमि और जंगलों (पारिस्थितिक तंत्र) से लेकर तैयार किए गए रेन वॉटर गार्डन और नीले और हरे रंग की छत या दीवारें तक हो सकती हैं।

किसी भी स्थान के समुचित उपयोग के लिए विविध सेवाओं और लाभों को देने का लक्ष्य रखना चाहिए – विशेषकर जब यह शहर के सीमित स्थान से संबंधित हो। NbS अलग-अलग तरीकों से इसे प्राप्त करता है, जैसे बाढ़ और सूखे से बचाव, शहरी गर्मी द्वीप प्रभाव में कमी, वायु की गुणवत्ता में सुधार और स्वास्थ्य देखभाल के खर्च में कमी। इसी के साथ, वे शहर की सुंदरता बढ़ाते हैं, सामाजिक सामंजस्य में सुधार लाते हैं और शून्य-कार्बन गतिशीलता जैसे सार्वजनिक पार्कों से पैदल और साइकिल चालन शुरू करना, को बढ़ावा देते हैं। यहां तक कि NbS आसपास की संपत्तियों का मूल्य और संबंधित (स्थानीय) सरकारी टैक्स से होने वाली आय भी बढ़ा सकते हैं।

शहर भर से लेकर सड़क और पारिवारिक स्तर तक, NbS लोगों और प्रकृति के लिए सुरक्षित, स्वास्थ्यवर्धक और रहने के लिए सुखद स्थितियां तैयार करते हैं।

ग्लोबल लिंक

शहरी NbS (स्थानीय और राष्ट्रीय) नियोजन के साथ-साथ निम्नलिखित पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की रिपोर्टिंग का हिस्सा हो सकता है:

- सतत विकास - सतत विकास लक्ष्य 11 और 13
- जलवायु परिवर्तन: पेरिस समझौता 2015; टैलानोआ संवाद - 2020 तक उनके राष्ट्रीय रूप से निर्धारित योगदानों जो कि जलवायु परिवर्तन के लिए संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क सम्मेलन द्वारा निर्धारित हैं, को लागू करने और बढ़ाने में देशों की मदद करना
- मेयर्स का कॉम्पैक्ट – ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने, प्रगति पर निगाह रखने और जलवायु परिवर्तन प्रभावों को तैयार करने का संकल्प
- जैव विविधता – जैविक विविधता सम्मेलन के एल्ची जैव विविधता लक्ष्यों को प्राप्त करना
- सिंचित भूमि – रामसर सम्मेलन (अंतरराष्ट्रीय रूप से महत्वपूर्ण सिंचित भूमि); सिंचित भूमि शहर प्रत्यायन
- आपदा जोखिम में कमी - सेंदाई फ्रेमवर्क
- स्वास्थ्य - विश्व स्वास्थ्य संगठन

- और शहरी नेटवर्कों की सदस्यता, जैसे ICLEI – लोकल गवर्नमेंट्स फॉर सस्टेनेबिलिटी; C40 – शहर – अंतरराष्ट्रीय जलवायु अग्रणी समूह और ग्लोबल रिसिलिएंट सिटीज नेटवर्क – जलवायु परिवर्तन और अन्य शारीरिक, सामाजिक और आर्थिक शहरी प्रतिकूलताओं और चुनौतियों से कमजोर समुदायों की रक्षा करना।

स्थानीय सरकार और राष्ट्रीय मंत्रालय NbS पहलों को स्थानीय और राष्ट्रीय बजट से धन देने में सक्षम हो सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, (अंतरराष्ट्रीय) गैर-सरकारी संगठन (NGOs) गैर-संस्थागत दाताओं की तलाश में सहायता कर सकते हैं। बड़े परियोजना प्रस्तावों को राष्ट्रीय मंत्रालयों के माध्यम से UN प्रणाली (जैसे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम) और संबंधित वित्तीय संस्थानों जैसे ग्रीन क्लाइमेट फंड, विश्व बैंक या क्षेत्रीय विकास बैंकों तक प्रेषित किया जा सकता है।

ऑप्रेशन स्टोनब्रेकर

शहरों की पक्की सतहों को तोड़ना और जैव-विविध और फल या जड़ी-बूटी की प्रजातियों को लगाना लोगों के स्वास्थ्य, जैव-विविधता और जल सुरक्षा पर शहरीकरण के नकारात्मक प्रभावों को दूर कर सकता है और शहरी गर्मी द्वीप प्रभाव को कम कर सकता है।

ऑपरेशन स्टोनब्रेकर ऐसा अभियान है जिसे आप अपने पड़ोस या शहर में आयोजित कर सकते हैं। यह हरी भरी वनस्पतियों और पेड़ों के पैच के साथ अनावश्यक फ़र्श स्लैब्स, कंक्रीट टाइल्स या डामर की सतहों को बदलने पर केंद्रित है। इससे थोड़ी सी जैव-विविधता, छाया, (औषधीय) जड़ी-बूटियों या छोटी-फसलों के लिए जगह बढ़ाने का काम करते हुए वर्षा और पिघलने वाली बर्फ के अतिरिक्त बहाव, अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण कम करने में मदद मिल सकती हैं।

आपके द्वारा शुरू करने से पहले, अपेक्षित अनुमतियाँ और परमिट प्राप्त करना; इन अभेद्य सतहों को हटाने के लिए पहले ही सहमत होना; और यह सुनिश्चित करना कि ऐसा करने से आपके शहर में अप्रत्याशित समस्याएं (जैसे जल निकासी प्रणाली में अत्यधिक प्रवाह) खड़ी न हों, महत्वपूर्ण है।

समय
- कम से कम एक सप्ताह

कठिनाई
- उच्च

संसाधन
- स्थान: उद्यान, फुटपाथ, स्कूल मैदान, पार्किंग स्थल, गलियाँ, चौक
- फावड़े, हथौड़े
- कम्पोस्ट या ऊपरी मिट्टी
- बीज, देशी पौधे और फलों के पेड़ों, झाड़ियों, जड़ी-बूटियों या फूलों की पौध
- सिंचाई पात्र, नली या छिड़काव यंत्र
- फोटो/वीडियो कैमरों सहित मोबाइल फोन
- सोशल मीडिया खाते (हैशटैग बनाएं)
- अधिकारियों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, गैर-सरकारी संगठनों को पत्र

प्रतिभागी
- गृहस्वामी
- समुदाय के अग्रणी लोग
- युवा
- स्कूल
- स्थानीय सरकार: महापौर, स्थानीय प्राधिकारी प्रतिनिधि
- प्रायोजक: उद्यान केंद्र, थोक व्यापारी
- अभियान के प्रतिनिधि
- मीडिया
- संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां और NGOs

प्रतिभागियों की संख्या
- ऊपर से दूसरा

चरण

1. विजेताओं को ढूंढने के लिए - विशेषकर युवाओं द्वारा - ऑप्रेशन में भाग लेने के लिए स्कूलों में और व्यापक समुदाय के लिए सोशल मीडिया अभियान शुरू करना।
2. फ़र्श वाले स्लैब, कंक्रीट टाइल्स या डामर की सतहों को उखाड़ने और उन्हें देशी पेड़, फूल और जड़ी-बूटियों की प्रजातियों के साथ बदलने से पहले काम का प्रथम हिस्सा(से) चिह्नित करें और अपेक्षित अनुमतियाँ प्राप्त करें। सोशल मीडिया पर प्रचार करें - संभावित इच्छुक पक्षों को हैश-टैग करें।
3. अपने घरों के आसपास 'पत्थर तोड़ने' में स्थानीय परिवारों का समर्थन करके अभियान मज़बूत बनाना। स्कूलों और सार्वजनिक भवनों को उनके पार्किंग स्थलों या खेल के मैदानों में 'पेड़' लगाने के लिए प्रोत्साहित करना। इस बदलाव के लिए सामुदायिक स्थानों और गलियों की पहचान करने के लिए स्थानीय सरकार को भी शामिल करना।
4. कार्यक्रमों और प्रायोजन द्वारा व्यापक कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करना। उदाहरण के लिए, कंपनी को स्थानीय स्कूलों को पौधे उपलब्ध कराने के लिए कहना; या पहले 100 मीटर के लिए हटाए गए फ़र्श वाले स्लैब, कंक्रीट की टाइलें या डामर या लगाए गए पेड़ों का जश्न मनाना।
5. इस अभियान के परिणामस्वरूप गर्मी और अतिरिक्त वर्षा-जल घटाने के साथ ही जैवविविधता और वायु की गुणवत्ता में सुधार लाने संबंधी दस्तावेज़ तैयार करने के लिए विश्वविद्यालयों के साथ काम करना। स्थानीय नेताओं, अंतरराष्ट्रीय NGOs और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों को साइट पर आने के लिए आमंत्रित करें।

पेड़ों के संरक्षण हेतु लोगों को एकजुट करना

शहरी प्रकृति निर्मित परिवेश के अतिक्रमण; रखरखाव के अभाव; और अपशिष्ट तथा अन्य प्रदूषण के संचय से त्रस्त है। यदि यह बिगडती है तो शहरी प्रकृति शहरी निवासियों को महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं नहीं दे सकती, इसलिए इसके लोग और वन्यजीव नष्ट हो जाते हैं।

एक दिवसीय प्रकृति संरक्षण गतिविधियों में भाग लेने के लिए समुदायों को जुटाना शहर में सकारात्मक प्रभाव डालने का शानदार तरीका है। इन गतिविधियों में पार्कों या झीलों के आसपास से कूड़ा साफ करना; पौधारोपण; पानी की अवरुद्ध नालियों को फिर से खोलना; या विकास से आक्रांत शहरी प्रकृति के लिए सुरक्षा की माँग के लिए प्रदर्शन करना शामिल है।

समय
- दो से पाँच दिन: तैयारी के लिए 1-4 दिन, कार्रवाई के लिए 1 दिन

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
गतिविधि के आधार पर:
- सफाई संबंधी कामों के लिए बागवानी दस्ताने, रबर के जूते, कचरा बैग्स, फावड़े, रेक और पहियों वाले छकड़े
- वृक्षारोपण के लिए पेड़ों की पौध, फावड़े, कम्पोस्ट/ऊपरी मिट्टी, बागवानी दस्ताने और पहियों वाले छकड़े
- प्रदर्शनों के लिए मेगाफोन, बैनर और प्लैकार्ड
- संरक्षण में दूसरों को जुटाने के लिए फोटो/वीडियो कैमरे वाले मोबाइल फोन और सोशल मीडिया खाते

प्रतिभागी
- सामुदायिक सदस्य
- स्कूल
- NGOs और नागरिक समाज संगठनों के कर्मचारी
- अन्य स्वयंसेवक

प्रतिभागियों की संख्या
- ऊपर की ओर दसवें से

चरण

1. समुदाय के प्रतिनिधियों से मिलकर यह पता लगाना कि प्रकृति को कहां ख़तरा है। स्थानीय पर्यावरण और सामाजिक विकास वाली NGOs के साथ ही, अपनी सहायता देने वाले समुदाय-आधारित संगठनों को भी शामिल करना। एक साझा उद्देश्य से सहमत होना और (सामाजिक) मीडिया, सामग्री और लोगों को एकजुट करने का काम समन्वयक को सौंपना।

2. जब हिस्सा लेने वाले तैयार हों, तो एक विशेष तिथि चुनें, जिससे मीडिया का ध्यान आकर्षित होगा और वह इसको कवर करने के लिए बड़े पैमाने पर अन्य स्थानीय घटनाओं के साथ तालमेल बिठा लेगा। संयुक्त टीम के साथ आवश्यक योगदानों और बांटे गए कार्यों की सूची तैयार करना। समुदाय के आसपास और ऑनलाइन पर्चे बांटना।

3. गतिविधि वाले दिन की योजना बनाना, संयुक्त टीम के सदस्यों के साथ उस स्थान के दौरे से इसकी शुरूआत करना। उनकी मदद से संभव घटना को प्रभावित करने वाले मुद्दों (जैसे मौसम, यातायात अवरुद्ध होना, परिवहन की हड़ताल) के बारे में सोच-विचार करना। गंभीरता कम करने वाली कार्रवाई करना

4. कार्रवाई कार्यान्वित करना और सोशल मीडिया पर अपडेट पोस्ट करना। यदि कार्यक्रम फिर से करना है, तो सहमति देना कि कौन अगुआई करेगा और सामग्रियां आदि रखेगा/आपूर्ति करेगा।

रेन वाटर गार्डन (वर्षाजल के बाग़-बग़ीचे)

जल-जमाव संपत्ति मालिकों के लिए समस्या हो सकता है। जल निकासी प्रणालियों पर अत्यधिक दबाव के कारण इससे शहर में बाढ़ भी आ सकती है। वर्षा जल उद्यान वर्षा जल को निथारने में सहायता कर सकते हैं, जल निकासी प्रणालियों पर दबाव कम कर सकते हैं, आपका बग़ीचा सुंदर बना सकते हैं और जैव विविधता में सहयोग कर सकते हैं।

वर्षा जल उद्यान छोटे से गहरे स्थान में लगाई गई देशी झाड़ियों, बारहमासी पौधों और फूलों का उद्यान है जिसे आमतौर पर किसी प्राकृतिक ढलान पर बनाया जाता है। वर्षा जल उद्यान वर्षा जल को एकत्र करने, सोखने और निथारने के लिए डिज़ाइन किए जाते हैं और इन्हें घरों या व्यावसायिक/औद्योगिक इकाइयों में स्थापित किया जा सकता है। रेन वाटर गार्डन बाढ़ और सूखे की रोकथाम में मदद करते हैं, क्योंकि वे शहरी जल निकासी प्रणाली पर दबाव नहीं बनाते और ज़मीन में भी पानी का स्तर बढ़ाते हैं। वे जैव-विविधता के लिए एक छोटे स्थान के रूप में भी काम कर सकते हैं और विकसित पर्यावरण की ख़ूबसूरती बढ़ा सकते हैं।

समय
- दो दिन

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- उद्यान या हरी-भरी जगह वाला घर या वाणिज्यिक/औद्योगिक इकाई
- फावड़ा
- पहियों वाला छकड़ा
- वर्षा जल पाइप
- चट्टानें, पत्थर, कंकड़, बजरी
- कम्पोस्ट, रेत
- कटी हुई हार्डवुड पतवार
- देशी बारहमासी पौधे, फूल और झाड़ियाँ

प्रतिभागी
- घर/व्यवसाय स्वामी
- स्कूल
- उद्यानों सहित सार्वजनिक भवन
- हरे-भरे स्थानों सहित वाणिज्यिक/औद्योगिक इकाइयां
- अस्पताल

प्रतिभागियों की संख्या
- ऊपर से तीसरे से

चरण

1. रेन वाटर गार्डन का ख़ाका संपत्ति के सबसे निचले हिस्से पर बनाया जाना चाहिए; भवन की नींव से कम से कम 2.5 मीटर दूर; और सभी सार्वजनिक उपयोगिता लाइनों (पानी, बिजली, गैस आदि) का ध्यान रखें। प्राकृतिक दिखने के लिए रेन वाटर गार्डन आमतौर पर गोल या घुमावदार होते हैं और इनका माप कम से कम 2-3 मीटर2 होता है। आदर्श रूप से, एक रेन वाटर गार्डन में कुल क्षेत्र का 20 प्रतिशत हिस्सा आता है, जिसमें सारा पानी समा जाएगा।

2. फ़र्श की कोई भी स्लैब, कंक्रीट टाइल या डामर की सतह और घास-फूस हटाना। फिर रेन वाटर गार्डन के खाके के हिसाब से मिट्टी में 15-30 सेमी. का गड्ढा खोदना। खोदी गई मिट्टी का ढेर लगाना, यह सुनिश्चित करना कि यह गड्ढा ढलवां और इसके किनारें गोल हों।

3. छत वाले डाउनपाइप को वर्षा जल उद्यान तक लाना, सुनिश्चित करें कि वर्षा जल के किसी भी अतिरिक्त प्रवाह के लिए मुख्य नाली में आउटलेट हो। जहाँ से वर्षा जल उद्यान में पहुँचता है वहाँ पत्थर रखें ताकि प्रवाह कम हो। जहाँ डाउनपाइप वर्षा जल उद्यान में प्रवेश करता हो वहाँ खोदे गए गुड्ढे को कम्पोस्ट और रेत से भरें ताकि रिसाव बढ़ सके। पानी ज़मीन में छन कर जाने हेतु रेन वाटर गार्डन की ऊपरी सतह के रूप में कंकड़, पत्थर या बजरी का उपयोग करना।

› रेन वाटर गार्डन (वर्षाजल के बाग़-बग़ीचे)

4. रेन वाटर गार्डन में देशी बारहमासी पौधे, फूल और झाड़ियाँ लगाना। ऐसी प्रजातियां चुनना, जो परागणकों (मधुमक्खियां, तितलियां) और मच्छरों का शिकार करने वाली (ड्रैगनफ़्लाइज़) को आकर्षित करती हैं। अपने रेन वाटर गार्डन में उपयोग करने के लिए पौधों की उपयुक्त किस्म के बारे में विशेषज्ञ से सलाह लेना। पौधों के पूर्ण आकार के साथ-साथ उनके स्थान पर भी विचार करें – जैसे पानी के जमाव को सहने में सक्षम पौधों को मध्य में रखें। नए पौधे पहले वर्ष में चूंकि कमजोर होते हैं, इसलिए शुरुआत में बगीचे में पानी का कम स्तर सुनिश्चित करें।

5. खरपतवारों या अवरोध को हटाकर अक्सर वर्षा जल का स्तर बरकरार करते रहें। खरपतवारों और वाष्पीकरण को कम करने के लिए मध्य में पत्थर, कंकड़ या बजरी रखें और कटी हुई हार्डवुड पतवार की 5-10 सेंटीमीटर परत जोड़ें। नए पौधे पहले वर्ष में चूंकि कमजोर होते हैं, इसलिए शुरुआत में बगीचे में पानी का कम स्तर सुनिश्चित करें।

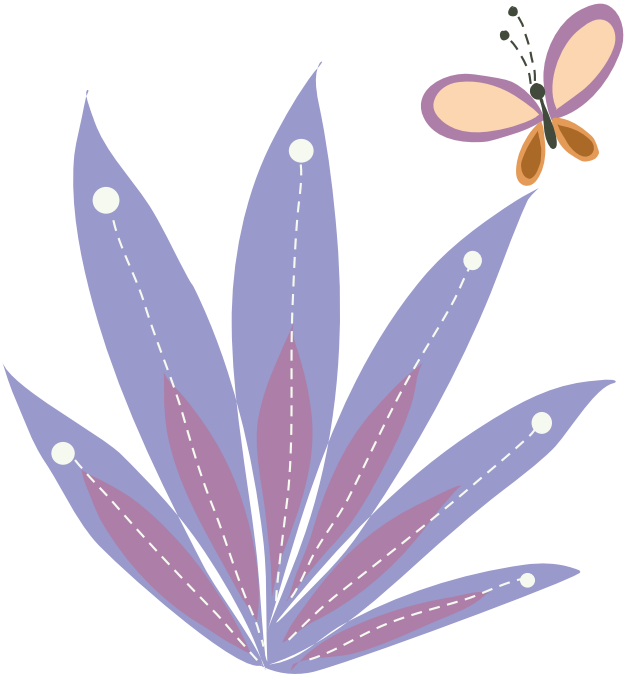

नीले और हरे गलियारे

शहरों में, कई हरे और नीले (सार्वजनिक) स्थान एक-दूसरे से अलग-थलग कर दिए जाते हैं। उन्हें जोड़ना और उनके बीच गलियारे स्थापित करना लोगों के लाभों तथा और अधिक जीवंत शहर के लिए जैव विविधता को कई गुणा बढ़ाता है।

नीले और हरे गलियारों में विभिन्न प्रकृति-आधारित समाधानों, जैसे बायोस्वेल्स (वनस्पति युक्त जल निकासी प्रणाली), जल प्रवाहों, पार्कों, पंक्तिबद्ध पेड़ों वाली सड़कों और वर्षा जल उद्यानों के साथ-साथ नीली और हरी दीवारों, छतों और फुटपाथों का मिला-जुला रूप होता है। एक साथ मिलकर, इन उपायों से एक नेटवर्क तैयार होता है, जिसके कारण अतिरिक्त पानी बह सकता है, जैवविविधता फल-फूल सकती है और लोग आराम कर सकते हैं, सैर कर सकते हैं या साइकिल चला सकते हैं। इन नेटवर्कों से शहर के जीवन योग्यता के साथ-साथ इसके जलवायु लचीलेपन में संवर्धन देखा गया है।

समय
- 1 + सप्ताह

कठिनाई
- उच्च

संसाधन
- शहर के नक्शे
- शहर में वर्तमान जैव विविधता पर रिपोर्ट
- फावड़े, वृक्षों की पौध, बीज, खाद/मिट्टी, पौधों के गमले/पात्र (संसाधन चयनित NbS उपायों पर निर्भर करेंगे)
- स्थानीय सरकार से अनुमतियाँ

प्रतिभागी
- स्वयंसेवक और समुदाय-आधारित संगठनों के प्रतिनिधि
- NGOs / नागरिक समाज संगठन
- स्थानीय सरकार (पर्यावरण या पार्क विभाग, शहरी नियोजन विभाग)
- पर्यावरण मंत्रालय
- वनस्पति उद्यान
- उद्यान केंद्र, थोक व्यापारी या अन्य प्रायोजक

प्रतिभागियों की संख्या
- ऊपर की ओर 5 से

चरण

1. मौजूदा प्रकृति-आधारित समाधानों जैसे पार्कों, शहरी सिंचित भूमि, हरी-भरी छतों और पंक्तिबद्ध पेड़ों वाली सड़कों का मूल्यांकन करें। उनके बारे में मानचित्र पर निशान लगाने और जैसे बाढ़, शहर में गर्मी और जैवविविधता वाले क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण संदर्भ शामिल करना।
2. खोए हुए संपर्कों, जिनसे अतिरिक्त पानी के बहाव, जैवविविधता फलने-फूलने और लोगों को आराम करने, सैर करने या साइकल चलाने में मदद मिलेगी, की पहचान करने के लिए नक्शे का विश्लेषण करना। सम्पर्क बनाने के लिए अपेक्षित उपायों को मूर्त रूप देने के लिए मुख्य भागीदारों के साथ इन स्थानों पर जाना।
3. अच्छी तरह से जुड़ा हुआ नेटवर्क तैयार करना। फिर इसके बाद प्रत्येक प्रकृति-आधारित समाधान के लिए व्यक्ति का योगदान तय करना और लाभों का ख़ाका बनाना। परियोजनाओं को प्राथमिकता देना और आवश्यक अनुमतियां लेना।
4. कम लागत वाले उपायों से शुरू करना, जो फ़ौरन सम्पर्क बनाते हैं और लागू करने आसान होते हैं, उदाहरण के लिए, लटकने वाले पौधों के साथ दीवारों को ढंकना; बस स्टॉप पर हरी छत लगाना।
5. स्थानीय निवासियों को शामिल करना और अधिक महत्वाकांक्षी परियोजनाएं संभालने के लिए प्रोत्साहित करना। अपनी योजना को उपलब्धियों सहित अपडेट करें और सहयोग, अनुमोदन और अनुमतियों के लिए स्थानीय अधिकारियों, राष्ट्रीय मंत्रालयों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से साझा करें। प्रत्येक स्थान पर सूचना-बोर्ड या पट्टिका स्थापित करने पर विचार करना, जिसकी मदद से आगंतुक गलियारे की पहल के बारे में अधिक जानकारी ले सकते हैं।

नेबरहुड वाडीज़

अपने पड़ोस में वाडी (wadi) का निर्माण कर; इसे समस्याग्रस्त क्षेत्र (जैसे जलभराव, अपशिष्ट संचय और मच्छर संक्रमण प्रभावित) से बाढ़ सुरक्षा, भूजल पुनर्भरण और सामाजिक उपयोग के लिए समाधान के रूप में रूपांतरित करना गलत रूप से प्रयुक्त सार्वजनिक स्थान का कायाकल्प कर सकता है।

वाडी एक मौसमी गीली-ज़मीन है, जो मानसून या वर्षा ऋतु के दौरान वर्षा के पानी से भर जाती है। वाडियां मूल रूप से गावों में होती हैं (ये मूल रूप से अफ़्रीका और अरब के रेगिस्तानों में थीं), अब जाकर उन्हें शहरों में प्रकृति के समाधान के तौर पर अपनाया गया है, ताकि अत्यधिक वर्षा के पानी को शहरी जल-निकासी प्रणाली में आने से रोकने और इसे भरने से रोका जा सके। ये छोटे पैमाने के पारिस्थिति तंत्र बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करते हैं, मनोरंजक सुविधाओं (जैसे इनमें बच्चों के लिए खेल के मैदान, चलने, भागने या साइकिल चलाने के लिए मार्ग, बैठने के लिए बेंच और सुरक्षा के लिए सड़कों का प्रकाश प्रबंध हो सकते हैं) के रूप में होते हैं, और शहरी कृषि में सहयोग करते हैं (जैसे वाडी में संचित वर्षा जल से फसलों की सिंचाई की जा सकती है)।

समय
- कम से कम दो सप्ताह

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- स्थानीय मौसम विज्ञान और जल विज्ञान संबंधी जानकारी
- भूमि अवधि जाँच
- अनुमति (परमिट), यदि जरूरी हो
- खुदाई करने वाला/उत्खनक
- पहियों वाला छकड़ा
- वाडी डिजाइन का स्केच
- खेल मैदान उपकरण
- ट्यूबिंग
- पैदल चलने, दौड़ने, साइकिल चलाने के रास्ते के लिए फ़र्श
- बेंच
- स्ट्रीटलाइट
- नालियों के ढक्कन
- पौधों और घास के बीज

प्रतिभागी
- सामुदायिक नेता और सदस्य
- नागरिक समाज संगठनों के कर्मचारी
- इंजीनियर
- लैंडस्केपर
- अन्य स्वयंसेवक

प्रतिभागियों की संख्या
- पाँच या अधिक

चरण

1. अपने पड़ोस की कोई ऐसी जगह चुनें जहाँ बार-बार जल भराव होता हो। भूखंड किसके पास है और स्थानीय नियोजन नियमों के बारे में भी पता लगाना। पता लगाएं कि आपदा जोखिम कम करने की योजना के हिस्से के रूप में आपकी परियोजना के लिए स्थानीय / राष्ट्रीय सरकारी धन उपलब्ध है या नहीं।

2. समुदाय के उन सदस्यों की पहचान करना, जिन्हें डिज़ाइन करने, जैवविविधता और मनोरंजन के क्षेत्रों का अनुभव है। कौशल संबंधी किसी भी ज़रूरत के समय सरकारी एजेंसियां या कंपनी मुफ़्त में मदद कर सकती है। वाड़ी के आकार, रूप और जल क्षमता का निर्णय करने के लिए नगर-निगम के योजनाकारों को शामिल करना। वाडी में रास्ते, बैंच, कूड़ेदान और खेल के मैदान में काम आने वाले सामान जैसे प्रबंध करने का ध्यान रखते हुए, इसकी तैयारी करना।

3. वाडी बनाने के लिए फ़ुटपाथ और मिट्टी खोदने के लिए समुदाय के लोगों की मदद लेना। खेल का मैदान ऊंचा उठाने के लिए खोदी गई मिट्टी का उपयोग करना। सुनिश्चित बनाएं कि मुख्य नाले में वर्षा-जल के बहुत अधिक बहाव के लिए निकास हो। पानी की गति कम करने और पौधों को बहने से रोकने के लिए पानी के प्रवेश और निकास स्थान पर बड़े-बड़े पत्थर रखना। वाडी को रेत, मिट्टी, बजरी, कंकड़ और पत्थर जैसी रिसने वाली सामग्री से भरें।

4. वाडी के चारों ओर विभिन्न प्रकार के स्थानीय जल प्रतिरोधी और मज़बूत जड़ वाली प्रजातियों के पौधे लगाना। अन्य सुविधाओं (जैसे रास्ते, बैंच, कूड़ेदान, खेल के मैदान के उपकरण, सौर ऊर्जा से जलने वाली सड़क की लाइटें और एक बोर्ड या प्लेग संबंधी इलाज और रोग-निदान के प्रायोजक) का प्रबंध भी करना।

5. सामुदायिक नेताओं और स्थानीय मीडिया को आमंत्रित करते हुए उद्घाटन समारोह का आयोजन करना। सहमति बनाना कि वाडी के रख-रखाव के लिए कौन सा समूह या संगठन जिम्मेदारी लेगा।

केस स्टडी

सामने के बगीचे को 'कंकड़-मुक्त' बनाने के लिए काम करते हुए निवासी
(फोटो आभार: वेंडी बेक्कर)

ऑपरेटी स्टीनब्रीक, नीदरलैंड

नीदरलैंड्स में 'हरे-भरे' शहरी स्थानों हेतु अभियान का नाम ऑप्रेटी स्टीनब्रीक (Operatie Steenbreek) है। इसमें 150 से अधिक भागीदार शामिल हैं, इनमें प्रांत, नगर-पालिकाएं, जल बोर्ड, आवासीय निगम, गैर-सरकारी संगठन और कंपनियां भी शामिल हैं। इस अभियान में स्थानीय निवासियों और व्यवसायों की सहायता से निजी और सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक फुटपाथों के स्थान पर हरियाली वाले विविध पेड़ लगाने का काम किया जाता है। इससे शहरों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाने, अत्यधिक गर्मी को कम करने, जैव विविधता में सुधार करने और शहरवासियों की कुशलता बढ़ाने में सहायता मिलती है।

पहल के पीछे का विचार यह है कि स्थानीय निवासियों को उनके बागानों/बैकयार्ड से फर्श स्लैब, कंकरीट टाइल्स या डामर सतहों को हटाने और इन अभेद्य सतहों को बेहतर जल निकासी और संवर्धित जैव विविधता के लिए घास, पौधों और वृक्षों के साथ बदलने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

मोबाइल फोन ऐप के माध्यम से, निवासियों को परामर्श और पड़ोसियों के साथ पौधों के आदान-प्रदान का अवसर दिया जाता है।

लक्षित समूह एक-दूसरे से मिलने के लिए निवासियों को एक साथ लाते हैं और एक तरह से नागरिक विज्ञान के रूप में नए उद्यानों/हरित स्थान की सफलता मापते हैं। मेरे बैकयार्ड में “बेमर और मार्टेंस *:* ” , *BIMBY (* *)*

स्वयंसेवकों, प्रतिनिधियों, सोशल मीडिया पोस्टों और स्थानीय सरकार के समर्थन का मजबूत और सुव्यवस्थित नेटवर्क ऑपरेटी स्टीनब्रीक की सफलता की कुंजी है। अभियान में निवासियों के साथ ज्ञान साझा करने और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए 'NBS प्रतिनिधि' की नियुक्ति की गई। कई नगरपालिकाएं अभियान से जुड़ीं और उन्होंने स्थानीय गतिविधियों का वित्तपोषण किया जिनमें निवासियों ने भी समकक्ष धन दिया। शुरू किए गए ज्यादातर उपाय कम बजट के थे।

अधिक जानकारी के लिए
WWW.STEENBREEK.NL पर जाएं

केस स्टडी

SINCE 2016, MEDELLÍN HAS CREATED 30 'CORREDORES VERDES,' AN INTERCONNECTED NETWORK OF GREENERY ACROSS THE CITY, WHICH WAS AWARDED THE 2019 ASHDEN AWARD FOR COOLING BY NATURE
(Photo: ACI Medellín)

मेडेलिन, कोलंबिया के हरित गलियारे

2016 में स्थापित मेडेलिन के 30 कोरिडोर्स वर्डे (हरित गलियारे) कोलंबिया के दूसरे सबसे बड़े शहर में हरियाली का परस्पर संबद्ध नेटवर्क है। यह महत्वाकांक्षी पहल शहर के हरे-भरे स्थानों को जोड़ती है, शहरी जैव विविधता में सुधार करती है, शहरी गर्मी द्वीप प्रभाव कम करती है, प्रदूषण सोखती है और कार्बन डाइऑक्साइड की बड़ी मात्रा हटाती है। कोरेडोर्स वर्डेस परियोजना दर्शाती है कि किस तरह एकीकृत, प्रकृति-आधारित समाधान - जैसे व्यापक शहरी वृक्षारोपण - स्थानीय और वैश्विक पर्यावरण पर दूरगामी प्रभाव डालने के साथ-साथ शहर निवासियों के जीवन और कल्याण में उल्लेखनीय सुधार कर सकते हैं।

तीव्र शहरी विकास के 50 वर्षों के बाद, मेडेलिन में गंभीर शहरी गर्मी द्वीप प्रभाव महसूस होना शुरू हुआ। इसे सुधारने के लिए, शहर ने तीन वर्षीय 'आपके लिए हरा-भरा मेडेलिन' कार्यक्रम लागू किया – जिससे शहरी डिजाइन के प्रति इसका दृष्टिकोण काफी बदल गया। 16.3 मिलियन कोलंबियाई पेसो पहल के हिस्से के रूप में, शहर के वंचित क्षेत्रों के निवासियों को शहरी बागबान और पौधारोपण विशेषज्ञ बनने के लिए मेडेलिन वनस्पति उद्यान द्वारा प्रशिक्षित किया गया। इन स्वयंसेवकों ने तब 30 गलियारों में 8,800 पेड़ और ताड़ वृक्ष लगाने में मदद की, जो अब 65 हेक्टेयर में मौजूद हैं। शहर के अपेक्षाकृत व्यस्त आम मार्गों में से एक में 596 ताड़ वृक्ष और पेड़ लगाये गए, साथ ही छोटी वनस्पतियों की 90,000 प्रजातियां भी लगायी गईं।

कोरेडोर्स वर्डेस मेडेलिन को विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं देता है: शहर का औसत तापमान 2°C तक कम करना; बढ़ते पौधों द्वारा कार्बन ग्रहण करने को संभव बनाना; हवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कण सामग्री (PM2.5) ग्रहण करना; और पहले से अधिक वन्यजीव-अनुकूल आवासों के माध्यम से शहरी जैवविविधता का संवर्धन करना। ये परिणाम प्रदर्शित करते हैं कि टिकाऊ शहरी डिजाइन के क्षेत्र में प्रकृति आधारित समाधान तेजी से लोकप्रिय क्यों हो रहे हैं।

कोलंबियाई कानून कहता है कि प्रत्येक शहर के बजट के कुछ हिस्से का निवेश जनता द्वारा लोकतांत्रिक मतदान के माध्यम से चुनी गई परियोजनाओं में किया जाना चाहिए। कोरेडोर्स वर्डेस पहल को मेडेलिन निवासियों द्वारा मतदान से चुना गया था; जिसने 2019 में, कूलिंग बाई नेचर के लिए प्रतिष्ठित एशडेन पुरस्कार जीता।

अधिक जानकारी के लिए, इस पर जाएं:
HTTPS://WWW.C40KNOWLEDGEHUB.ORG/S/ARTICLE/CITIES100-MEDELLIN-S-INTERCONNECTED-GREEN-CORRIDORS?LANGUAGE=EN_US

रहने योग्य शहर

तीव्र शहरीकरण मानव स्वास्थ्य और कल्याण पर नकारात्मक प्रभावों के साथ पर्यावरण संबंधी तनाव पैदा कर सकता है। शहर की जीवन योग्यता का आकलन करना और इसमें सुधार करना लोगों की जीवन गुणवत्ता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

शहरी नियोजन, विकास और नीति-निर्माण के लिए जीवन योग्यता एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभरी है। जीवन योग्यता की संकल्पना को शहर के पर्यावरण संबंधी प्रभावों को कम करते हुए, शहर के निवासियों की कुशलता के संवर्धन के लिए शहरी प्रणालियों और भवनों से एकीकृत किया जा सकता है। जीने योग्य शहर बनाने के लिए समन्वित और बहु-हितधारक दृष्टिकोण की जरूरत होती है।

'जीने योग्य' शहरों की कोई एक परिभाषा नहीं है। हालाँकि, कुछ सामान्य सिद्धांतों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्वच्छ हवा
- हरे-भरे स्थानों और शहरी प्रकृति तक पहुँच
- चलने, साइकिल चलाने या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वालों के लिए सुरक्षित
- किफायती आवास
- गंदगी-मुक्त सार्वजनिक स्थान
- पर्याप्त सार्वजनिक स्थान और बच्चों के लिए खेलने के स्थान
- अपराध की बेहतर रोकथाम सहित निवासियों के लिए सुरक्षित
- आस-पड़ोस में सामुदायिक और सामाजिक सामंजस्य की भावना
- सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल और शैक्षिक सुविधाएं
- सांस्कृतिक गतिविधियाँ

जीने योग्य शहर के सिद्धांत संदर्भ पर अत्यधिक निर्भर हैं – इसलिए जीने योग्य शहर में क्या शामिल है, यह इसके नेताओं और निवासियों की प्राथमिकताओं के आधार पर, एक शहर से दूसरे शहर में भिन्न होगा।

ग्लोबल लिंक

जीने योग्य शहरों की अवधारणा शहरी विकास के कई वैश्विक सिद्धांतों जैसे स्थायी शहर, खुशहाल तथा स्वस्थ शहर और लचीला शहर, से सीधे जुड़ती है। जीने योग्य शहरों के विशिष्ट पहलू व्यापक वैश्विक प्रक्रियाओं से भी जुड़े हैं। इस मॉड्यूल में बहुत-सी गतिविधियाँ जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन में सहयोग करती हैं। उदाहरण के लिए: कार-मुक्त दिन कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य उत्सर्जनों में कटौती करते हैं; पैदलयात्रियों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए लेनों को पेंट किया जाना पैदल चलने और गैर-मोटर चालित परिवहन के रूपों को बढ़ावा देता है; स्थल सज्जा अपशिष्ट सामग्रियों के बेहतर उपयोग को प्रोत्साहित करती है और अपशिष्ट को खत्म करने और संसाधनों के निरंतर उपयोग के उद्देश्य से चक्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान देती है।

इन सभी उपायों के पीछे वे लोग हैं जो काम करते हैं और वे अन्य लोग जिनके जीवन में परिणामस्वरूप सुधार होता है। जैसे, स्थानीय उत्सव मनोरंजक गतिविधियों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से लोगों के विभिन्न समूहों को एक साथ लाते हैं, जिससे प्रसन्न और स्वस्थ समुदायों में योगदान देते हैं – जो कि जीने योग्य शहर का प्रमुख संकेतक है।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न आपस में जुड़े मुद्दों जैसे न्यू अर्बन एजेंडा और टिकाऊ विकास लक्ष्य (SDGs) के लिए भी जीने योग्य शहर प्रासंगिक हैं। जैसे, ये गतिविधियाँ SDG 11 में सीधे मैप होती हैं: "शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और टिकाऊ बनाएं"। वे लक्ष्य 11.3 के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक हैं: "सभी देशों में भागीदारी-युक्त, एकीकृत और टिकाऊ मानव बसावट नियोजन और प्रबंधन के लिए समावेशी और टिकाऊ शहरीकरण और क्षमता बढ़ाएं"; लक्ष्य 11.6: "वायु प्रदूषण पर विशेष ध्यान देने सहित शहरों के प्रति व्यक्ति पर्यावरण संबंधी प्रभाव को कम करें"; और लक्ष्य 11.7: "सुरक्षित और समावेशी हरे-भरे और सार्वजनिक स्थानों तक पहुँच प्रदान करें"। वे SDG 3 में भी योगदान करते हैं: "सभी उम्र के सभी व्यक्तियों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करें और कल्याण को प्रोत्साहित करें"; विशेष रूप से, लक्ष्य 3.6: "सड़क दुर्घटनाओं से वैश्विक मौतों और घायल होने की संख्या को आधा करें"। इसके अलावा, ये गतिविधियाँ 2015 पेरिस समझौते के लिए देश की प्रतिबद्धताओं में योगदान करती हैं।

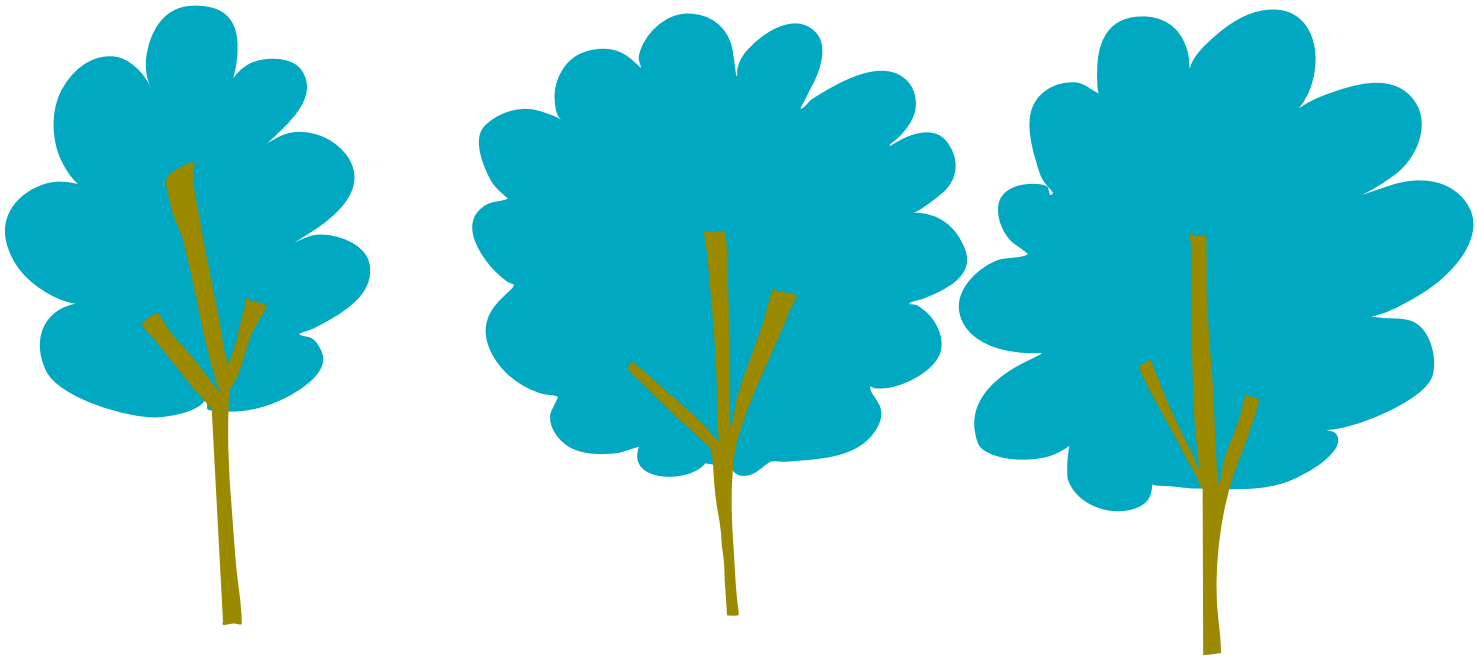

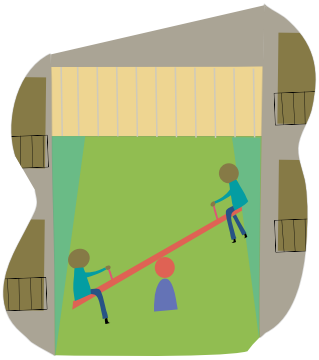

शहरी स्थानों में जगह बनाना

स्थान सज्जा किसी उपेक्षित शहरी स्थान को आकर्षक सार्वजनिक स्थान में बदल सकती है – जो कि शहर को टिकाऊ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है और जो स्थानीय निवासियों की प्रसन्नता और कुशलता में भी योगदान देता है।

"स्थान सज्जा लोगों को सामूहिक रूप से दोबारा कल्पना करने और सार्वजनिक स्थलों को प्रत्येक समुदाय को प्रिय के रूप में दोबारा गढ़ने के लिए प्रेरित करती है"[1]। स्थान सज्जा प्रक्रिया से, किसी उपेक्षित शहरी स्थान का स्थानीय निवासियों द्वारा मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ मिलने-जुलने और आराम के लिए उपयोग किया जा सकता है। इसके उदाहरणों में एक व्यस्त सड़क के कोने पर एक बैंच लगाने जैसे आसान काम करने से लेकर बहुत सी ख़ाली पड़ी ज़मीन को बच्चों के खेल के मैदान में बदलना शामिल है। यह सामाजिक सामंजस्य बढ़ाने और क्षेत्र के सौंदर्य मूल्य को सुदृढ़ करने में भी मदद करता है। यह महत्वपूर्ण है कि यह प्रक्रिया समुदाय द्वारा संचालित, सहभागिता पूर्ण, समावेशी, रचनात्मक, लचीली, गतिशील और बहुमुखी हो।

स्थानीय कौशलों और प्रौद्योगिकियों के साथ स्थानीय रूप से उपलब्ध, मितव्ययी संसाधनों का उपयोग करके किसी भी स्थान को रूपांतरित किया जा सकता है; जैसे, बची हुई लकड़ी से बेंच बनाकर।

समय
- पैमाने के आधार पर, कुछ सप्ताहों से कुछ माह तक।

कठिनाई
- उच्च

संसाधन
- स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों; हितधारकों के योगदान; और लागू किए जा रहे डिजाइन पर निर्भर करता है।

प्रतिभागी
- उत्साही शहरी अधिकारी
- निवासी - बच्चे, युवा, माता-पिता, महिलाएं, बुजुर्ग लोग
- स्वयंसेवक
- सामुदायिक प्रतिनिधि/नेता
- स्थानीय व्यवसाय
- स्कूल
- नागरिक समाज संगठन
- स्थानीय कारीगर
- स्थानीय तकनीशियन (राजमिस्त्री, नलसाज, इलेक्ट्रिशियन)
- धार्मिक नेता
- मीडिया

प्रतिभागियों की संख्या
- लगभग 4-5 स्वयंसेवक और हितधारक (परियोजना के पैमाने के आधार पर)।

चरण

1. साइट चुनें - अपनी स्थल सज्जा (placemaking) परियोजना के लिए आसपास के किसी भी अप्रयुक्त सार्वजनिक स्थान या खाली इमारत के बारे में विचार करें।
2. स्थानीय प्राधिकरण से आवश्यक प्रतिबद्धता और अनुमति प्राप्त करें। स्थान सज्जा परियोजना के उद्देश्य और महत्वपूर्ण पड़ावों के साथ-साथ समय, सहायता और आवश्यक अन्य संसाधनों सहित अपना संदेश स्पष्ट रूप से बताएं। इससे स्थानीय अधिकारियों से स्वीकृति में सहायता मिलेगी।
3. अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों जैसे स्थानीय व्यवसायों और भवन स्वामियों को चिह्नित करें; उन्हें अपनी परियोजना के लिए उत्साहित और तत्पर करें।
4. परियोजना टीम के रूप में साइट का भ्रमण करें। आप प्रारंभिक विचार और डिजाइन विकसित करने के लिए साइट पर कार्यशाला भी आयोजित कर सकते हैं।
5. संसाधन मैपिंग संबंधी अभ्यास आयोजित करें – सहायता के लिए कौन उपलब्ध है, वे क्या, कहाँ और कब योगदान कर सकते हैं? उदाहरण के लिए, कुछ हितधारक आपको वस्तु के सहयोग की पेशकश करना पसंद कर सकते हैं, जबकि अन्य वित्तीय दान देना पसंद कर सकते हैं। तदनुसार संकल्पना को संशोधित करें और कार्यान्वयन योजना तैयार करें।

[1] https://www.pps.org/category/placemaking

› शहरी स्थानों में जगह बनाना

6. अपनी स्थल सज्जा परियोजना पर शुरुआत करें – शुरूआत के लिए सप्ताहांत अच्छा समय है क्योंकि कमोबेश अधिक लोग उपलब्ध होंगे।

7. 2-3 सप्ताह के बाद अपनी प्रगति का औपचारिक रूप से आकलन करें; यदि आवश्यक हो तो कार्यान्वयन योजना को समायोजित करें।

8. स्थल सज्जा परियोजना जब पूरी हो जाए, तो इसके सतत संचालन और रखरखाव के लिए इसे स्थानीय प्राधिकरण को सौंप दें, या इसका अधिकार संभालने के लिए सामुदायिक समूह गठित करें।

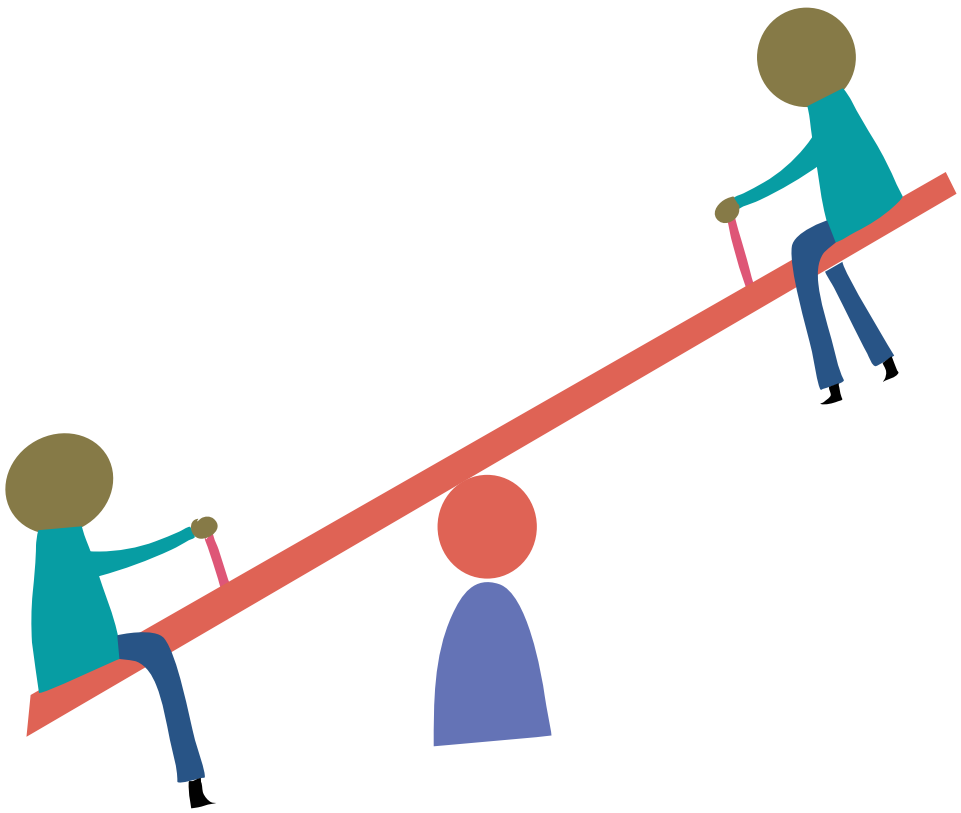

स्थानीय उत्सव

उत्सव स्थानीय निवासियों को एक-दूसरे को जानने और सम्मान करने का अवसर देते हैं, जिससे सद्भाव और सामाजिक सामंजस्य बनता है। वे मनोरंजक गतिविधियों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंततः, सामुदायिक भावना को भी सुगम बनाते हैं।

प्रसन्न और स्वस्थ समुदाय जीने योग्य शहर के प्रमुख संकेतकों में से एक है। और सामाजिक और सांस्कृतिक लगाव प्रसन्न और स्वस्थ समुदाय के प्रमुख तत्वों में से एक है।

उत्सव का आकार और पैमाना स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए उत्सवों में पुरानी वस्तुओं के बाजार, पारिवारिक गतिविधियाँ, लाइव संगीत और खाने-पीने के स्टॉल शामिल हो सकते हैं। इससे उत्सव जीवंत बनेगा और स्टॉलधारकों के लिए आजीविका के अवसर भी पैदा होंगे। उत्सव के स्थान पर विचार करते समय, विभिन्न संस्कृतियों और जातीयताओं के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक समूहों और विकलांग लोगों के लिए समान पहुँच सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

समय
- वर्ष में एक बार, पूरे दिन का आयोजन

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- उत्सव के आकार और पैमाने पर निर्भर करता है।

प्रतिभागी
- उत्साही शहरी अधिकारी
- निवासी - बच्चे, युवा, माता-पिता, महिलाएं, बुजुर्ग लोग
- स्वयंसेवक
- सामुदायिक प्रतिनिधि/नेता,
- नागरिक समाज संगठन
- मीडिया

प्रतिभागियों की संख्या
- 80-100 लोगों के साथ उत्सव के लिए कम से कम 10-15 स्वयंसेवक (आकार और पैमाने पर निर्भर करता है)

चरण

1. आपके द्वारा जहाँ उत्सव आयोजित करने की योजना हो, उस स्थानीय क्षेत्र को चिह्नित करें। स्थानीय समुदाय के बीच सुझाव साझा करें; सभी के उत्साह और भागीदारी को प्रोत्साहित करें।
2. साथ में, उत्सव की रूपरेखा तैयार करें ताकि इसमें सभी सामाजिक समूहों की भागीदारी सुनिश्चित हो; तय करें कि क्या इसमें कोई थीम और कोई महत्वपूर्ण संदेश होगा।
3. खाका योजना स्थानीय प्राधिकरण को प्रस्तुत करें और उनकी अनुमति लें। किसी भी पड़ोसी संघ को भी शामिल करें।
4. अनुमति प्रदान कर दिए जाने के बाद, आयोजन समिति बनाएं और विस्तृत कार्य योजना बनाएं। उत्सव के प्रचार के लिए विभिन्न गतिविधियों और मीडिया जैसे भागीदारों को शामिल करें।
5. आयोजन समिति के सदस्यों को जिम्मेदारियाँ सौंपें; प्रगति की सूचना देने और कार्य योजना को अपडेट करने के लिए नियमित रूप से मिलें; भावी स्टॉलधारकों और स्वयंसेवकों तक पहुँचना शुरू करें।

›

› स्थानीय उत्सव

6. सामाजिक सद्भाव और लगाव पर उत्सव का(के) संदेश तैयार करें। सामाजिक/स्थानीय मीडिया के माध्यम से उत्सव का प्रचार-प्रसार करें।

7. किसी सुप्रसिद्ध स्थानीय निवासी के स्वागत भाषण से उत्सव की शुरुआत करें।

8. आयोजन के बाद, आयोजन समिति के सदस्यों, स्थानीय निवासियों, स्टॉलधारकों और उत्सव में भाग लेने वाले लोगों से प्रतिक्रिया लें ताकि आगामी आयोजन में इसका उपयोग हो सके।

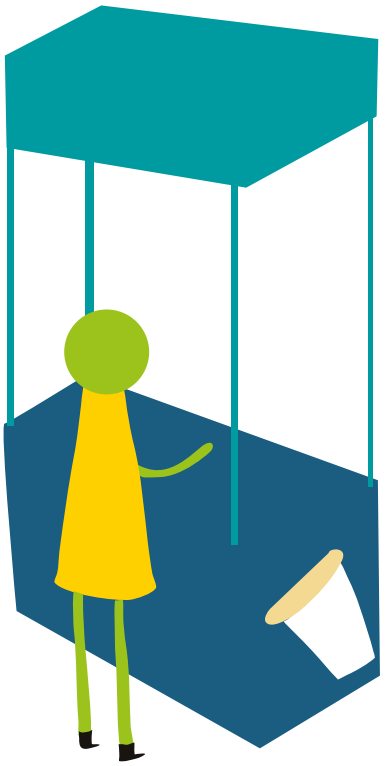

कार-मुक्त दिन

कार-मुक्त दिन उपयोग योग्य सार्वजनिक स्थान का क्षेत्र बढ़ाने, सामुदायिक भावना बढ़ाने और स्वस्थ रहन-सहन को प्रचारित करने का रचनात्मक तरीका है।

कार-मुक्त दिवस प्रति सप्ताह किसी एक दिन शहर में विशेष सड़कों को बंद करने की पद्धति है, ताकि लोग उन्हें साइकिल चलाने, दौड़ने, चलने, आराम करने और सामाजिक रूप से घुलने-मिलने आदि जैसे कामों के लिए उपयोग कर सकें। कार-मुक्त दिवस स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली प्रोत्साहित करते हैं, वायु प्रदूषण कम करते हैं और सामुदायिक लगाव बढ़ाते हैं। सड़क के बंद होने का पैमाना शहर-दर-शहर तक भिन्न होता है। उदाहरण के लिए, बोगोटा, कोलंबिया, प्रत्येक रविवार और सभी सार्वजनिक छुट्टियों पर शहर की 120 किलोमीटर सड़कें बंद कर देता है; जबकि जकार्ता, इंडोनेशिया शहर कई मुख्य सड़कों पर प्रत्येक रविवार सुबह 6 बजे से 11 बजे तक कार-मुक्त दिन आयोजित करता है।

चरण

समय
- साप्ताहिक या मासिक

कठिनाई
- उच्च

संसाधन
- सड़क बंद होने संबंधी साइनेज

प्रतिभागी
- स्वयंसेवक
- शहर निवासी
- मीडिया
- मेयर
- नागरिक समाज संगठन
- व्यावसायिक भागीदार
- फिटनेस प्रशिक्षक

प्रतिभागियों की संख्या
- 10 से ज्यादा स्वयंसेवक, पैमाने के आधार पर

1. शहर में सड़कें बंद करने का अधिकार रखने वाले स्थानीय सरकारी अधिकारियों सहित कार-मुक्त दिन बनाने के लिए जरूरी प्रमुख भागीदारों की पहचान करें।
2. स्थानीय निवासियों की पहुँच और आपातकालीन सेवाओं के लिए प्रमुख मार्गों को खुला रखे जाने को ध्यान में रखते हुए सड़कों का चयन करें।
3. किसी लंबे आम मार्ग की घेराबंदी करके साइकिल-सवारों, स्केटर्स और धावकों जैसे तेज गति वाले उपयोगकर्ताओं के लिए कार-मुक्त दिवस की शुरुआत करने की योजना बनाएं। अन्य गतिविधियों जैसे निशुल्क फिटनेस कक्षाएं, अस्थायी कैफे स्थल और बच्चों के खेल क्षेत्र (जैसे सैंडपिट या पैडलिंग पूल) के लिए अलग-अलग क्षेत्र स्थापित करें।
4. स्थानीय मीडिया के माध्यम से कार-मुक्त दिन का विज्ञापन करें ताकि शहरवासी हिस्सा लेने की योजना बना सकें और मोटर चालक वैकल्पिक मार्गों की योजना बना सकें।
5. इस दिन पर्याप्त साइनेज सुनिश्चित करें ताकि पैदल यात्री साइकिल लेन या साइकिल यात्री पैदल लेन में भूल से न आ जाएं; लोगों को दिशानिर्देश देने और उनके प्रश्नों के उत्तर देने के लिए स्वयंसेवक परिचारकों की भर्ती करें; कार-मुक्त दिन का आनंद ले रहे लोगों की तस्वीरें और वीडियो साझा करें; उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि के बारे में एक सर्वेक्षण करें और परिणामों का उपयोग यह तय करने के लिए करें कि क्या इसे शहर में नियमित रूप से आयोजित करना चाहिए।

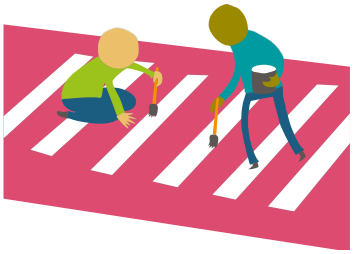

पैदल चलने वालों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए लेनों को पेंट करना

पैदल चलने वालों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए लेनों को पेंट करना स्पष्ट सीमांकन बनाता है जो उन्हें सड़कों को सुरक्षित रूप से पार करने और ऐसे स्थानों का उपयोग करने में सहायता करता है जिन पर अन्यथा कारों और अन्य वाहनों द्वारा अतिक्रमण कर लिया जाएगा।

बहुत से शहरों में पैदलयात्रियों, साइकिल चालकों और अन्य गैर-मोटर चालित परिवहन उपयोगकर्ताओं के लिए व्यस्त सड़कों के चौराहों को पार करना खतरनाक होता जा रहा है। लेनों को पैदलयात्रियों आदि के लिए स्पष्ट रूप से चिह्नित करने से प्रत्येक को सुरक्षित रखने में सहायता मिल सकती है और शहर में सब ओर गतिशीलता सुधर सकती है। लेनों का अंकन शहर की सड़कों को रंगीन और दिलचस्प भी बनाता है।

समय
- 3–5 दिन।

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- पेंट के डिब्बे
- पेंट ब्रश
- सफाई के लिए पुराने कपड़े इत्यादि
- झाड़ू

प्रतिभागी
- स्वयंसेवक
- समुदाय के अग्रणी लोग
- कलाकार
- स्कूल समूह

प्रतिभागियों की संख्या
- कम से कम 10 लोग।

चरण

1. यह चिह्नित करें कि कहाँ पैदलयात्रियों/गैर-मोटर चालित वाहनों के उपयोगकर्ताओं को कार और अन्य यातायात से दूर रखकर उनके लिए लेन बनाने से सुरक्षा में वृद्धि होगी।

2. स्थानीय सामुदायिक समूहों, कलाकारों, स्कूलों और अन्यों को शामिल करने से पहले परियोजना के लिए स्थानीय प्राधिकरण की अनुमति लें। लेनों को कहाँ पेंट किया जाना चाहिए इसके लिए सामुदायिक परामर्श आयोजित करें; डिजाइन सुझावों का अनुरोध करें।

3. प्राप्त राय के आधार पर, डिजाइन को अंतिम रूप दें और पेंटिंग में सहायता के लिए स्वयंसेवक खोजें।

4. लेनों को पेंट करने के लिए समय व्यवस्थित करें। सर्वाधिक व्यस्त सड़कों के मामले में देर रात या तड़के सुबह जब यातायात कम होता है तभी ऐसा किया जाना अपेक्षित है। कार-मुक्त दिन के साथ इस गतिविधि को जोड़ने पर विचार करें।

5. सभी सामग्री खरीदें और पेंट करने के लिए टीमें बनाएं।

6. जब आप पेंट करें, तो उस क्षेत्र को अवरुद्ध करने में सहायता के लिए पुलिस या स्थानीय समुदाय समूह से अनुरोध करें। सुनिश्चित करें कि कम से कम एक व्यक्ति आसपास आने वाले यातायात पर नजर रखे।

7. फुटपाथ पर डिजाइन की रूपरेखा तैयार करने और किए जाने वाले कार्य के लिए दूसरों को निर्देश देने के लिए किसी प्रमुख कलाकार की नियुक्ति करें। पेंटिंग को पूरा करने में कुछ दिन लग सकते हैं।

केस स्टडी

ममोफ्रा प्लेस पार्क में एक विकलांगता सहयोग समूह माता-पिता के लिए बाहरी व्यायाम कक्षाएं आयोजित करता है।
(फोटो: ममोफ्रा फांऊडेशन)

एकरा, घाना में ममोफ्रा प्लेस

ममोफ्रा प्लेस एकरा, घाना के ज़ोरवुलु पड़ोस में 1.5 एकड़ का भूखंड है जिसे बच्चों और युवाओं के खेलने और सीखने के लिए एक सुरक्षित जगह के रूप में रूपांतरित किया जा रहा है। एकन में ममोफ्रा का अर्थ "बच्चे" है; और इस पहल को ममोफ्रा फाउंडेशन - घाना स्थित NGO जो बच्चों के सांस्कृतिक और प्राकृतिक वातावरणों के साथ रचनात्मक संवाद के माध्यम से बच्चों के जीवन को समृद्ध करने के लिए प्रयासरत है, द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है।

एकरा तेजी से शहरीकृत हो रहा है और इसकी ज्यादातर आबादी युवा है, फिर भी वहाँ आसानी से सुलभ और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान कुछेक ही हैं। इसे पहचानते हुए, ममोफ्रा फाउंडेशन ने 2012 में एक सम्मेलन आयोजित किया जिसमें स्थानीय वास्तुकारों, इंजीनियरों, कलाकारों और शिक्षकों के साथ-साथ युवाओं और समुदाय नेताओं को एकरा में बाल-अनुकूल शहरी पार्कों का पुनर्मूल्यांकन और इन्हें पुनर्जीवित करने के प्रति सजग किया गया। उस समय ममोफ्रा प्लेस की संकल्पना विकसित की गई।

सार्वभौम पहुँच, स्थानीय सामग्रियों को नए उद्देश्य के लिए ढालना और 'हल्का, तेज, सस्ता' का दृष्टिकोण वे सिद्धांत हैं जो ममोफ्रा फांऊडेशन और स्थानीय हितधारकों द्वारा पार्क में लागू किए जाते हैं। फाउंडेशन द्वारा 'हरित प्रयोगशाला' के रूप में वर्णित, ममोफ्रा प्लेस में जलवायु परिवर्तन, WASH व्यवहारों, बागवानी, व्यायाम और अन्य मुद्दों पर बच्चों के लिए शैक्षिक और व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। इस स्थान पर STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) प्रदर्शनियों, और वायु प्रदूषण से निपटने, वायु तापमान कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में पेड़ों का महत्व जैसे जरूरी संदेशों के साथ पर्यावरण संबंधी शैक्षिक कार्यक्रमों को भी समायोजित किया जाता है। सार्वजनिक कुशलता पर ध्यान उन महत्वपूर्ण कारकों में से एक है जिसने स्थानीय निवासियों को एक उपेक्षित जगह को जीवंत और आकर्षक सार्वजनिक स्थान में रूपांतरित करने की इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया है।

हालाँकि इस पर काम अभी भी जारी है, यह पार्क संवेदी, सामाजिक और शारीरिक क्रियाशीलता के माध्यम से सीखने के लिए एक अनूठा परीक्षण स्थल बन गया है। ममोफ्रा प्लेस घाना की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत धारण करता है और शहरी लचीलेपन के लिए व्यावहारिक समाधान भी प्रदर्शित करता है। ममोफ्रा प्लेस मॉडल को बाज़ारों, स्कूल प्रांगणों और आसपास के पार्कों सहित शहर के अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दोहराया जा रहा है।

ममोफ्रा फांऊडेशन और अन्य समान विचारधारा वाले संगठनों का काम आज और भी महत्वपूर्ण है। दुनिया भर में COVID-19 वैश्विक महामारी ने स्वस्थ सामाजिक संपर्क के लिए बाहरी स्थानों के रखरखाव के महत्व को उजागर किया है, विशेषकर शहरों में। ममोफ्रा फांऊडेशन को अन्यों के साथ-साथ, UN-हैबिटेट; हेल्थब्रिज - कनाडा का जीने योग्य शहरों संबंधी कार्यक्रम; प्रोजेक्ट फॉर पब्लिक स्पेसेस - न्यूयॉर्क स्थित लाभ-निरपेक्ष संगठन; और बर्नार्ड वैन लीयर फाउंडेशन - नीदरलैंड स्थित प्रारंभिक बचपन विकास में विशेषज्ञों का समर्थन प्राप्त है।

शीघ्र चेतावनी शीघ्र कार्रवाई

शुरुआती चेतावनियों को अग्रिम कार्रवाइयों में बदलना जोखिम की संभावना और गंभीरता को निर्धारित करने में सहायक होता है। शुरुआती चेतावनियां जीवन, संपत्ति और समुदायों की आजीविका को बचाने हेतु कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त समय-सीमा प्रदान करती हैं।

यह मॉड्यूल ऐसी कई गतिविधियों का सुझाव देता है जो कमजोर समुदायों को मौसम की जानकारी को अधिक प्रभावी ढंग से समझने और उपयोग करने में मदद करती हैं, जिससे वे जोखिमों को कम करने और अवसरों को अधिकतम करने के लिए शुरुआती कार्रवाई करने में सक्षम होते हैं। साथ में, ये गतिविधियाँ शीघ्र चेतावनी शीघ्र कार्रवाई दृष्टिकोण का निर्माण करती हैं।

'मौसम संबंधी जानकारी समझना' गतिविधि मौसम को और उनके समुदाय में इसके प्रभावों को समझने और पूर्वानुमान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय मौसम सेवा से जुड़ने में लोगों की सहायता करने से संबंधित है।

'सामुदायिक संचार नेटवर्क मानचित्रण' गतिविधि समुदाय के भीतर संचार के प्रवाह को मैप करने का आसान तरीका है जो समुदाय स्तर पर उपयुक्त संचार प्रणालियों के विकास में सहयोग कर सकता है।

'संचार प्रणाली डिजाइन करें' गतिवधि सूचना के प्रसार पर केंद्रित है। यह समुदाय के भीतर आवश्यक संदेशों को शीघ्रता से फैलाने के लिए संचार प्रणाली(लियों) को लागू करने के लिए चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका है।

'शीतलन केंद्र' गतिविधि इस बारे में मार्गदर्शन प्रदान करती है कि अत्यधिक गर्मी के दिनों में समुदाय के सदस्यों की सहायता के लिए आसानी से उपलब्ध उपकरण का उपयोग कैसे किया जाए।

ग्लोबल लिंक

इस मॉड्यूल की गतिविधियाँ समुदायों और संकटग्रस्त समूहों को मौसम संबंधी जानकारी तक पहुँचने, समझने और इसे समझने में आसान और स्थानीय रूप से अधिक प्रासंगिक बनाकर उस पर कार्य करने में मदद करती हैं। मॉड्यूल में ऐसी गतिविधियों की शृंखला शामिल है जो समुदाय के भीतर पहले से मौजूद चैनलों और कारकों का उपयोग करके निवासियों के लिए महत्वपूर्ण सूचनाओं के संचार में सुधार के लिए डिज़ाइन की गई हैं। सामूहिक रूप से, ये गतिविधियाँ सतत विकास लक्ष्य 13 से संबंधित हैं: "जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों का मुकाबला करने के लिए तत्काल कार्रवाई करें"; और, विशेष रूप से, लक्ष्य 13.1: लक्ष्य 13.3 के साथ-साथ "सभी देशों में जलवायु संबंधी खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लचीलापन और अनुकूलन क्षमता को मजबूत करें": "जलवायु परिवर्तन शमन, अनुकूलन, प्रभाव में कमी और शुरुआती चेतावनी पर शिक्षा, जागरूकता संवर्धन और मानवीय और संस्थागत क्षमता में सुधार करें"।

मौसम की जानकारी तक पहुँच, समझ और उपयोग को आसान बनाकर, ये गतिविधियाँ "ऐसे देश जहाँ लोगों के पास राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तरों पर सुलभ, सुबोध, उपयोग योग्य और प्रासंगिक आपदा जोखिम की जानकारी और मूल्यांकन उपलब्ध हो" की संख्या बढ़ाने का आह्वान करने वाले आपदा जोखिम कटौती के सेंडाइ फ्रेमवर्क के लक्ष्य G-5 में भी प्रत्यक्ष सहयोग करती हैं।

मौसम की जानकारी को समझना

लोग मौसम और इसके प्रभावों के बारे में क्या महसूस करते हैं, इसकी समझ समुदायों के दिन-प्रतिदिन के जीवन पर मौसम के प्रभावों के बारे में बेहतर जागरूकता और तैयारी की ओर ले जाती है।

जो लोग उच्च-प्रभाव वाले मौसम – जैसे अत्यधिक वर्षा, उष्णकटिबंधीय तूफान या सूखा – की चपेट में हैं, उनके लिए यह जानना आवश्यक है कि यह कब होगा और यह उन पर क्या प्रभाव डालेगा। स्थानीय लोग पूर्वानुमान की गई परिस्थितियों से पैदा होने वाली किसी भी क्षति, रुकावट या अन्य प्रभावों के पैमाने का विस्तारपूर्वक वर्णन कर सकते हैं, विशेषकर बार-बार होने वाले मौसम के लिए। पूर्वानुमान साझा करने से समुदाय के सदस्यों को उचित कार्रवाई करने में सहायता मिल सकती है।

समय
- लगभग 6 घंटे

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- स्थान
- स्मार्टफोन, लैपटॉप, रेडियो, टेलीविजन या अन्य कोई उपकरण ताकि मौसम के दैनिक या साप्ताहिक पूर्वानुमान ऑनलाइन देखे जा सकें
- चर्चाएं रिकॉर्ड करने के लिए कागज और पेन/ पेंसिल या ऑडियो/ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग उपकरण (यदि उपलब्ध हों और प्रतिभागी इन पर सहमत हो)
- क्रेयॉन, चाक या रंगीन पेन/पेंसिल

प्रतिभागी
- समुदाय के अग्रणी लोग
- स्थानीय निवासी
- समुदाय के अन्य सदस्य
- स्थानीय सरकारी प्राधिकरण के प्रतिनिधि
- राष्ट्रीय मौसम सेवा से प्रतिनिधि

प्रतिभागियों की संख्या
- 10–30

चरण

1. स्थानीय नेताओं और निवासियों से पूछें कि किस तरह का मौसम उनके समुदाय को सबसे गंभीर रूप से प्रभावित करता है। मौसम उनकी आजीविका को किस तरह प्रभावित करता है, यह जानने में निहित स्वार्थ रखने वाले लोगों का समूह शामिल करें (जैसे किसान, मछुआरे, व्यवसायी आदि)।

2. एक समूह के रूप में, समुदाय को प्रभावित करने वाले मुख्य मौसमी खतरों की पहचान करें, जैसे अतिवृष्टि, उच्च तापमान, तेज़ हवाएं। ऐसे खतरों जो सर्वाधिक प्रभावकारी थे, पर भागीदारों से मतदान करने का अनुरोध करने से पहले ऐसे प्रभावकारी मौसम पर चर्चा करके शुरुआत करें जो हाल ही में, के साथ-साथ अतीत में भी घटित हुआ हो। (न्यूनतम 30 मिनट)

3. फिर इन खतरों से उत्पन्न प्रभावों की सूची बनाएं, जो एक घटना-दर-घटना अलग-अलग हो सकते हैं, जैसे किसी एक समय भारी वर्षा से मामूली बाढ़ आ सकती है; परंतु, अगली बार, इससे ऐसी भंयकर बाढ़ आ सकती है जो पशुधन और यहाँ तक कि घरों को बहाकर दूर ले जाए। सूची को 'मामूली' से 'बड़ा' प्रभावों के अनुरूप क्रमबद्ध करें।

4. स्थानीय मौसम की जानकारी देने वाले किसी ऐसे दैनिक या साप्ताहिक ऑनलाइन पूर्वानुमान का पता करें जिसमें आपका समुदाय शामिल हो। इसे राष्ट्रीय मौसम सेवा या निजी क्षेत्र की किसी मौसम कंपनी द्वारा प्रकाशित किया जा सकता है। (न्यूनतम 1 घंटा)

5. विभिन्न प्रकार के पूर्वानुमानों की स्थिति में सामुदायिक सदस्यों द्वारा संभवतया की जाने वाली कार्रवाइयों पर चर्चा करें। उदाहरण के लिए, यदि सूखे का पूर्वानुमान हो, तो फसलें बोने या इमारतों के निर्माण के लिए यह अच्छा समय हो सकता है।

6. पूर्वानुमान की नियमित रूप से निगरानी करें और संभावित उच्च-प्रभाव वाले मौसम जो समुदाय को प्रभावित कर सकता हो, के प्रति सतर्क रहें। सामुदायिक सदस्यों के साथ मौसम की जानकारी साझा करें ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप समयबद्ध निर्णय ले सके।

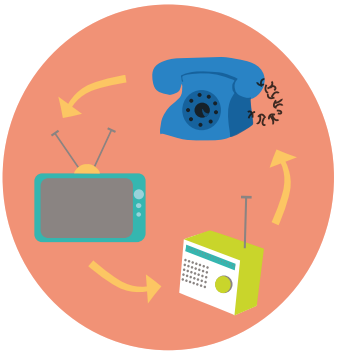

सामुदायिक संचार नेटवर्क का मानचित्रण

भविष्य में महत्वपूर्ण जानकारी के प्रसार की योजना बनाने के लिए समुदाय के भीतर सूचना प्रवाह के तरीके को समझना महत्वपूर्ण है। हालाँकि, संचार चैनलों, मुख्य प्रभावकों और अवरोधकों पर विस्तृत खबर शायद ही कभी मैप की जाती है।

सूचना प्रवाह को मैप करना शहर के व्यापक सूचना पारिस्थितिक तंत्र को समझने के लिए आधार प्रदान करता है। यह विभिन्न चैनलों और स्वरूपों के माध्यम से समुदाय के सदस्यों के बीच जानकारी के प्रवाह को संग्रहीत करता है। यह कार्यकलाप सूचना के प्रवाह में अवरोधों की भी पहचान कर सकता है; इन्हें ठीक करने से स्थानीय स्तर पर जलवायु लचीलेपन में सुधार हो सकता है। यह उन व्यक्तियों या समूहों की पहचान करने में भी सहायता कर सकता है जो किसी समुदाय के भीतर अत्यधिक प्रभावशाली होने के साथ-साथ संचार सीमाओं के सेतु बनने में सक्षम हों ताकि महत्वपूर्ण जानकारी तक समुदाय की पहुँच बेहतर हो सके।

समय
- 10–15 दिन

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- स्थान
- चर्चाएं रिकॉर्ड करने के लिए कागज और पेन/ पेंसिल या ऑडियो/ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग उपकरण (यदि उपलब्ध हों और प्रतिभागी इन पर सहमत हो)
- कारकों और कनेक्शनों को चित्रित करने के लिए कागज के बड़े टुकड़े
- अलग-अलग कारकों को रंग-कोड देने के लिए रंगीन पेन और/या कागज
- सर्वेक्षण उपकरण

प्रतिभागी
- समुदाय के अग्रणी लोग
- निवासी
- समुदाय के अन्य सदस्य
- समुदाय का सहयोग करने वाली मध्यवर्ती संस्थाएं जैसे गैर-सरकारी संगठन और समुदाय-आधारित संगठन
- शहर-व्यापी और स्थानीय मीडिया
- शहरी निर्णयकर्ता जैसे सिटी हॉल
- समुदाय के लिए सेवाओं के प्रदाता, जैसे जल एवं स्वच्छता विभाग
- सूचना सेवा प्रदाता

प्रतिभागियों की संख्या
- गतिविधि का नेतृत्व करने के लिए समुदाय से परिचित 3 लोगों तक की प्रमुख टीम
- 70-100 घरों का सर्वेक्षण करने के लिए 3-5 गणनाकार
- विचार-विमर्श के लिए 10 लोगों तक के समूह

चरण

1. वे सामान्य और मौसम संबंधी जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं, के साथ-साथ उनके पसंदीदा मीडिया, प्रारूपों और सूचना प्राप्त करने में किसी भी कठिनाई के बारे में चर्चा के लिए सामुदायिक सदस्यों का समूह बनाएं। यह भी चर्चा करें कि जानकारी प्राप्त करने पर वे किस तरह की कार्रवाई(याँ) करते हैं और प्रत्येक कार्रवाई को पूरा करने में कितना समय लगता है।

2. इसकी संचार अवसंरचना (जैसे सामुदायिक रेडियो) की पहचान करने के लिए स्थानीय क्षेत्र का निरीक्षण करें और जानकारी साझा करने में स्थानीय सेवाओं या सार्वजनिक भवनों द्वारा निभाई जा सकने वाली भूमिका समझें।

3. स्थानीय मीडिया, निर्णयकर्ताओं और डेटा प्रदाताओं के साथ अनौपचारिक बातचीत करें ताकि उनकी जानकारी संबंधी जरूरतों और वरीयताओं का गहन ज्ञान मिल सके। उपयोग किए जाने वाले विभिन्न स्वरूपों और मुख्य अवरोधों की धारणाओं सहित इससे यह भी इंगित होगा कि जानकारी का संचार कैसे होता है और इसे कैसे और कब साझा किया जाता है।

4. एकत्र की गई सभी सूचनाओं का उपयोग करते हुए, स्थानीय सूचना पारिस्थितिक तंत्र को मैप करें। विशेष रूप से, मौसम जानकारी कारकों और चैनलों की पहचान करें। विभिन्न प्रकार के कारकों (जैसे सूचना प्रदाता, मध्यस्थ, सूचना प्राप्तकर्ता) को कलर-कोड करना सहायक हो सकता है। अपना नेटवर्क बनाते समय, सबसे लोकप्रिय और प्रभावी चैनलों पर बल देने, और उन कारकों की पहचान करने के तरीकों पर विचार करें जिनके द्वारा जानकारी साझा करने से इसकी महत्ता बढ़ जाती है।

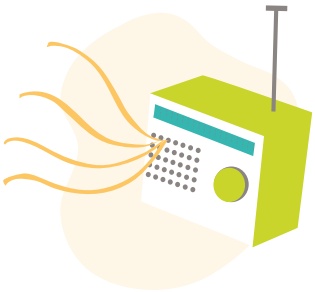

संचार प्रणाली डिजाइन करना

एक प्रभावी संचार प्रणाली ऐसे चैनलों और उपकरणों का उपयोग करती है जो महत्वपूर्ण जानकारी को समुदाय के भीतर शीघ्रता से फैलाना संभव बनाते हों। इन प्रणालियों को पहले से मौजूद संसाधनों का उपयोग करके न्यूनतम लागत पर लागू किया जा सकता है।

महत्वपूर्ण संदेश शीघ्रतापूर्वक साझा करने में समुदायों की मदद करने के लिए विविध-चैनल संचार प्रणाली डिजाइन करें। यह उन तरीकों पर आधारित होनी चाहिए जिनमें स्थानीय निवासी पहले से ही समुदाय में जानकारी साझा कर रहे हों। इन विधियों में कैस्केडिंग – जहाँ प्राप्तकर्ताओं का एक समूह दूसरे को संदेश भेजता है; प्रशिक्षण – जहाँ प्रमुख लोग चयनित चैनलों के माध्यम से संदेश प्रसारित करना सीखते हैं; और प्रतिक्रिया – जहाँ संचार प्रणाली के सभी उपयोगकर्ता यह रिपोर्ट करते हैं कि क्या कारगर है और कहाँ सुधार अपेक्षित है, शामिल हो सकते हैं।

समय
- 2 सप्ताह

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- स्थान
- चर्चाएं रिकॉर्ड करने के लिए कागज और पेन/ पेंसिल या ऑडियो/ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग उपकरण (यदि उपलब्ध हों और प्रतिभागी इन पर सहमत हो)

प्रतिभागी
- समुदाय के अग्रणी लोग
- संचार चैनल द्वार रक्षक – सोशल मीडिया, स्थानीय रेडियो, हेडटीचर्स आदि।
- अन्य हितधारक – जो लोग संदेश प्राप्त करते हैं, या संदेश प्रसारित करते हैं, या जानकारी का उपयोग करते हैं

प्रतिभागियों की संख्या
- 30

चरण

1. संचार के लिए सबसे प्रभावी चैनलों की पहचान करें। स्थानीय प्रतिनिधियों की बैठक बुलाएं ताकि यह पता लगाया जा सके कि लोग अपने द्वारा वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले संचार चैनलों पर विश्वसनीय जानकारी किस तरह साझा करते हैं और प्रतिक्रिया (सकारात्मक या नकारात्मक) प्राप्त करते हैं। कुछ चैनल आबादी के विशेष वर्गों तक अन्यों की तुलना में अधिक प्रभावी रूप से पहुँच सकते हैं जैसे वृद्ध SMS का उपयोग करते हैं; युवा लोग WhatsApp जैसे सोशल मैसेजिंग ऐप पसंद करते हैं।

2. प्रत्येक चैनल के द्वार रक्षकों को पहचानें। यदि आप बच्चों और उनके माता-पिता के साथ संवाद करने के लिए स्कूलों का उपयोग करने का निर्णय लेते हैं, तो आपको मुख्य अध्यापकों का सहयोग अर्जित करना होगा। उदाहरण के लिए, यदि आप स्कूल के फेसबुक पेज या व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से संदेश प्रसारित करना चाहते हों, तो आपको व्यवस्थापक से संपर्क करना होगा।

3. स्थानीय संचार चैनलों के अन्य द्वार रक्षकों का सहयोग अर्जित करें। आप क्या हासिल करना चाहते हैं, यह समझाएं। उनसे महत्वपूर्ण मौसम संदेशों को आगे भेजने और प्राप्तकर्ताओं से प्रतिक्रिया प्रदान करने का अनुरोध करें।

4. परीक्षण और समीक्षा। संचार प्रणाली कितनी अच्छी तरह काम करती है यह देखने के लिए परीक्षण संदेश का प्रसार करें। कोई भी जरूरी समायोजन करें।

5. अपने संदेश को समायोजित करने और बेहतर बनाने के लिए प्राप्तकर्ताओं और गेटकीपरों से प्रतिक्रिया की निगरानी रखें। सामग्री, स्वरूप, भाषा, समयबद्धता आदि सहित संदेश के सभी पहलुओं पर प्रतिक्रिया प्राप्त करें। प्रतिक्रिया पर स्थानीय नेताओं/ सामुदायिक प्रतिनिधियों, सूचना प्रदाताओं और चैनल गेटकीपरों से चर्चा करें और प्राप्त की गई किसी भी नकारात्मक प्रतिक्रिया के समाधान के लिए स्पष्ट कार्रवाइयों पर सहमत हों।

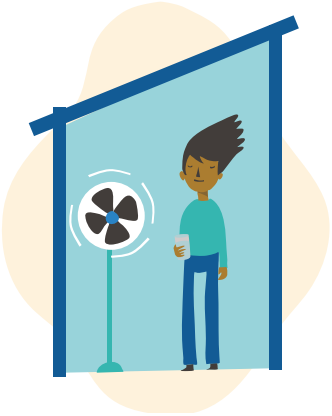

शीतलन केंद्र

शीतलन केंद्र ऐसे स्थान हैं जहाँ बेहद गर्मी के दौरान लोग आराम कर सकते हैं और ठंडक प्राप्त कर सकते हैं। वे ऐसे स्थान भी हैं जहाँ लोग गर्मी के खतरों के बारे में जान सकते हैं और अपने और दूसरों में गर्मी जनित तनाव के संकेतों और लक्षणों को पहचान सकते हैं। शीतलन केंद्र गर्म हवाओं का सामना करने वाले समुदायों में एक जीवनरक्षक उपाय हैं।

गर्मी खतरनाक हो सकती है और कोई भी इससे प्रभावित हो सकता है। शीतलन केंद्र गर्मी से बचने का अच्छा तरीका हैं और अत्यधिक तापमान और गर्मी जनित तनाव के जोखिम से असुरक्षित किसी भी व्यक्ति – नियमित आने-जाने वालों, बाहर काम करने वाले कामगारों और बुजुर्ग लोगों द्वारा इनका उपयोग किया जाता है। प्रारंभिक कार्रवाई के रूप में, शीतलन केंद्रों को लागू करना आसान और कम खर्चीला है।

चरण

समय
- 5 घंटे

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- स्थान - भवन, बस, तंबू या यहाँ तक कि छायादार वृक्ष
- कागज और कलम के बड़े टुकड़े - पोस्टर बनाने के लिए
- जलपान - पानी, हर्बल चाय, फलों का रस
- छोटे तौलिये
- यदि उपलब्ध हो तो पंखे, स्प्रिंकलर या वातानुकूलन इकाई

प्रतिभागी
- स्वयंसेवक
- सामुदायिक सदस्य
- स्कूली बच्चे

1. अत्यधिक गर्मी की अवधियों के लिए तत्पर होने के लिए मौसम पूर्वानुमानों और विशेषतया मौसम संबंधी चेतावनियों को नियमित रूप से देखते रहें।
2. ऐसे उपयुक्त स्थान की पहचान करें जो गर्मी जनित आघात झेलने वाले सामुदायिक सदस्यों के लिए सुलभ और सुविधाजनक हों जैसे रेड क्रॉस कार्यालय, सार्वजनिक भवन या निजी क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराए गए स्थान। अधिक लोगों तक पहुँचने के लिए आप शीतलन बसों या तंबुओं के साथ गतिशील रहने पर भी विचार कर सकते हैं। स्थानीय सरकार और अन्य भागीदारों के साथ मिलकर काम करने से शीतलन केंद्र स्थापित करने की लागत कम हो सकती है।
3. केंद्र में शीतलन उपकरणों जैसे शेड्स, पंखों, ठंडे पानी के स्प्रे या वातानुकूलन इकाइयों की व्यवस्था करें। हवा के उचित प्रवाह की व्यवस्था सुनिश्चित करें।
4. आगंतुकों के लिए जलपान तैयार करें – जैसे ठंडा पानी, हर्बल चाय या फलों का जूस। गीले तौलिए प्रदान करना भी गर्मी से कुछ राहत देने करने का अच्छा तरीका है।
5. गर्मी के खतरों पर साइन या पर्चे बनाएं। संदेश की पहुँच और समझ में सहायता के लिए ग्राफिक्स का उपयोग करें। आगंतुकों को खतरों के बारे में बताएं।
6. स्वयंसेवकों और शीतलन केंद्र पर आने वाले समुदाय सदस्यों के साथ अपने अनुभव साझा करें ताकि अत्यधिक गर्म मौसम के पूर्वानुमान पर आपके द्वारा अगली बार स्थापित किए जाने वाले शीतलन केंद्र में समायोजन/सुधार किए जा सकें।

केस स्टडी

किगोगो अनियमित बस्ती में स्थानीय हितधारकों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया

(फ़ोटो आभार: सामुदायिक पहल केंद्र (CCI))

दार-एस्सलाम, तंज़ानिया में स्थानीय रूप से प्रासंगिक मौसम प्रभाव विवरण और कार्रवाई योग्य परामर्श तैयार करना

जो लोग उच्च-प्रभाव वाले मौसम की चपेट में हैं, उनके लिए यह जानना जरूरी है कि ऐसा कब होगा। लेकिन पूर्वानुमानकर्ता अक्सर ऐसे तकनीकी शब्दजाल का उपयोग करते हैं जिसे समझना मुश्किल होता है। परिणामस्वरूप, लोग निवारक कार्रवाई(इयाँ) करने के लिए पूर्वानुमान का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, लोग यह जानना चाहते हैं कि मौसम विशेष रूप से उनके क्षेत्र को किस तरह प्रभावित करेगा, ताकि वे अपने स्थानीय संदर्भ को ध्यान में रखते हुए सबसे प्रभावी कार्रवाई कर सकें।

इसे हल करने का एक तरीका स्थानीय पूर्वानुमानों को शब्दावली, भाषा और स्थानीयकृत प्रभाव(वों) के विवरणों के संदर्भ में स्थानीय रूप से अधिक प्रासंगिक बनाना है।

संदर्भ गाइड के रूप में स्थानीय निवासियों के लिए मौसम प्रभाव विवरणों और परामर्श संदेशों की श्रृंखला विकसित करने के लिए दार-एस्सलाम, तंज़ानिया में किगोगो अनियमित बस्ती के स्थानीय हितधारकों के साथ कार्यशालाएं आयोजित की गईं। स्वाहिली में लिखी गई इस गाइड में प्रत्येक मौसम की स्थिति के स्थानीय रूप से प्रासंगिक विवरण के साथ उन सभी मौसम स्थितियों को सूचीबद्ध किया गया है जिनका उपयोग तंज़ानिया मौसम प्राधिकरण अपने पूर्वानुमानों में करता है।

मौसम प्रभाव विवरण 'मौसम कैसा होगा' के पूर्वानुमानों को स्थानीय रूप से प्रासंगिक जानकारी 'मौसम क्या करेगा' में बदलते हैं। वे परिस्थितियों के पूर्वानुमान के परिणामस्वरूप होने वाले संभावित नुकसान, रुकावट और अन्य प्रभावों का वर्णन करते हैं। मौसम प्रभाव विवरणों के आधार पर समुदायों द्वारा तैयार किए गए सलाहकार संदेश लोगों को स्थानीय मौसम की स्थिति के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने में मदद कर सकते हैं।

क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति के अनुसार, मौसम उनके क्षेत्र को कैसे प्रभावित करेगा और क्या निवारक कार्रवाइयाँ की जानी चाहिए, समुदाय के नेता और अन्य लोग स्वयं को प्राप्त मौसम पूर्वानुमानों की इस संदर्भ में व्याख्या करने के लिए इस गाइड का उपयोग करते हैं। जैसे, किसी नदी के किनारे बने घरों में, एक ही मौसम स्थिति का अनुभव किसी पहाड़ी के किनारे पर बने घरों से अलग हो सकता है। मौसम पूर्वानुमानों को जब पूरे समुदाय में प्रसारित किया जाता है, तो जोडे गए मौसम प्रभाव विवरण और परामर्श किगोगो निवासियों को यह समझने में मदद करते हैं कि मौसम से उनके प्रभावित होने की संभावना कितनी है और उन्हें क्या कार्रवाई करनी चाहिए।

केस स्टडी:

नेताओं को शामिल करने संबंधी बैठक
(फोटो आभार: कोनकयू डिजाइन पहल (KDI))

[संयुक्त कार्रवाई के माध्यम से जोखिम जागरूकता विकसित करना (Developing Risk Awareness through Joint Action)] नैरोबी, केन्या में सामुदायिक मौसम संचार प्रणाली का डिजाइन करते हुए

नैरोबी, केन्या में समुदाय के लिए प्रभावी मौसम संचार प्रणाली का निर्माण करने के लिए, सबसे पहले मौजूदा सूचना पारिस्थितिकी तंत्र की पूर्ण मैपिंग की गई। मैपिंग से पता चला कि वर्तमान में निवासियों द्वारा विभिन्न संचार आवश्यकताओं, विशेषतया मौसम की जानकारी के लिए कौन से चैनलों का उपयोग किया जा रहा था।

इसके बाद, केन्या मौसम विभाग और स्थानीय निवासियों सहित स्थानीय हितधारकों ने स्थानीय रूप से प्रासंगिक मौसम संचार प्रणाली डिजाइन करने के लिए मिलकर काम किया। बिल्कुल नए चैनलों को शुरू करने की बजाय वर्तमान में उपयोग किए जा रहे चैनल जैसे सामुदायिक रेडियो; स्थानीय समुदाय समूह का फेसबुक पेज; विभिन्न स्थानीय हितधारकों के व्हाट्सएप समूह; और SMS का उपयोग करते हुए फोन ट्री प्रणाली - स्थानीय रूप से प्रासंगिक मौसम पूर्वानुमान के प्रसार के लिए संचार प्रणाली बन गए। इसका लाभ यह था कि लोग पहले से ही इन प्रौद्योगिकियों से परिचित और सहज थे जिससे मौसम की जानकारी ग्रहण करना कमोबेश आसान हो गया; और ऐसा करते हुए एक ऐसी समावेशी सामुदायिक संचार प्रणाली निर्मित हुई जिसकी लगभग 500,000 निवासियों तक पहुँच है।

महत्वपूर्ण रूप से, संचार प्रणाली दो तरफा है: निवासियों को जानकारी प्रसारित की जाती है और निवासियों से प्राप्त प्रतिक्रिया केन्या मौसम विभाग को दी जाती है। केन्या मौसम विभाग से प्राप्त मौसम की जानकारी को स्थानीय प्रभाव विवरणों के साथ संदर्भ प्रदान किया जाता है जिससे इसकी उपयोगिता बढ़ जाती है और पूर्वानुमान स्थानीय रूप से प्रासंगिक और कार्रवाई योग्य बनता है।

उदाहरण के लिए, फोन ट्री प्रणाली SMS के माध्यम से मौसम की जानकारी समुदाय के भीतर जल्दी और आसानी से प्रसारित करती है। इसकी शुरुआत प्राप्तकर्ताओं के एक समूह से होती है, जिन्हें इसके पश्चात संदेश को किसी अन्य समूह में भेजने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। मुख्य लोगों को इस्तेमाल किए गए सभी चैनलों के माध्यम से संदेशों को समझने, व्याख्या करने और प्रसारित करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

रचनात्मक संचार

रचनात्मक संचार आपके संदेश को शहरी परिवेश में स्वीकार्य होने में मदद कर सकते है जहाँ लोग अक्सर व्यावसायिक संचार रणनीतियों जैसे कि विज्ञापन अभियानों के संपर्क में आते हैं। ऐसे परिवेश में, संचार के रचनात्मक या अप्रत्याशित तरीके आपके संदेश को अलग दिखने में मदद करेंगे।

इस मॉड्यूल में रचनात्मक संचार के कुछ ऐसे तरीकों का वर्णन किया गया है जिनका उपयोग आप शहरी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। शहरी स्थान रचनात्मक प्रेरणा से भरे हुए हैं; यहाँ, हम कुछ ऐसे रचनात्मक विचारों को साझा कर रहे हैं जो इन स्थानों का उपयोग करते हैं।

रचनात्मक संचार का अर्थ महत्वपूर्ण संदेशों को व्यापक श्रोताओं तक पहुँचाना मात्र नहीं है। यह आपके स्वयंसेवकों और शहरी कार्यों में लगे भागीदारों के समूह में जुड़ाव और साझे उद्देश्य की भावना उभारने में भी सहायता कर सकता है। इसके अलावा, यह विभिन्न समुदायों में विभिन्न कौशलों का उपयोग कर सकता है; और स्थानीय समूहों को शहरी मैसेजिंग में सक्रिय रूप से जुड़ने और भाग लेने के लिए प्रवेश मार्ग प्रदान कर सकता है।

यह मॉड्यूल संचार के लिए चार रचनात्मक तरीके साझा करता है: महत्वपूर्ण संदेशों को प्रचारित करने के लिए शहरी कला और फ्लैश मोब्स; जो संभव है उसे प्रदर्शित करने के लिए रणनीतिक शहरी व्यवहार; और महत्वपूर्ण विषयों में गहराई तक जाने के लिए कार्टून-ए-थॉन्स।

ग्लोबल लिंक

रचनात्मक संचार, वैश्विक नीति प्रक्रियाओं के साथ जुड़ने और उन्हें प्रभावित करने के लिए उत्तम उपकरण हैं। यदि स्थानीय कार्रवाइयों को वीडियो, फोटोग्राफ्स और केस अध्ययनों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रलेखित किया जाता है, तो वे सतत विकास लक्ष्यों, न्यू अर्बन एजेंडा या पेरिस समझौता 2015 को आगे बढ़ाने के लिए शहरी सक्रियता के शक्तिशाली और आकर्षक उदाहरणों के रूप में काम कर सकती हैं।

अपने देश में या सीमाओं के पार कई शहरों में समन्वित कार्रवाई बड़ी संख्या में और संभवतः वैश्विक स्तर पर, दर्शकों को आकर्षित करके और भी अधिक प्रभाव डाल सकती है।

शहरी कला

शहरी कला समुदाय के भीतर महत्वपूर्ण संदेशों को संप्रेषित करने और/या किसी क्षेत्र को दोबारा जीवंत करने का रचनात्मक और प्रेरणादायक तरीका है।

शहरी कला भित्ति चित्र, मोजैक और मूर्तियाँ बनाने के लिए लोगों को एक साथ लाती है। कलाकृति डिजाइन करके और बनाकर, लोग शहर के प्रति नई दृष्टियाँ साझा कर सकते हैं, जीवंत रंगों से अपने स्थानों को नया रूप दे सकते हैं और संस्कृति, स्वास्थ्य या यहाँ तक कि जलवायु परिवर्तन या प्राकृतिक आपदाओं जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण संदेश दे सकते हैं। शहरी कला लोगों को प्रेरित कर सकती है, शहरवासियों का जीवन उज्ज्वल कर सकती है और समानता और समावेश को प्रोत्साहित कर सकती है।

यह गतिविधि आपके समुदाय में शहरी कला परियोजना के लिए महत्वपूर्ण कदमों की रूपरेखा तैयार करती है।

चरण

1. स्थानीय प्राधिकरण, सामुदायिक समूह, पड़ोसी संघ, स्कूल और कलाकार स्वयंसेवकों और सामग्रियों सहित, स्थापना के लिए विचारों को आकार देने और संसाधनों को चिह्नित करने में सहायता कर सकते हैं। लागतें न्यूनतम रखने के लिए, स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से यह अनुरोध करने पर विचार करें कि क्या वे कोई सामग्री आदि प्रदान कर सकते हैं।

2. शहर के उन स्थानों के बारे में सोचें, जो पूरी तरह उपयोग नहीं किए जाते, फिर भी अक्सर देखे जाते हैं। सरकारी इमारतों जैसे स्थिर स्थानों और शहरी बसों जैसे सचल स्थानों पर विचार करें। स्थान(नों) को पहचानें, आवश्यक अनुमतियां लें, और विषय या संदेश से सहमत हों।

3. कला स्थापना के डिजाइन का रेखाचित्र बनाएं और दर्शाएं कि यह किस तरह स्थान को रूपांतरित करेगा। प्रत्येक शामिल व्यक्ति के साथ डिजाइन और संकल्पना साझा करें। सार्वजनिक कला ऐसे स्थानों का कायाकल्प कर सकती है जो शायद सौंदर्य कारणों, किसी विशेष काम या अपराध के कारण पूरी तरह उपयोग नहीं होते। यदि आप यह दृष्टिकोण अपना रहे हैं, तो आप अपनी शहरी कला परियोजना को किसी स्थान-सज्जा गतिविधि के साथ जोड़ने पर विचार कर सकते हैं, पेज 50 देखें।

4. स्वयंसेवकों को भर्ती करें और योजना बनाएं कि कलाकृति कैसे बनाई जाए – परियोजना के आकार, मौसम और इसमें शामिल लोगों की संख्या के आधार पर काम खत्म करने में कुछ दिन या कुछ सप्ताह लग सकते हैं।

5. रचनात्मक बनें! यदि वे खुले में, किसी ऊंचे स्थान पर काम कर रहे हों, नुकीले उपकरणों का उपयोग कर रहे हों, या शहर के असुरक्षित/अंधेरे क्षेत्रों में काम कर रहे हों, तो स्वयंसेवकों की सुरक्षा पर ध्यान दें। काम की प्रगति सोशल मीडिया पर पोस्ट करें और स्थानीय मीडिया को शामिल करें।
यदि आपके पास बड़ा बजट है, तो आप शहरी कलाकृति के प्रिंट्स को सार्वजनिक परिवहन मार्गों (जैसे प्रमुख सड़क जंक्शन और केंद्रीय ट्रेन स्टेशन) या अन्य अत्यधिक दिखायी देने वाले स्थानों पर विज्ञापन होर्डिंग्स पर प्रदर्शित करने की व्यवस्था कर सकते हैं।

समय
- 1–2 सप्ताह

कठिनाई
- निम्न-मध्यम

संसाधन
- स्वयंसेवक
- पेंट
- पेंट ब्रश

प्रतिभागी
- कलाकार
- स्वयंसेवक
- मीडिया

प्रतिभागियों की संख्या
- 5–15

रणनीतिक शहरी व्यवहार

दुनिया भर के शहरी निवासी सड़क सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों के उपयोग, और अन्य मुद्दों से संबंधित दीर्घकालिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अल्पकालिक, अनुकूलन योग्य परियोजनाओं का उपयोग कर रहे हैं।

'रणनीतिक शहरी व्यवहार', जैसा कि जाना जाता है, कार्रवाई के बारे में है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन उत्प्रेरित करने के लिए अल्पकालिक, मितव्ययी और विस्तार योग्य पहलों का उपयोग करके निर्मित परिवेश की चुनौती के प्रति शहर, संगठन और/या नागरिक नेतृत्व वाले दृष्टिकोण से संबंधित है। इसके उदाहरणों में किसी परित्यक्त पार्किंग स्थान को अस्थायी रूप से कैफे में बदलना; भारी यातायात वाले क्षेत्र में पैदल यात्री सड़क क्रॉसिंग को रंगना; किसी फुटपाथ को 'हरा-भरा' बनाने के लिए गमलों में पौधे रखना; और किसी उपेक्षित क्षेत्र में अस्थायी दुकानें खोलना – और इसके अलावा भी बहुत कुछ शामिल है।

चरण

1. अपने शहर के निर्मित परिवेश की चुनौतियों का पता लगाएं और उन चुनौतियों की सूची बनाएं जिन पर आप ध्यान देना चाहते हैं। किसी एक चुनौती का चयन करें और ऐसे रचनात्मक विचारों के बारे में सोचें जो यह दिखाते हों कि अस्थायी परिवर्तनों से इस चुनौती पर कैसे विजय पाई जा सकती है। उदाहरण के लिए, आर्थिक पुनर्जीवन की अपेक्षा वाला पड़ोसी क्षेत्र अस्थायी दुकानों और कैफे से अपनी संभावित जीवंतता प्रदर्शित करना चुन सकता है; या कोई कम प्रयुक्त पार्क - परिवारों के खेलने के लिए वास्तविक आकार की गेम्स, जैसे शतरंज, चेकर्स/ड्राट्स या जेंगा के साथ रूपांतरित किया जा सकता है। विकल्प अंतहीन हैं।

2. अपनी सक्रियता में सहयोग के लिए उपयुक्त भागीदारों को शामिल करें। इनमें स्थानीय प्राधिकरण, नागरिक सामाजिक संगठन और/या सामुदायिक समूह शामिल हो सकते हैं। लागत कम रखने के लिए, यह विचार करना सदैव महत्वपूर्ण होता है कि उन भागीदारों को कैसे लाया जाए जो वस्तु के रूप में योगदान की पेशकश कर सकते हैं।

3. भागीदारों के साथ कार्यक्रम की योजना बनाएं। ऐसे शहरी ब्लॉक, चौराहे, पार्किंग स्थल, फुटपाथ या अन्य क्षेत्र की पहचान करें जहाँ ये अस्थायी परिवर्तन लागू किए जा सकते हैं। आवश्यक अनुमतियाँ लें। तय करें कि परिवर्तन कितने समय में मूर्त रूप लेंगे (विशिष्ट रूप से 1-7 दिन); जिन कार्यों को पूरा किए जाने की जरूरत हो, उनकी सूची बनाएं और उन्हें टीम को आवंटित करें।

4. कार्रवाई करें और प्रगति के दस्तावेज बनाएं। नए दिखने वाले स्थान में घुलने-मिलने वाले लोगों के फोटोज़ और वीडियोज़ साझा करें। स्थानीय अधिकारियों को स्वयं देखने के लिए आमंत्रित करें।

5. परिणाम पर भागीदारों के साथ विचार-विमर्श करें। आपके द्वारा चिह्नित चुनौतियों पर विजय पाने वाले स्थायी परिवर्तन करने के लिए समुदाय और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने के तरीके पर विचार करें।

समय
- भिन्न

कठिनाई
- निम्न से मध्यम

संसाधन
- गतिविधि पर निर्भर करता है।

प्रतिभागी
- स्वयंसेवक
- व्यावसायिक भागीदार
- नागरिक समाज संगठन
- मीडिया

प्रतिभागियों की संख्या
- 10–30

फ्लैशमोब्स

फ्लैशमोब्स का उपयोग हीटवेव में सुरक्षित रहने या नियमित रूप से हाथ धोने के महत्व जैसे मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के साधन के रूप में किया जा सकता है।

फ्लैशमॉब किसी सार्वजनिक स्थान पर लोगों के बड़े समूह का बेतरतीब प्रतीत होने वाली ऐसी समन्वित कार्रवाई है जिसमें वे थोड़े समय के लिए मनोरंजक करतब दिखाते हैं और फिर तितर-बितर हो जाते हैं। फ्लैशमॉब का उद्देश्य मनोरंजक तरीके से जनता का ध्यान आकर्षित करना और किसी संदेश जैसे गर्मी में कैसे सुरक्षित रहें, को प्रसारित करना है।

चरण

1. स्थानीय प्रदर्शनीय कला विद्यालय, विद्यालय या सामुदायिक समूह के स्वयंसेवकों का समूह गठित करें। आपका संदेश सुनने की आवश्यकता किसे है, और ये लोग विशेष तौर पर शहर में कहाँ मिल सकते हैं, के आधार पर तय करें कि फ्लैशमॉब कहाँ किया जाना है। उदाहरण के लिए, यदि सड़क किनारे के विक्रेता गर्मी की चपेट में हों तो आप किसी व्यस्त बाजार क्षेत्र में अपना फ्लैशमोब करना चुन सकते हैं। यदि आपके पास समय और पर्याप्त स्वयंसेवक हों, तो आप कई स्थानों पर ऐसा करने का निर्णय ले सकते हैं।

2. उन शीर्ष तीन महत्वपूर्ण संदेशों पर चर्चा करें जिन्हें आप व्यक्त करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, अत्यधिक गर्मी (हीटवेव्स) पर महत्वपूर्ण बिंदुओं में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं: जोखिम (जैसे अत्यधिक गर्मी जानलेवा हैं); आत्म-सुरक्षा के उपाय (जैसे दिन के सबसे गर्म समय में घर के अंदर रहकर अपनी सुरक्षा करना); और जनता को किसी आने वाले खतरे के बारे में सूचित करना (जैसे शनिवार को अत्यधिक गर्मी शुरू होगी)।

3. इन संदेशों को पहुँचाने और स्थानीय श्रोताओं से जुड़ने का तरीका विकसित करने के लिए समूह की रचनात्मक शक्तियों का उपयोग करें। उदाहरण के लिए, क्या कोई स्वयंसेवक नृत्य-कला की योजना बनाने में निपुण है? क्या समूह में से कोई प्रतिभाशाली गायक है? या कोई कविता रचने में निपुण है? अन्य सुझावों में किसी लोकप्रिय गीत से संगीत लेना और बोलों को अपने महत्वपूर्ण संदेशों से बदलना शामिल है; या आप किसी विशेष नृत्य मुद्रा के साथ कुछ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं। रचनात्मक बनें! ऐसी सामग्रियां या उपकरण इकट्ठा करें, जिसकी अपने प्रदर्शन में आपको आवश्यकता हो।

4. अभ्यास करें, अभ्यास करें, अभ्यास करें!

5. अपने प्रदर्शन से कम से कम 15 मिनट पहले स्थान पर पहुँचें और योजना बनाएं कि इसके बाद चुपचाप कैसे अलग होना है। स्वयंसेवक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने साथ पानी, धूप के हैट और किसी भी अन्य आवश्यक सामान को लाना याद रखें।

6. प्रदर्शन करें! अब आपके चमकने का समय है। सफल फ्लैशमॉब बड़ी भीड़ और सामाजिक/स्थानीय मीडिया कवरेज आकर्षित करेगा।

7. अनुभव पर विचार करें। भविष्य के फ्लैशमोब प्रदर्शन को बेहतर बनाने या विस्तारित करने के तरीकों के बारे में सोचें।

समय
- 2–3 दिन

कठिनाई
- मध्यम

संसाधन
- फ्लैशमोब स्थान के लिए यातायात
- फ्लैशमोब प्रदर्शन में प्रयुक्त सामग्री
- फोटो और वीडियो लेने के लिए कैमरा/मोबाइल फोन

प्रतिभागी
- स्वयंसेवक
- स्कूल समूह
- सामुदायिक समूह

प्रतिभागियों की संख्या
- कम से कम 15 लोग।

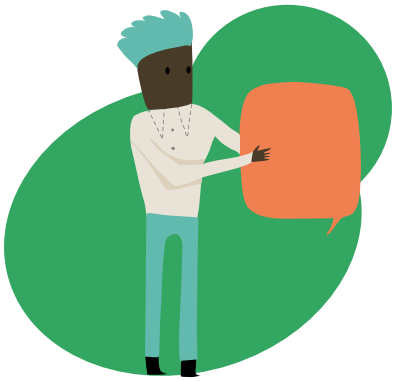

कार्टून-ए-थॉन (कार्टून प्रतियोगिता) आयोजित करें

कार्टून-ए-थॉन्स (कार्टून प्रतियोगिताएं) कठिन विषयों के अन्वेषण का ऐसा हल्का-फुल्का तरीका है जो अंतर्निहित वास्तविकताओं और संवेदनाओं को प्रकट करता है।

इस गतिविधि में हम सीखते हैं कि किसी महत्वपूर्ण विषय पर गहराई तक जाने के लिए कार्टून-ए-थॉन कैसे चलाया जाए। कार्टून-ए-थॉन्स में कार्टून कलाकार की मदद से कार्टूनों को तुरंत तैयार और परिष्कृत करना और विचार तथा अंतर्दृष्टियां हासिल करने के लिए दर्शकों से प्राप्त प्रतिक्रिया का उपयोग करना शामिल है। कार्टून सीधे और आकर्षक तरीके से किसी मामले की गहराई में पहुँच सकते हैं।

समय
- 90 मिनट

कठिनाई
- उच्च

संसाधन
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सॉफ्टवेयर (वर्चुअल होने पर)
- कार्टूनिस्ट के लिए औपचारिक मान्यता/प्रतिफल
- कागज़
- मार्कर
- स्टिकी नोट्स
- पेन

प्रतिभागी
- कार्टूनिस्ट
- विषय में रुचि रखने वाले समुदाय के सदस्य
- कर्मचारी

प्रतिभागियों की संख्या
- आदर्श रूप से 10–30

चरण

1. ऐसी थीम का चयन करें जो आपके शहरी समुदाय के लिए महत्वपूर्ण हो। यह किसी भी शहरी विषय के बारे में हो सकता है, जैसे स्वस्थ और जीने योग्य शहर बनाना, या शहर में सुरक्षित रहना।
2. स्थानीय कार्टूनिस्ट को शामिल होने का अवसर प्रदान करें। विषय की चुनौतियों और अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कार्टूनिस्ट से प्रारंभिक मसौदे (ड्राफ्ट) बनाने का अनुरोध करें।
3. कार्यक्रम स्थल खोजें और इसे बुक करें; कार्टून-ए-थॉन में शामिल होने के लिए सीमित संख्या में लोगों को आमंत्रित करें; कार्यक्रम में आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था करें।
4. कार्टून-ए-थॉन की शुरुआत में विषय का परिचय दें और लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करें। वक्ताओं को विषय से संबंधित उनके अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित करते हुए और/या सभी दर्शकों से एक सुझाव देने का अनुरोध करते हुए कार्यक्रम का मंच संचालन करें।
5. प्रतिभागियों को उन्हें देखने और कार्टूनों से संबंधित उनके अनुभवों या अंतर्दृष्टियों को अन्यों से साझा करने के लिए प्रोत्साहित करने से पहले कार्टूनों के शुरुआती मसौदे प्रदर्शित करें।
6. फिर प्रतिभागियों को मुख्य सत्र में शामिल होने और कार्टूनों पर उनके विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करें। इसके साथ ही, दर्शकों की प्रतिक्रिया के आधार पर कार्टूनिस्ट को तुरंत प्रारंभिक ड्राफ्ट संशोधित करने के लिए कहें।
7. अंतिम कार्टून को दर्शकों से साझा करें। लोगों को स्वयं द्वारा सीखी गई बातों के बारे में संक्षेप में अपने विचार प्रकट करने के लिए आमंत्रित करें। कार्यक्रम के समापन से पहले कार्टूनिस्ट और प्रतिभागियों को औपचारिक रूप से धन्यवाद दें।
8. किसी सार्वजनिक स्थान जैसे सरकारी भवन या सामुदायिक केंद्र के फ़ोयर/स्वागत कक्ष पर कार्टून प्रदर्शित करें, और लोगों को अपना विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करें।

केस स्टडी

लुसाका, ज़ांबिया में अस्थायी शीतलन स्टेशनों के आसपास एकत्र सामुदायिक सदस्य। (फोटो आभार: बेटिना कोएले)

लुसाका, ज़ांबिया में हीटवेव्स पर रणनीतिक शहरी व्यवहार

कई साझेदारों के साथ लुसाका, ज़ांबिया में रणनीतिक शहरी व्यवहार परियोजना की योजना बनाई गई और लागू की गई: ज़ांबिया में आवास और निर्धनता के लिए लोगों की प्रक्रिया (पीपल्स प्रोसेस फॉर हाउसिंग एंड पोवर्टी इन ज़ांबिया); ज़ांबिया विश्वविद्यालय; FRACTAL – दक्षिणी अफ्रीकी शहरों का जलवायु लचीलापन बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय शोध कार्यक्रम; ज़ांबिया रेड क्रॉस सोसाइटी; ज़ांबिया यूथ फेडरेशन; और लुसाका नगर परिषद्।

रेड क्रॉस रेड क्रीसेंट क्लाइमेट सेंटर और भागीदारों द्वारा विकसित *हीटवेव गाइड फॉर सीटीज* और अभियान सामग्रियों का उपयोग करते हुए, रणनीतिक शहरी व्यवहार का उद्देश्य लुसाका में अत्यधिक गर्मी के जोखिमों के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

रणनीतिक शहरी व्यवहार में निम्नलिखित शामिल था: राहगीरों के लिए कुर्सियां, समुद्र तट छतरियां और शीतल फुट-बाथ स्थापित करना, जिनमें हीटवेव और अत्यधिक गर्मी के दौरान सुरक्षित कैसे रहें, पर महत्वपूर्ण जानकारी सम्मिलित थी; भीड़ आकर्षित करने और उत्सव का माहौल प्रदान करने के लिए पारंपरिक ड्रमिंग और नृत्य; शहरों में गर्म हवाओं के जोखिम और ऐसी घटना के लिए क्यों तैयार रहें और क्या काम करें, पर खुले में थिएटर प्रोडक्सन; *हीटवेव गाइड फॉर सीटीज* के प्रमुख संदेशों पर प्रकाश डालते हुए ज़ांबिया यूथ फेडरेशन द्वारा स्लैम कविता; और सभी भागीदारों की हरेक समय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था।

कार्रवाई

यह कार्रवाई नवंबर 28, 2019 को लुसाका की एक अनियमित बस्ती - जॉर्ज कम्पाउंड के बाज़ार क्षेत्र में हुई। ज़ाम्बिया यूथ फेडरेशन द्वारा किए गए पारंपरिक ढोल संगीत और नृत्य ने बड़ी भीड़ को आकर्षित किया; और खुले में थियेटर और स्लैम कविता प्रदर्शनों को भी सराहा गया। जब स्वयंसेवक समझा रहे थे कि शहर में हीटवेव के दौरान उन्हें क्या कार्रवाई करनी चाहिए, उस दौरान कुर्सियों और फुट-बाथ्स के आसपास कई लोग एकत्र हुए।

वीडियो के लिए इस लिंक का अनुसरण करें: HTTPS://VIMEO.COM/386715673

केस स्टडी

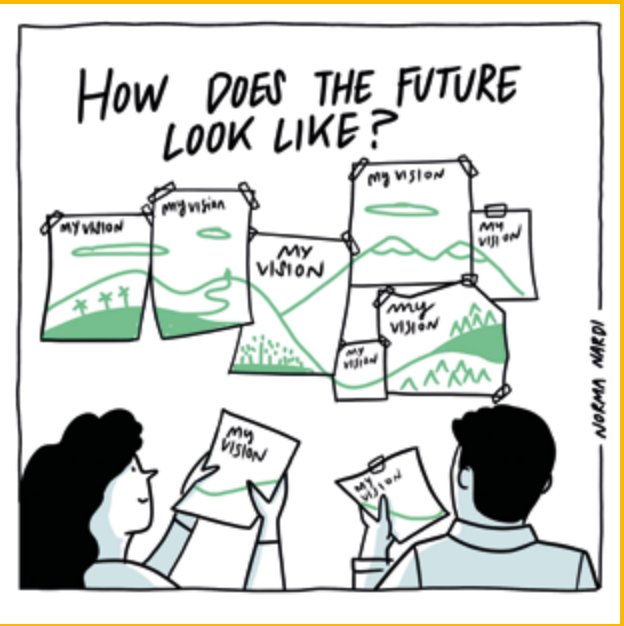

जटिल शहरी मुद्दों और रूपांतरण का पता लगाने के लिए कार्टून-ए-थॉन्स

कार्टून मज़ेदार हो सकते हैं और वे हमें रुकने और गंभीरतापूर्वक सोचने पर मजबूर कर सकते हैं। कुल मिलाकर, वे जटिल मुद्दों को आसान बनाने और चुनौतियों को त्वरित फोकस में लाने में मदद कर सकते हैं।

रूपांतरित करने वाले अनुकूलन और लचीलेपन पर ध्यान केंद्रित करने वाली परियोजना टीम ने जुलाई 2020 में कार्टून-ए-थॉन की व्यवस्था की ताकि निम्नलिखित प्रश्नों की खोजबीन की जा सके:

- प्रणाली-पैमाना हस्तक्षेप क्या है?
- अपने जलवायु लचीलेपन प्रयासों में हम समुदाय को कैसे केंद्र में रखते हैं?
- हम अल्पकालिक सोच और मानसिकता से दूर हटने में कैसे मदद करते हैं?

क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के एक समूह को - स्पेन के अंडालुसिया क्षेत्र, फ्रांस के नौवेले-एक्विटेन क्षेत्र, इतालवी डोलोमाइट्स और स्कॉटलैंड के ग्लासगो क्षेत्र से भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

किसी प्रणाली की सीमाओं को कैसे निर्धारित किया जाए; 'रूपांतरण' जैसी अस्पष्ट संकल्पना पर कैसे काम किया जाए; और अल्पकालिक, चुनाव-चक्र के अनुरूप नीतियों और नियोजन की सीमाओं के बावजूद दीर्घकालिक, चिरस्थायी परिवर्तन कैसे किया जाए, जैसे मुद्दे चर्चा में उभरकर सामने आए।

भाग लेने वाले तीन कार्टूनिस्टों ने चर्चा के सार को बाहर निकाला और अपने कार्टूनों में तर्कों के मुख्य सूत्रों को प्रदर्शित करते हुए इन्हें वापस प्रतिभागियों को दिखाया। तब प्रतिभागियों को बदलाव के सुझाव देने का अवसर मिला, जबकि कार्टूनिस्टों ने साथ ही साथ अपने रेखाचित्र संशोधित किए। इसके परिणामस्वरूप मुख्य चुनौतियों पर ऐसी सह-निर्मित अभिव्यक्ति बन पाई, जिसका उपयोग अब संदर्भ, साझा करने और सार्थक रूपांतरण के लिए मूलभूत परिवर्तनों के लिए केस बनाने के लिए किया जा सकता है।

Cartoon on the left: Norma Mardi
Cartoon on the right: Irene Coletto

आभार

अर्बन एक्शन किट, रेड क्रॉस रेड क्रीसेंट सोसाइटीज के अंतरराष्ट्रीय संघ, रेड क्रॉस रेड क्रीसेंट जलवायु केंद्र, वैश्विक आपदा तत्परता केंद्र, वेटलैंड्स इंटरनेशनल, रिसर्जेंस और जर्मन रेड क्रॉस की टीम ने विकसित की थी।

संपादक: रूप सिंह[1], जूली एर्रिगी[1,2]

अलग-अलग मॉड्यूल के लेखक निम्नानुसार हैं:

शहरी मुद्दे: अयनुर काडिहासानोग्लू[2,3], जूली एर्रिगी1,2, रूप सिंह1

शहरी कृषि: ऐलेन एंजेलेस[3]

शहरी जल, साफ-सफाई और स्वच्छता: रमीज़ खान[1]

प्रकृति-आधारित समाधान: सैंडर कार्पेज़[4], एडी जेम्बा[1]

जीने योग्य शहर: रमीज़ खान1, जूली एर्रिगी[1,2], रूप सिंह[1]

शीघ्र चेतावनी शीघ्र कार्रवाई: जेनिफर जॉय चुआ[5], बैकी वेंटन[5], रॉबर्ट पॉवेल[5], सुनयना सेन[5], थॉमस स्मार्कज़िक[6]

रचनात्मक संचार: बेटिना कोएले[1], रूप सिंह[1], जूली एर्रिगी[1,2], हैन्ना सिजेलोव[1]

[1]रेड क्रॉस रेड क्रीसेंट क्लाइमेट सेंटर

[2]वैश्विक आपदा तत्परता केंद्र

[3]रेड क्रॉस रेड क्रीसेंट सोसाइटीज का अंतरराष्ट्रीय संघ

[4]वेटलैंड्स इंटरनेशनल

[5]रीसर्जेंस

[6]जर्मन रेड क्रॉस

इस गाइड को आकार देने और/या इसकी सामग्री की समीक्षा करने में पर्याप्त समय देने के लिए लेखक निम्नलिखित लोगों (वर्णमाला के क्रम में) को धन्यवाद देना चाहेंगे:

उमर अबो-समरा, वैश्विक आपदा तत्परता केंद्र; जेनिफर अकुमु, युगांडा रेड क्रॉस सोसाइटी; फर्नल कैम्फर, दक्षिण अफ्रीकी रेड क्रॉस सोसाइटी; नैन्सी क्लैक्सटन, रेड क्रॉस रेड क्रीसेंट सोसाइटीज़ का अंतरराष्ट्रीय संघ; रायमोंड ड्यूजेंस, द नीदरलैंड्स रेड क्रॉस सोसाइटी; कॉलिन फर्नांडीस, अमेरिकन रेड क्रॉस; ब्रेंडा एविला फ्लोर्स, मैक्सिकन रेड क्रॉस; वोल्फगैंग फ्रेडरिक, जर्मन रेड क्रॉस; बोनी हास्केल, वैश्विक आपदा तत्परता केंद्र; न्याम्बिरी किमाचा, विश्व बैंक; आयरीन लुई, हाँगकाँग रेड क्रॉस; ग्रेस मावल्ला, तंजानिया रेड क्रॉस सोसाइटी; दुष्यंत मोहिल, सीड्स इंडिया; इयान ओ'डोनेल, रेड क्रॉस रेड क्रीसेंट सोसाइटीज का अंतरराष्ट्रीय संघ; सिराक टेमेस्जन, द नीदरलैंड्स रेड क्रॉस; अयूब द्वाहा, युगांडा रेड क्रॉस सोसाइटी; गेविन व्हाइट, अमेरिकन रेड क्रॉस; ऐमी विलॉक्स, रिसर्जेंस।

इस गाइड का लेख संपादन एलेक्स विंटर के सहयोग से सारा टेम्पेस्ट द्वारा किया गया।
इसे इस्ज़टर सरोडी द्वारा डिज़ाइन किया गया।
चित्र एनी विल्किंसन द्वारा तैयार किए गए।
अनुवाद सेवाएं अमेरिकन लेंगवेज सर्विसेज़ द्वारा प्रदान की गईं।
इन दिशा-निर्देशों (गाइड) को विकसित करने में क्लाइमेट-KIC ने वित्तीय सहयोग किया और इसे EU फ्रेमवर्क प्रोग्राम फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन - होराइज़न 2020 - के तहत यूरोपीय संघ के यूरोपियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी से भी धन प्राप्त हुआ। इस गाइड के लिए नीदरलैंड्स रेड क्रॉस, जर्मन रेड क्रॉस, वैश्विक आपदा तत्परता केंद्र और पार्टनर्स फॉर रिज़ीलिएंस द्वारा धन और वस्तु के रूप में अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई।

यह किट इनके द्वारा तैयार की गई:

Climate Centre | Global Disaster Preparedness Center | IFRC | RESURGENCE | Wetlands International

इनसे प्राप्त धनराशि से:

Climate-KIC | The Netherlands Red Cross | German Red Cross | PARTNERS FOR RESILIENCE